फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 357 प्रभात जयपुर, रविवार 28 जुलाई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

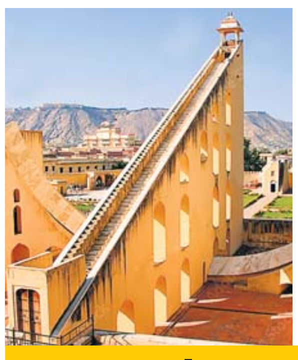

Tamerlane To Jantar Mantar

It is said that the tracking of celestial bodies from Jai Singh's observatories was more accurate than that in other cities of the world.

BROWN SUGAR WOWS

Hand it to Brown Sugar for delivering wholesome meals with a carefully curated menu that not only serves the Zoomers but also Gen X and senior citizens, who want to chill on their day out.

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का कार्यकाल छः माह और बढ़ा

ऐसा माना जा रहा है कि प्र.मंत्री मोदी व संघ प्रमुख मोहन भागवत के बीच पार्टी को कंट्रोल करने के लिये चल रही खींचतान के कारण नड्डा को एक्सटैंशन देना आवश्यक हो गया था

- यह भी माना जा रहा है कि मोहन भागवत नया भाजपा अध्यक्ष पूर्णतया आर.एस.एस. का कट्टर समर्थक चाहते हैं। जिससे पुनः भाजपा पर उनका पूर्णतया नियंत्रण हो।
- मोदी शासन के गत दस वर्षों में संघ का भाजपा में प्रभाव कम हो गया था तथा नये पार्टी अध्यक्ष के मार्फत भागवत पुनः भाजपा पर संघ का प्रभाव स्थापित करना चाहते हैं।
- छः माह में मोदी 75 वर्ष के हो जायेंगे तथा आडवाणी व मुरली मनोहर जोशी की भांति उन्हें भी रिटायर होना पड़ेगा तथा बागडोर युवा पीढ़ी के नेता को सौंपनी पड़ेगी।
- आर.एस.एस. मोदी को लोकसभा चुनाव के बीच ही रिटायर करना चाहती थी, जब भाजपा लोकसभा में अल्पमत में आ गयी थी, पर, मोदी ने सीधे एन.डी.ए. की ओर से प्र.मंत्री पद का उम्मीदवार बनकर भाजपा के संसदीय बोर्ड की भूमिका गौण कर दी थी।
- अब मोदी की आयु 75 वर्ष होने के बाद एक संघर्ष की स्थिति बनेगी तथा आर.एस.एस. मूल के सांसदों की भूमिका निर्णायक हो जायेगी। ऐसा माना जा रहा है कि योगी आदित्यनाथ का रोल भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि निरंतर चर्चा जोर पकड़ती जा रही है कि मोदी-शाह द्वय योगी को हटाना चाहते हैं।

- रेणु मित्तल -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा अगले 6 माह तक पार्टी अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। उनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है तथा अब वे कार्यकाल विस्तार पर हैं।

उनका कार्यकाल क्यों बढ़ाया गया, जबकि उनके स्थान पर कोई अन्य नेता अध्यक्ष बनना था। इसीलिये तो उन्हें एन.डी.ए. सरकार के गठन के समय केन्द्रीय मन्त्री बनाया गया था।

नया अध्यक्ष न बनाये जाने के पीछे मूल कारण आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच चल रही रस्साकशी है। भागवत चाहते हैं कि उनकी पसंद का कोई कट्टर आर.एस.एस. समर्थक व्यक्ति भाजपा अध्यक्ष बने, जिससे पार्टी का नियन्त्रण फिर से उनके हाथों में आ जाये, जो मोदी-शासन के दस वर्षों के दौरान, उनके हाथों से निकल गया है।

दूसरी तरफ, मोदी अपनी पसन्द का कोई व्यक्ति चाहते हैं, जिससे पार्टी तथा सरकार दोनों में ही सत्ता उनके नियन्त्रण में रहे। इसलिए, नए अध्यक्ष का निर्णय अभी टाल दिया गया है।

अगले छः महीने, मोदी 75 वर्ष की आयु को पार कर लेंगे। यही आयु-सीमा रिटायर होने के लिये तय की गई है, जिससे अपेक्षाकृत युवा नेता सत्ता के संचालन तन्त्र में आ सकें।

यहाँ यह याद दिलाना उचित होगा कि एल.के.आडवाणी तथा मुरली मनोहर जोशी तथा अन्य उम्रदराज नेताओं को रिटायर कर सत्ता से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि वे लोग 75 वर्ष के हो चुके थे। आर.एस.एस. मोदी शासन का अन्त करने तथा उनके स्थान पर अपनी पसंद का नेता लाने के लिये कारणों की तलाश रही है। जब 2024

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जे.डी.ए. सचिव गिरफ्तारी वॉरंट और जे.डी.सी. जमानती वॉरंट से तलब

जयपुर, 27 जुलाई (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, चतुर्थ ने पृथ्वीराज नगर (पी.आर.एन.) में भूखंड देने से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट तक केस हारने के बाद भी, 11 साल में आयोग के आदेश की पालना नहीं करने

- जिला उपभोक्ता आयोग ने पृथ्वीराज नगर योजना में भूखंड देने के एक मामले में यह आदेश दिए। इस मामले में जे.डी.ए. सुप्रीम कोर्ट में भी हार चुका है फिर भी परिवादी शंभुदयाल अग्रवाल को भूखंड नहीं दिया गया।

पर जे.डी.ए. सचिव हेमपुष्पा शर्मा के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

आयोग ने गांधी नगर एस.एच.ओ. को निर्देश दिया है कि वे सचिव को गिरफ्तार कर 12 अगस्त को आयोग के समक्ष पेश करें। इसी के साथ आयोग ने जे.डी.सी. मंजू राजपाल को भी 10 हजार रुपए के जमानती वारंट से 12 अगस्त को तलब किया है और वारंट की तामील की जिम्मेदारी गांधीनगर एस.एच.ओ. को दी है। आयोग ने यह आदेश परिवादी शम्भूदयाल अग्रवाल के प्रार्थना पत्र पर दिया। प्रार्थना पत्र में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीति आयोग प्रकरण में ममता बनर्जी की मजबूरी झलकती है?

नीति आयोग की बैठक में उन्होंने महसूस किया कि वे अलग-थलग पड़ गईं और एकमात्र गैर-भाजपा मु.मंत्री बनकर रह गईं, जो नीति आयोग की बैठक में भाग ले रही हैं

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। हर तरीके से ममता बनर्जी राष्ट्र का ध्यान उनकी ओर आकर्षित करने के लिए बेताब हो रही हैं क्योंकि अब वो राष्ट्रीय राजनीति में शुन्य पर चली गईं हैं।

ममता बनर्जी ने दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक पर अपने क्रोध का इज़हार किया और दावा किया कि उन्हें बैठक में अपनी बात रखने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया। उन्होंने उनके साथ हुई घटना के बारे में दावे के साथ कहा कि उनका माइक जानबूझकर बंद कर दिया गया था।

उनके इस बेबुनियाद आरोप के जवाब में केन्द्र सरकार ने उनके इस दावे का खंडन किया कि उनका माइक बंद कर दिया गया था, सरकार ने दावे के साथ कहा कि यह आरोप सत्य नहीं है।

दुसरी तरफ, बंगाल से उनके इंडिया गठबंधन के एक प्रतिनिधि ने उनके इस दावे को बकवास बताया।

पश्चिम बंगाल से कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी जो एक बार संसद में विपक्ष के नेता रह चुके हैं उन्होंने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वे राहुल गांधी के राष्ट्रीय राजनीति में मुख्य भूमिका में आने के कारण उनसे बहुत "ईर्ष्या" करती हैं।

अधीर रंजन ने कहा कि ममता बनर्जी यह जानती थीं कि नीति आयोग की बैठक में क्या होने वाला है इसलिए उन्होंने अपनी ओर ध्यान केन्द्रित करने के लिए जानबूझकर यह सब नाटक किया था। ममता बनर्जी प्रधानमंत्री की उपस्थित में दिल्ली में आयोजित नीति

- अतः उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचा, इसके अलावा नीति आयोग की बैठक के बीच में बायकॉट का नाटक रचकर वॉकआउट करें।
- प्रैस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पी.आई.बी.) ने "फैक्ट चैक" करके अपना निर्णय सुनाया कि ममता बनर्जी का दावा गलत है कि उनका "माइक" बंद कर दिया गया और उन्हें बोलने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया। पी.आई.बी. के अनुसार उन्हें जो समय आवंटित था, उन्होंने न केवल उसका पूरा उपयोग किया, बल्कि अपने आवंटित समय से ज्यादा समय लिया और उनका समय खत्म होने के बाद भी उनको रोकने के लिये घंटी भी नहीं बजाई थी।
- कांग्रेस के बंगाल के नेता अधीर रंजन चौधरी, जो लोकसभा में विपक्ष के नेता भी रह चुके हैं, ने सार्वजनिक बयान में कहा, ममता बनर्जी को भारी जलन हो रही है राहुल गांधी से, क्योंकि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता ही नहीं बने, बल्कि इण्डिया गठबंधन की राजनीति अब उनके चारों तरफ ही घूम रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान से बैंगलुरू भेजा गया 14,000 किलोग्राम संदिग्ध "डॉग मीट" जब्त

समझा जाता है कि बैंगलुरू में रैस्त्रां अपने ग्राहकों को मटन के नाम पर डॉग मीट परोस रहे हैं

- स्थानीय पुलिस ने बताया कि जयपुर-मैसूर एक्सप्रैस से 14,000 किलोग्राम मांस के कार्टन राजस्थान से बैंगलोर भेजे गए थे।
- स्थानीय पुलिस व फूड सेफ्टा एण्ड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों को खबर मिली कि कार्टनों में संभवतया "डॉग मीट" है।
- बेंगलुरू के यशवंतपुर रेल्वे स्टेशन पर जब ये कार्टन ट्रकों में लादे जा रहे थे तब पुलिस ने इन्हें जब्त कर लिया और सैम्पल टैस्ट के लिए भेजे हैं।
- अगर साबित हो गया कि यह डॉग मीट है तो दोषियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। संभावना है कि बेंगलुरू के रैस्त्रां और भोजनालय अपने ग्राहकों को कुत्ते का मांस (डॉग मीट) परोस रहे हैं। यह बात तब सामने आई, जब पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने राजस्थान से आई एक ट्रेन से कार्टनों में भरकर आया संदिग्ध डॉग मीट जब्त किया।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, व्यापारी लोग आमतौर पर ट्रेन से मांस के कार्टन भेजते हैं। कुछ आकलनों के अनुसार, राजस्थान से तकरीबन 14,000 किलो मांस ट्रेन से बेंगलुरू भेजा जाता है। शुक्रवार को स्थानीय पुलिस तथा फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया के कर्मियों ने जयपुर- मैसूर एक्सप्रेस से आए संदिग्ध डॉग मीट के 150 कार्टन जब्त किए। फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया (एफ.एस.एस.ए.आई.) ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मांस के सैम्पल जांच व परीक्षण के लिए लैबोरेटरी भेजे गए हैं। यह भी कहा गया कि प्रतिबंधित पशु मांस भेजने और रैस्त्रां तथा भोजनालयों को बेचने के दोषी पाए गए लोगों को सख्त सजा दी जाएगी।

गौ रक्षक समूहों के अनुसार, राजस्थान से हर रोज बड़ी तादाद में मांस ट्रेन से बेंगलुरू आता है। शुक्रवार को अधिकारियों ने बेंगलुरू के यशवंतपुर रेलवे स्टेशन पर मीट के ट्रकों को पकड़ा, जिन पर शहर में वितरण के लिए मांस के कार्टन लादे जा रहे थे। यह माल जयपुर- मैसूर एक्सप्रेस से आया था। सूचना मिलने पर बी.बी.एम.पी. (बृहत बेंगलुरू महानगर पालिका) के स्वास्थ्य अधिकारी तुरंत रेलवे स्टेशन पहुँचे।

ज्ञातव्य है कि डॉग मीट के व्यापार पर प्रतिबंध है तथा नागालैण्ड, मिज़ोरम और अरुणाचल प्रदेश में, जहाँ कथित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्लीः कोचिंग सैन्टर के बेसमैंट में पानी भरा, दो स्टूडैंट्स की मौत

नई दिल्ली, 27 जुलाई। दिल्ली में बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर जाने की जानकारी सामने आई है। सेंट्रल दिल्ली के राजेंद्र नगर में यू.पी.एस.सी. एग्जाम की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया। घटना में दो छात्राओं के मौत की खबर है। घटना की जानकारी मिलते ही

- दिल्ली के राजेन्द्र नगर इलाके में बारिश के बाद कोचिंग के बेसमैंट में पानी भर गया, जिससे वहां क्लास ले रहे कई स्टूडैंट्स फंस गये तथा दो छात्राओं की मौत की जानकारी सामने आई है।

फायर और एनडीआरएफ की टीमें बचाव के लिए पहुंचीं। घटना राव आई.ए.एस. स्टडी सैंटर की बताई जा रही है। दिल्ली सरकार ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं।

घटना पर डी.सी.पी. सैंट्रल एम हर्षवर्धन ने बताया कि शाम 7 बजे हमें सूचना मिली कि राजेंद्र नगर में एक यू.पी.एस.सी. कोचिंग संस्थान के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी ने भविष्य में आयोजित नीति आयोग की किसी भी बैठक में भाग न लेने की धमकी दी

विपक्ष के नेता ममता बनर्जी का समर्थन करते हुए नज़र आये

- तमिलनाडू के मु.मंत्री स्टालिन ने कहा, ऐसा बर्ताव किसी भी मु.मंत्री से नहीं किया जा सकता। विपक्ष प्रजातंत्रीय व्यवस्था का हिस्सा है कोई शत्रु नहीं, जिसे इस तरह चुप कराया जा सकता है।
- लालू यादव ने कहा, "फेल्ड आइडिया" (असफल सोच) है नीति आयोग, योजना आयोग वो ही काम कर रहा था, जो नीति आयोग से अपेक्षा है। मोदी सरकार ने योजना आयोग केवल इसलिये भंग किया क्योंकि यह नेहरू जी के समय गठित हुआ था।
- बहरहाल दिल्ली में ममता बनर्जी अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता से उनके घर जाकर मिलीं तथा पूरा समर्थन देने का वादा किया।
- इसी प्रकार वे मुम्बई यात्रा के दौरान वरिष्ठ नेता शरद पवार व उद्धव ठाकरे से भी मिली थीं, विपक्ष में एकता दिखाने के लिये।

- श्रीनन्द झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज नीति आयोग की चल रही बैठक से बीच में ही बाहर आई और आरोप लगाया कि उन्हें बैठक में बहुत कम समय बोलने दिया। उन्होंने सिर्फ इतना ही नहीं कहा बल्कि यह भी धमकी दी कि वे भविष्य में आयोजित होने वाली बैठकों में उपस्थित नहीं होंगी। बनर्जी ने कहा कि नीति आयोग के पास कोई वित्तीय शक्तियां नहीं हैं। इस संस्था को या तो वित्तीय शक्तियों से समर्थ बनाया जाए, या फिर जो पहले योजना आयोग था उसे पुनर्जीवित किया जाए।"

विपक्षी नेताओं ने भी बनर्जी की इस शिकायत का साथ दिया कि बैठक में उनके भाषण को छोटा कर दिया क्योंकि उनके भाषण के दौरान उनके माइक की आवाज बंद कर दी गई थी। इस घटना पर स्टालिन ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "क्या यही सहभागिता वाला संघवाद है? क्या एक मुख्यमंत्री से व्यवहार का यही तरीका है? भाजपा की केन्द्र सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि विपक्षी दल हमारे लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें चुप कराने के लिए उनके साथ शत्रुओं जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए।"

इस मामले पर लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) ने भी सरकार को आड़े हाथों लिया और नीति आयोग को एक "विफल विचार" बताया। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने नीति आयोग पर टिप्पणी करते हुए कहा "नीति आयोग क्या है? यह वह निकाय है जिसे एक विशेष अकादमिक अभ्यास के लिए गठित किया है। इससे क्या उपलब्धि प्राप्त हुई है? साफतौर से कुछ भी नहीं। योजना आयोग से क्या परेशानी थी? सिर्फ यह कि वह नेहरू के समय से चली आ रही थी, इसलिए नीति आयोग का गठन किया गया। परन्तु आप नेहरू युग की कई चीजों को अभी तक चला आ रहा था।

मीडिया के एक वर्ग ने ममता बनर्जी के नीति आयोग की आज की बैठक में उपस्थित होने के निर्णय को इंडिया गठबंधन में बढ़ती हुई दरार कहा था, क्योंकि विपक्ष-शासित सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने "भेदभावपूर्ण बजट प्रस्तावों" के विरोध में नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का निर्णय किया था। उन्होंने बजट प्रस्तावों को विपक्ष शासित राज्यों की उपेक्षा और उनके साथ भेदभाव करने के समान बताया। इसका बनर्जी ने बैठक में लगभग उसी अंदाज में अपनी बात कही। इससे पूर्व बनर्जी ने जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता से मुलाकात की ओर उन्हें समर्थन का विश्वास दिलाया। कुछ सप्ताह पूर्व उनकी मुम्बई यात्रा के दौरान बनर्जी ने एन.सी.पी. (एस.पी.) के अध्यक्ष शरद पवार एवं शिव सेना (यू.बी.टी.) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल ने की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली/जयपुर, 27 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) के अवसर पर सेना के अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की

- अग्निवीरों को राज्य पुलिस, जेल प्रहरी और वनरक्षक के रूप में आरक्षण मिलेगा।

है। उन्होंने कहा कि समर्पण और राष्ट्र भक्ति की भावना से देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले अग्निवीरों के लिए राजस्थान सरकार ने राज्य पुलिस, जेल प्रहरी और वनरक्षक के रूप में आरक्षण का प्रावधान रखा है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के इस फैसले से अग्निवीरों को देश की सेवा के बाद प्रदेश में भी काम करने का अवसर प्राप्त होगा।

'जब मैं नीति आयोग की बैठक में बोलने लगी तो मेरा माइक बंद कर दिया गया'

प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केन्द्र सरकार पर सनसनीखेज आरोप लगाकर बैठक से वॉकआउट किया

- ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, मुझसे पहले सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को 10-15 मिनट बोलने दिया गया। आंध्र के मुख्यमंत्री तो 20 मिनट बोले, पर मुझे सिर्फ 5 मिनट दिए गए।
- ममता बनर्जी ने वॉकआउट के बाद पत्रकारों से कहा कि मैं विपक्ष की तरफ से एकमात्र मुख्यमंत्री थी, उन्हें खुश होना चाहिए था और मुझे बोलने देना चाहिए था।
- बनर्जी ने कहा कि नीति आयोग की मीटिंग में मेरे साथ जो व्यवहार हुआ वह सभी क्षेत्रीय दलों का अपमान है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। केन्द्र सरकार और गैर भाजपा शासित राज्यों के बीच बढ़ते मतभेद का स्पष्ट नज़ारा नीति आयोग की बैठक में दिखा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एकमात्र विपक्षी मुख्यमंत्री थीं जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुई नीति आयोग की बैठक में शामिल हुई थीं, पर जब वो कुछ बोल रही थी उस समय उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया तो वे नाराज़ होकर मीटिंग छोड़कर बाहर आ गईं।

बनर्जी ने नीति आयोग की बैठक में राजनैतिक भेदभाव का आरोप लगाया। गैर भाजपा शासित राज्यों में से सिर्फ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही बैठक में शामिल हुई थीं और इंडिया ब्लॉक के बाकी सभी मुख्यमंत्रियों ने बैठक का बहिष्कार किया था।

बनर्जी का दावा है कि उनका माइक म्यूट कर दिय गया और सिर्फ 5 मिनट ही बोलने दिया गया। लेकिन केन्द्र सरकार ने प्रैस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो द्वारा फैक्ट चैक करवाकर इस दावे को खारिज कर दिया।

बनर्जी ने पत्रकारों से कहा कि, "मैंने कहा था आपको (केन्द्र) राज्यों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए मैं बोलना चाहती थी पर मेरा माइक बंद था। मुझे सिर्फ 5 मिनट बोलने दिया गया पर मुझ से पहले वालों को 10-20 मिनट दिए गए थे। मैंने मीटिंग से वॉक आउट किया है। मैं भविष्य में कभी भी नीति आयोग की बैठक में हिस्सा नहीं लूंगी।"

ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने मीटिंग में कहा केन्द्र सरकारों को राज्यों में भेदभाव नहीं करना चाहिए। सरकारें ऐसे नहीं चलतीं। सभी से समान व्यवहार करना चाहिए। भाजपा शासित राज्यों और भाजपा समर्थक राज्यों के मुख्यमंत्रियों को 15-20 मिनट बिना किसी टोकाटाकी के बोलने दिया गया। असम, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री 10-15 मिनट बोले। आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू 20 मिनट बोले। बनर्जी ने आगे कहा, "मैं एक मात्र मुख्यमंत्री थी, जो विपक्ष शासित राज्य से थी। उन्हें इसके बारे में खुश होना चाहिए था और मुझे बोलने देना चाहिए था।"

बनर्जी ने कहा कि उनके साथ जो व्यवहार हुआ है वह सभी क्षेत्रीय दलों का अपमान है।

विपक्षी दलों ने पूर्व में आरोप लगाया था कि बजट में आंध्र व बिहार पर मेहरबानी की गई क्योंकि केन्द्र सरकार इन दो राज्यों के समर्थन पर टिकी है।

कांग्रेस ने तो पहले ही कह दिया था कि पक्षपाती बजट के विरोध में कांग्रेस के मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक में भाग नहीं लेंगे।

अन्य विपक्षी दलों ने भी बजट में पक्षपात के खिलाफ नीति आयोग की बैठक में भाग लेने से मना कर दिया था। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बायकॉट की घोषणा करने की शुरुआत की। उसके बाद कांग्रेस शासित राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक व तेलंगाना ने भी बैठक के बहिष्कार की घोषणा की और फिर पंजाब, केरल व झारखंड ने भी यही रूख अपनाया।

अनंतनाग में वाहन खाई में गिरा, आठ लोगों की मौत

श्रीनगर, 27 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को एक वाहन के खाई में गिर जाने से पांच बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हादसा डकसुम किश्तवाड़ रोड पर अरशान के पास हुआ।

अधिकारियों ने कहा कि वाहन किश्तवाड़ से डकसुम की ओर जा रहा था, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और खाई

- मरने वाले सभी लोग एक ही परिवार के थे।

में लुढ़क गया, जिससे एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद, वरिष्ठ नागरिक और पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। मृतकों में पांच बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं।

मृतकों की पहचान किश्तवाड़ के पुलिसकर्मी इम्तियाज राथर, अफरोजा बेगम, रेशमा और छह से 15 साल की उम्र के बीच के पांच बच्चों के रूप में की गई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल, मनोज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मूर्ख आदमी अपने बड़े से बड़े दोष अनदेखा करता है,
किन्तु दूसरे के छोटे से छोटे दोष को देखता है। –संस्कृत सूक्ति

गरीबी दूर करने के लिए शिक्षा की अनिवार्यता

शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति ज्ञान, कौशल, मूल्य, और व्यवहार सीखते हैं, जो उनके बौद्धिक, नैतिक, और शारीरिक विकास को बढ़ाते हैं। यह व्यक्तियों को समाज में सक्रिय और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करती है, नवीन विचार और प्रौद्योगिकी सीखने के अवसर प्रदान करती है, और इस प्रकार जीवन में सफलता प्राप्त करने में सहायक होती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान को रटना नहीं, बल्कि विश्लेषणात्मक समझ और क्रिटिकल थिंकिंग के कौशल का विकास करना है, जो व्यक्तियों को जानकारी का उपयोग कर समस्याओं का समाधान करने और जीवन में उन्नति करने में सक्षम बनाता है।

आइए देखें कि विश्व भर में उच्च शिक्षा और गरीबी के बीच संबंध कैसे हैं। जैसे, स्कैंडिनेवियाई देशों में जहां शिक्षा का स्तर उच्च है, वहाँ गरीबी अत्यंत कम है। ये देश शिक्षा में भारी निवेश करते हैं और शिक्षा सभी के लिए सुलभ है। इसके विपरीत, अफ्रीकी महाद्वीप के कई देशों में शिक्षा की पहुँच सीमित है और गुणवत्ता कम है, जिससे ये देश गरीबी में डूबे हुए हैं। इससे स्पष्ट है कि शिक्षा का स्तर और गरीबी के बीच सीधा संबंध है।

पढ़े-लिखे लोग स्वयं को गरीबी से बाहर कैसे कर लेते हैं और गरीबी से मुक्त होकर पुनः वापस गरीबी में गिरने से बचने में अधिक सक्षम और समर्थ कैसे रहते हैं? वस्तुतः इस मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को समझने के लिए इस विषय पर वर्ष 2024 तक 33,232 शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इस विषय पर 700 से अधिक शोधपत्र ऐसे हैं जिनके शीर्षक में शिक्षा और गरीबी का सन्दर्भ है। आइये देखते हैं, शिक्षा किस प्रक्रिया से गरीबी दूर करती है और पुनः गरीबी में गिरने से बचाती है।

शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति को न केवल बेहतर रोजगार मिलते हैं, बल्कि यह उन्हें समाज में सक्रिय और जागरूक नागरिक बनने में भी सहायक होती है। वर्ष 2024 में 38 देशों के आंकडों के आधार पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार, उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार न केवल समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देता है बल्कि आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन में भी सहायक होता है। विश्व बैंक के अनुसार, शिक्षित व्यक्ति उच्च आय वाली नौकरियों के लिए योग्य होते हैं और उनके पास बेहतर स्वास्थ्य और जीवन स्तर तक पहुँच होती है, जिससे समाज के समग्र विकास में योगदान मिलता है।

अध्ययन यह भी बताता है कि उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार शैक्षिक विकास और वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी नवाचार को प्रोत्साहित करता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा धनात्मक प्रभाव पड़ता है। स्वाभाविक है सरकारों को उच्चकोटि की विद्यालयीन शिक्षा के साथ ही उच्च-शिक्षा के प्रसार पर ध्यान देना चाहिए ताकि देश के आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन दोनों को बढ़ावा मिल सके। यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष जो किसी व्यक्ति ने स्कूल में बिताया है, उससे उसकी औसत आय में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है। इससे न केवल व्यक्तिगत आय में सुधार होता है, बल्कि यह राष्ट्रीय आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है। शिक्षा से लोगों को बेहतर रोजगार पाने, उद्यिमता की ओर बढ़ने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने की क्षमता मिलती है।

चीन में वर्ष 2024 में प्रकाशित एक अध्ययन शिक्षा और सापेक्ष गरीबी के मध्य रिश्तों के साथ ही शिक्षा और सापेक्ष गरीबी के अंतर-पीढ़ीगत संचरण में कमी पर किया गया। इसके निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि जैसे-जैसे बच्चों की अनिवार्य शिक्षा की अवधि एक सेमेस्टर से बढ़ती है, उनके सापेक्ष गरीबी का अनुभव करने की संभावना 6-8 प्रतिशत तक कम हो जाती है। सापेक्ष गरीबी के अंतर-पीढ़ीगत संचरण को शिक्षा ही रोक सकती है।

यहां आपको याद रखना चाहिए कि शिक्षा भले ही गरीबी मिटाने के लिए जरूरी हो, पर गरीबी खुद शिक्षा प्राप्त करने में एक बड़ी बाधा है। गरीबी से जुड़ी चुनौतियाँ शैक्षिक उपलब्धियों में असमानता बढ़ाती हैं, जो बाद में आय, स्वास्थ्य और खुशहाली में भी असमानता का कारण बनती हैं। स्कूल सीधे तौर पर गरीबी का मुकाबला तो नहीं कर सकते, पर वे गरीबी के कलंक से निपटने और स्कूली शिक्षा को अधिक समान बनाने की नीतियाँ लागू कर सकते हैं। सरकारों को भी हर बच्चे को उनकी पसंद के विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने के लिए जरूरी संसाधन मुहैया कराने चाहिए। इसके अलावा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के लिए भारी निवेश की आवश्यकता है, जिससे भारत की शिक्षा प्रणाली में सुधार हो सके।

इस प्रकार, शिक्षा गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए एक अनिवार्य साधन है। यह व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर विकास को संभव बनाता है, जिससे एक समृद्ध, स्वस्थ और संतुलित समाज की नींव रखी जा सकती है। शिक्षा के माध्यम से, व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सुधार कर सकते हैं, बल्कि वे समाज के लिए भी उपयोगी और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

दूसरी बात यह है कि शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहते हैं और समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते हैं। इस प्रकार वे न केवल अपने लिए बल्कि समाज के अन्य वर्गों के लिए भी बेहतर परिस्थितियाँ बनाने में योगदान देते हैं।

तीसरी बात यह है कि शिक्षा सामाजिक असमानताओं को कम करने में मदद करती है। उच्च गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा प्राप्त कर लेने पर सभी के लिए समान अवसर प्राप्त होते हैं, चाहे व्यक्ति की आर्थिक या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो। इससे समाज में व्याप्त जातिगत, लैंगिक और आर्थिक भेदभाव को कम करने में मदद मिलती है, और सभी वर्गों के लोगों को उनकी प्रतिभा और क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का मौका मिलता है। स्वाभाविक है कि जब व्यक्ति, परिवार, व समाज उन्नति करते हैं तो राष्ट्र उन्नति करता है।

अंततः, शिक्षा व्यक्तियों को नई तकनीकों और विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है, जो आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए अनिवार्य हैं। इस प्रकार, शिक्षा गरीबी उन्मूलन के साथ-साथ सतत विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है, जिससे न केवल व्यक्तिगत जीवन में सुधार होता है, अपितु समाज के हर क्षेत्र में प्रगति सुनिश्चित होती है। इसलिए, यह आवश्यक है कि शिक्षा को हर स्तर पर प्रोत्साहित किया जाए और इसे सभी के लिए सुलभ बनाया जाए। इसके माध्यम से हम एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो न केवल अधिक जागरूक और शिक्षित हो, बल्कि अधिक समृद्ध और समानता युक्त हो।

शिक्षा के महत्व को समझने और इसे व्यापक रूप से लागू करने के लिए, सरकारों, समुदायों और व्यक्तियों का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। यह सहयोग न केवल शैक्षिक अवसरों को बढ़ाएगा बल्कि एक ऐसा वातावरण भी तैयार करेगा जहाँ हर व्यक्ति अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँच सके। इस प्रक्रिया से शिक्षा गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बन सकती है। इसलिए, शिक्षा को समाज के समग्र विकास के लिए एक प्राथमिकता के रूप में देखा जाना चाहिए।

यहाँ कुछ बातें ध्यान रखना आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से कौशल को बढ़ावा देना होगा। शिक्षा का अर्थ रट्टामार ज्ञान या रोट-लर्निंग नहीं, विश्लेषणात्मक समझ का विकास है। शिक्षा कौशल का मूल है। अगर कौशल विकास नहीं हुआ तो वह शिक्षा, शिक्षा नहीं है। अगर कौशल नहीं है तो डिग्रियां सिर्फ कागज का टुकड़ा हैं। लेकिन, जैसा कि हम पूर्व में बता चुके हैं कि गरीबी दूर करने में व्यक्ति को शिक्षित होने के साथ स्वस्थ भी होना चाहिए और वहां के समाज और प्रशासन व्यवस्था में शांति होनी चाहिए तथा बढ़िया पर्यावरण संरक्षण होना भी आवश्यक है। इन चारों को बहुत व्यापक अर्थ में समझना आवश्यक है।

इस प्रकार, शिक्षा गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए एक अनिवार्य साधन है। यह व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर विकास को संभव बनाता है, जिससे एक समृद्ध, स्वस्थ और संतुलित समाज की नींव रखी जा सकती है। शिक्षा के माध्यम से, व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सुधार कर सकते हैं, बल्कि वे समाज के लिए भी उपयोगी और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग शिक्षा को प्राथमिकता दें और इसे सुलभ बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों का निवेश करें।

गरीबी एक ऐसा अभिशाप है जो न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे समाज की प्रगति को भी रोकता है। इसके चंगुल से मुक्ति पाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण चार महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जो न केवल व्यक्तिगत और पारिवारिक अपितु सामाजिक और राष्ट्रीय उत्थान में सहायक हैं। यदि भारत के गावों में रहने वाले अति-गरीब की किस्मत बदलनी है तो उस परिवार के बच्चों की शिक्षा के लिए गाँव-गाँव उच्चकोटि के शिक्षक नियुक्त करने होंगे, समाज के लोगों को शिक्षक का सम्मान करना होगा, तभी शिक्षक उन बच्चों के दिल में परिवर्तन के लिए अपने उच्च विचारों की चिंगारी से जलती हुई आग पैदा करेगा। गरीबी से बाहर निकालने के लिए परिवर्तन की आग और उस आग को सदा जीवित रखने के लिए समाज द्वारा सम्मानित और उच्चकोटि के शिक्षकों द्वारा दिया ज्ञान ही यह परिवर्तन ला सकता है। तमाम बाकी उपाय आज तक असफल रहे हैं। चंद हजार की चाकरी में उच्चकोटि के शिक्षक नहीं पैदा किये जा सकते। दैनिक मजदूरी की दरों में संविदा कर्मी मिलते हैं, शिक्षक नहीं।

ऐसे शिक्षक जो अपने ज्ञान और उत्साह से बच्चों के दिलों में नई उम्मीद और सपने जगा सकें, वे गरीबी की जंजीरों को तोड़ने में मददगार सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि समाज भी शिक्षकों का सम्मान करे। शिक्षकों को सम्मान देना उन्हें प्रेरित करता है और उनके कार्य में गुणवत्ता लाता है। जब समाज शिक्षकों को उचित सम्मान देता है, तो शिक्षक भी अपने कार्य को और अधिक जिम्मेदारी और निष्ठा से निभाने का प्रयास करते हैं।

अंत में, यह समझना महत्वपूर्ण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के संयोजन से ही गरीबी के गहरे अभिशाप को मिटाया जा सकता है। दुनिया में शायद ही कोई समाज ऐसा हो जो शिक्षित होकर भी गरीब हो। इसलिए, भारत के प्रत्येक बच्चे को उच्चकोटि की शिक्षा प्रदान करना न केवल आवश्यक है बल्कि यह भारत को डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा। गरीबी की भयावह और विकट परिस्थितियों को सकारात्मकता में बदलने की क्षमता हम सभी के भीतर है, बशर्ते हमारे हृदय में उस परिवर्तन की आग धधक रही हो। हालांकि, इस आग को संभालने के लिए सत्यनिष्ठा, आत्म-नियंत्रण, करुणा और परोपकार जैसे मानवीय गुण अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इनके बिना, यही आग हमें भस्म कर सकती है। इस प्रकार, हमें स्वयं के साथ समग्र समाज को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने के लिए इन मूल्यों को भी अपनाना होगा। शिक्षा मानव को सामर्थ्य प्रदान करती है, जिससे उनमें समर्थता आती है और यह समर्थता उन्हें निर्भय बनाती है, जिससे वे समाज में सशक्त रूप से उभरते और उन्नति करते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

समृद्ध और विकसित भारत का बजट

सतीश पूनिया

केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में विकसित भारत की रूपरेखा तैयार की है। यह बजट विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसकी तैयारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों से बहुत पहले ही कर दी थी। देश की आर्थिक प्रगति के लिए यह बजट ग्रोथ इंजन का काम करने वाला है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में देश के सभी सैक्टर, और सभी वर्गों का ध्यान रखा है। वित्त मंत्री ने वेतन भोगियों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, छात्रों के लिए कई घोषणाएं की हैं। सही मायने में यह सर्वस्पर्शी और समावेशी बजट है। वित्त मंत्री ने बजट में नौ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर फोकस किया है। इनमें कृषि में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा अगली पीढ़ी के सुधार जैसे महत्वपूर्ण सैक्टर शामिल हैं। इनमें आवंटित बजट से आगामी वर्षों में होने वाले कार्यों से विकसित भारत की तस्वीर उभरने लगेगी।

देश में रोजगार और काम की तलाश के लिए संघर्षरत युवाओं के लिए बजट में सात बड़ी घोषणाएं की गई हैं। मोदी सरकार ने रोजगार और कौशल विकास जैसे सैक्टर के लिए एक लाख अड़तालीस हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। रोजगार से संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं से अगले पांच साल में चार करोड़ से ज्यादा युवाओं को नौकरी, कौशल विकास या फिर अन्य अवसर उपलब्ध करवाएं जाएंगे। इससे बड़ी संख्या में युवा शक्ति को काम मिलेगा। भारत की आर्थिक प्रगति में मध्यम आय वर्ग की बड़ी भूमिका रहती है। मध्यम आय वर्ग को आयकर में छूट देकर राहत देने का काम किया है। इससे मध्यम आय वर्ग की जेब में बचा पैसा देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में एक संवाहक का काम करेगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 29 जनवरी 1962 में एक लेख में खेती के बारे में लिखा था कि "देश के आर्थिक विकास का आधार खेती है। क्योंकि भारत में 72 फ़ीसदी जनसंख्या की आय का मुख्य स्त्रोत खेती ही है और राष्ट्रीय आय का आधा हिस्सा खेती से आता है। इस कारण खेती को पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।" पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अनुयायी भारतीय जनता पार्टी के लिए खेती और कृषि हमेशा प्राथमिकता में रहे हैं।

इस बजट में भी कृषि और किसानों पर विशेष फोकस रहा है। कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने डेढ़ लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। खेती में इनोवेटिव टेक्नोलॉजी, प्राकृतिक खेती और मौसम के अनुकूल फसलों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। बजट में ऐलान किया गया है कि अगले दो साल में एक करोड़ किसानों की प्राकृतिक खेती में मदद की जाएगी। सरकार दलहन और तिलहन के लिए मिशन की शुरुआत करेगी। सरकार इन नकदी फसलों के उत्पादन और मार्केटिंग तंत्र को मजबूत कर उत्पादकों को मजबूत करने का काम करेगी। मोदी सरकार हमेशा से कृषि क्षेत्र में नवाचार का समर्थक रही है। इस बजट में भी खेती के लिए डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की बात कही गई है। अक्सर मौसम की मार झेलने को अभिशिप्त किसानों को मौसम का पूर्वानुमान, फसल संबंधी सलाह और बाजार में चल रही कीमतों के बारे में किसानों को अपडेट मिल सकेगा। देशभर के छह करोड़ किसानों की जमीनों का रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त चार सौ जिलों में फसलों का डिजिटल सर्वे भी किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार ने कृषि बजट बढ़ाकर इस साल कृषि और संबद्ध क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ का प्रावधान रखा है, जो मोदी सरकार का किसानों के प्रति समर्पण मजबूती से स्थापित करता है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार से लेकर और अब पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम को मजबूती देकर देश के करोड़ों किसानों को संबल दिया है, अब इसी क्रम में पांच राज्यों में नए किसान क्रेडिट कार्ड भी जारी किए जाएंगे जो अन्नदाता किसान को एक बड़ी ताकत देने का काम होगा। महात्मा गांधी कहते थे भारत की आत्मा गांवों में बसती है।

जब तक गांवों को मजबूत नहीं किया जाएगा, देश का उन्नयन संभव नहीं है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर मोदी सरकार पिछले दस वर्षों से लगातार काम कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी या इंटरनेट सुविधाओं के विस्तार की बात हो, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए मोदी सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किया है। इस बजट में भी देश के पच्चीस हजार गांवों को हर मौसम के अनुकूल ऑल वेदर रोड के नेटवर्क का प्रावधान किया गया है। इसमें पच्चीस हजार ग्रामीण बस्तियों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ऑल वेदर रोड के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के नए चौथे चरण की शुरूआत की जाएगी।

इसके अलावा गांव और गरीबों से जुड़ी पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, मनरेगा, ग्राम स्वराज अभियान, जल जीवन मिशन, पीएम किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, सामाजिक न्याय और यूरिया सब्सिडी जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं पर दस लाख 76 लाख करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान किया है। गरीब कल्याण अन्न योजना को एनडीए सरकार ने फिर अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवंटन 35.36 प्रतिशत बढ़ाकर मोदी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि हर घर विहीन नागरिक को घर उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता में है। भाजपा नीत केंद्र सरकार शहरों में आर्थिक तौर पर कमजोर और मध्यम वर्ग के लिए घर खरीदने में सहायता देकर उन्हें आवास उपलब्ध करवाने में मदद कर रही है। वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि पीएम आवास योजना अर्बन के अंतर्गत अगले पांच साल में दस लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। केंद्र सरकार ने योजना के दूसरे चरण में अगले पांच साल में एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को घर मुहैया करवाने का लक्ष्य रखा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ उनके सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया है। वित्त मंत्री ने महिलाओं और लड़कियों के लिए तीन लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का जोर महिलाओं को विशेष स्किल में प्रशिक्षित करना है। इसके लिए देश की इंडस्ट्री के साथ मिलकर महिलाओं के कौशल विकास के लिए स्किलिंग कार्यक्रम चलाए जाने की घोषणा की गई है। महिला स्वयं सहायता समूहों को उत्पादों को बाजार उपलब्ध करवाने में भी सहायता की जाएगी। इससे देश की नारी शक्ति को बल मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था की गति को और ताकत मिलेगी। भारत में रोजगार उपलब्ध करवाने में छोटे तथा मझौले उद्यमों का बड़ा योगदान रहा है। देश की जीडीपी में इस सैक्टर की भागीदारी एक तिहाई से ज्यादा है। ट्रेड और मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी संख्या में एमएसएमई सैक्टर रोजगार उपलब्ध करवाते हैं। वित्त मंत्री ने देश में तीस लाख नए रोजगार के लिए एमएसएमई सैक्टर को ग्रोथ इंजन बनाने की घोषणा की है।

सरकार ने इस सैक्टर की लंबित मांग को पूरा करते हुए ऋण सीमा सौ करोड़ रुपए तक करने की घोषणा की है। गौरतलब है कि एमएसएमई सैक्टर में देश में सवा तीन करोड़ से ज्यादा महिलाओं को रोजगार मिला हुआ है। वर्ष 2025 तक पांच करोड़ महिलाओं को एमएसएमई से जोड़ने के लक्ष्य पर सरकार काम कर रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह सरकार का मजबूत कदम है। एक समय था जब युवा कोई स्टार्टअप शुरु करने से पहले यह सोचता था कि उसके लिए फंड कहां से जुटेगा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टार्टअप योजना के बाद देश में स्टार्टअप के लिए फंड जुटाना बहुत आसान हो गया है।

देश में अप्रैल 2024 तक एक लाख 27 हजार स्टार्ट-अप कार्य कर रहे हैं। स्टार्टअप को और गति देने के उद्देश्य से बजट में एनडीए सरकार ने एंजल टैक्स हटाने की घोषणा की है। इस टैक्स के हटने से स्टार्टअप नवाचारों पर ज्यादा खर्च कर सकेंगे, उन्हें फंड जुटाना भी आसान होगा और देश में स्टार्टअप के इकोसिस्टम को बढ़ावा मिलेगा। निश्चित ही भाजपा नीत एनडीए सरकार का यह बजट देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के नए मानक स्थापित करेगा। बजट से युवा, मध्यम वर्ग, किसान, महिलाओं की उन्नति के साथ देश के आधारभूत ढांचे और उद्योग तंत्र को नया बल मिलेगा।

(लेखक भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं)

–डॉ. सतीश पूनिया,
(भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष)

भामाशाह ने भौनावास पी.एस.सी. की दशा सुधारी

15 लाख की लागत के मेडीकल उपकरण व अस्पताल में कराया विकास कार्य

पावटा, (निसं)। राजकीय अस्पतालों का नाम सामने आते ही टूटी-फूटी बिल्डिंग, फर्नीचर का अभाव और दवाइयों की कमी की तस्वीर उभरती है। लेकिन पावटा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भौनावास में एक ऐसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी है जहां न केवल शानदार भवन और फर्नीचर है बल्कि निजी चिकित्सालयों जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं।

यह तस्वीर पीएचसी का सबसे बड़ा भवन भौनावास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की है। जिसका श्रेय भामाशाह सेठ विशंभर दयाल को जाता है। जिन्होंने 35 साल पहले सरकार राजकीय अस्पताल के लिए न केवल जमीन दी बल्कि 24 बड़े कमरों का दो मंजिला भवन बना कर दिया। जिसमें दो बडे वार्ड व साथी डॉक्टर के लिए अलग से क्वार्टर भी बनाकर दिये गए हैं। समय-समय पर भवन का रख रखाव रंग रोगन भी भामाशाह परिवार द्वारा करवाया जाता है।

भौनावास का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किसी प्राईवेट अस्पताल से कम नहीं है।

पूर्व सरपंच राजपाल सिंह शेखावत ने बताया कि भामाशाह सेठ के सुपुत्र श्यामसुंदर एंड कंपनी व भाई 15 लाख रुपए की लागत से अभी आठ बेड, आठ लॉकर, दो कंप्यूटर, दो एसी, पूरे परिसर में इंटरलॉक टाइल, पूरे परिसर का मरमत व रंग रोगन करवाइए करवाई है। सरपंच रेवती कंवर, डॉ. विजय यादव, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर कैलाश यादव, महेश, ममता, देवेंद्र, रामनिवास, अजय, किशोरी, मुकेश, सरोज समेत ग्रामीणों ने भामाशाह परिवार को धन्यवाद दिया।

बिजली कर्मचारी ने घायल मोर की जान बचाई

सांभरझील, (निसं)। जी.एस.एस. के नजदीक 11 केवी लाइन पर बैठा मोर करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद निगम के गार्ड राजेंद्र कुमार मीणा व विद्युतकर्मी टीकमचंद कुमावत धड़ाम की आवाज सुनकर तत्परता से दौड़े और घायल मोर को संभाला। अपने स्तर से जो भी प्रयास थे करके मोर की जान बचाई। बताया कि यह मोर काफी देर से विद्युत लाइन पर बैठा हुआ था

और वहां से उड़ने के लिए जैसे ही उसने पंख फैलाए पंख का हिस्सा दूसरे तार से टच कर गया और करंट के कारण उसका पांव डैमेज हो गया।

सांभर में करंट से घायल राष्ट्रीय पक्षी मोर की बिजली कर्मचारी ने जान बचाई।

इनकी ओर से वन विभाग के श्यामश्री शर्मा को सूचना दी तो उन्होंने एनजीओ से बात करके कुछ सदस्यों को सांभर भिजवाया। इसकी सूचना पुलिस को भी दी गई थी।

एनिमल रेस्क्यू टीम के सदस्य रोशन कुमावत, श्याम सिंह, पिंटू कुमावत, श्याम सुंदर जांगिड़, राधे दायमा, एनिमल वेलफेयर संस्था अध्यक्ष रोशन कुमावत, सदस्य हेमंत (टोनी) मौके पर मौजूद रहे और घायल पक्षी का प्राथमिक उपचार कर वन विभाग की नर्सरी पहुंचाया।

राशिफल रविवार 28 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, अश्विनी नक्षत्र दिन 11:48 तक, शूल योग रात्रि 8:11 तक, बालव करण प्रातः 8:24 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:48 तक है। आज कालाष्टमी, वन महोत्सव दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:33 से 9:13 तक, लाभ-अमृत 9:13 से 12:33 तक, शुभ 2:13 से 3:33 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 7:13

मेष

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृष
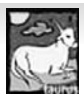
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कर्क

महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह

शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मन में असंतोष बना रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में आपसी अनबन, वाद-विवाद बढ़ सकते हैं।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मुलाकात हो सकती है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र : देवनानी

युवा संसद में विधानसभाध्यक्ष ने कहा कि देश के युवा जातिवाद, क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर नेशन फर्स्ट की भावना के साथ कार्य करें

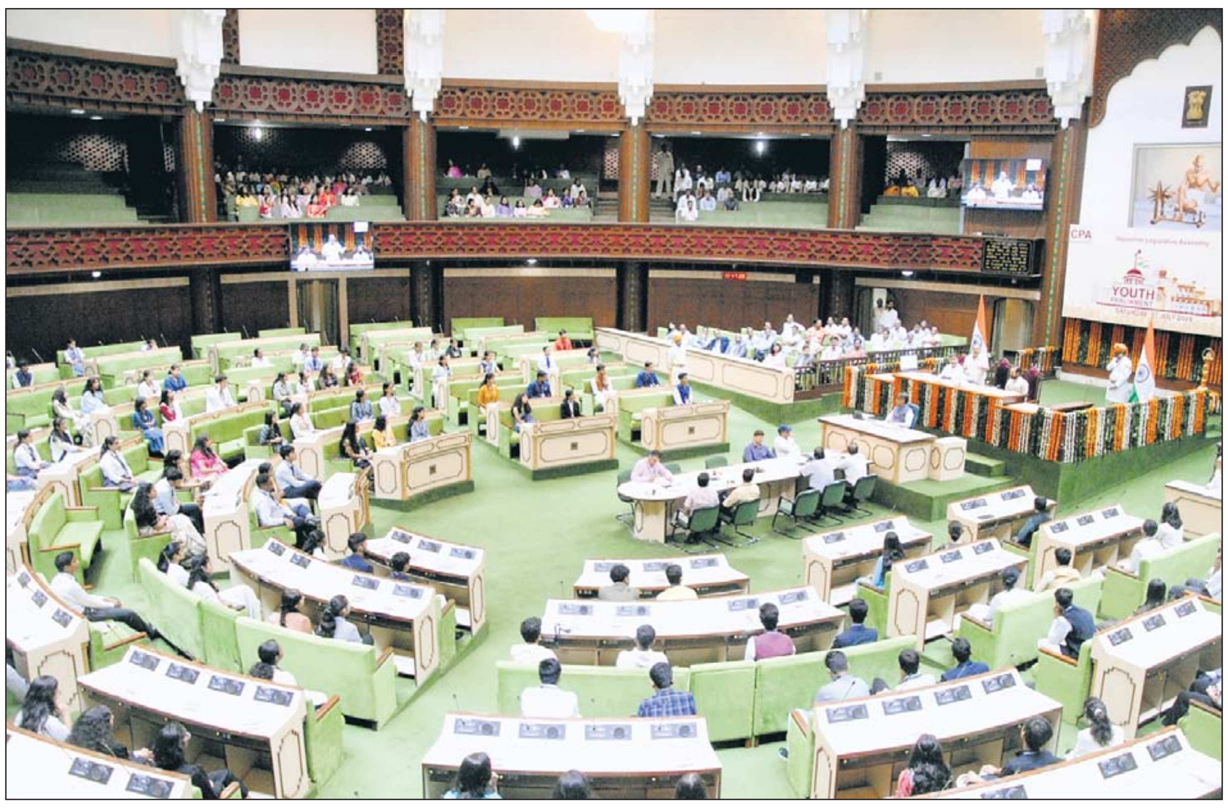

विधानसभा में शनिवार को राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा की ओर से युवा संसद समारोह का आयोजन हुआ।

- 'वर्तमान में कई बार असंसदीय घटनाओं के कारण मन व्यथित होता है। असहनशीलता इसका प्रमुख कारण है'
- देवनानी की पहल पर युवाओं को हुआ विधानसभा का अनुभव

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा एवं सफल लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को महान बनाने में यहाँ की समृद्ध संवैधानिक परम्पराए, नियम और प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भविष्य में इस महान लोकतंत्र को इसी प्रकार जीवित रखने में देश के युवाओं का अहम योगदान होगा। विधानसभा में शनिवार को राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित युवा संसद समारोह को स्पीकर देवनानी संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही न्याय सभा तथा राज सभा के रूप में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं रही हैं। भारत के जन जन के मन में लोकतांत्रिक सिद्धांतों और व्यवस्थाओं के प्रति गहरी आस्था है। उन्होंने युवा संसद में उपस्थित युवाओं का आव्हान किया कि इस संसदीय व्यवस्था में भागीदार बनकर इस महान लोकतंत्र में एक नयी ऊर्जा का संचार करें।

देवनानी ने कहा कि वर्तमान में कई बार असंसदीय घटनाओं के कारण मन व्यथित होता है। असहनशीलता इसका प्रमुख कारण है। उन्होंने युवाओं को कहा कि सहनशील और शिक्षित बनकर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से राष्ट्र निर्माण के लिए हमेशा कार्य करते रहे।देवनानी ने कहा कि संविधान के आधार पर ही देश में विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका कार्य करती है इसलिए देश के युवाओं को संविधान में अपनी गहरी आस्था रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के युवा जातिवाद, क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर नेशन फर्स्ट की भावना के साथ कार्य करें। राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की दिशा में काम करें।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि हमेशा दीन-दुखी, पिछड़े और गरीबों के उत्थान के लिए कार्य करें और समाज में अंधकार और अशिक्षा को दूर करने में अपने तन-मन-धन से हर संभव सहयोग करें। उन्होंने स्वयं के शिक्षक रहते हुए अपने अनुभव साझा करते हुए सदन में उपस्थित विद्यार्थियों को कहा कि मन में जिज्ञासा और गुणात्मक कार्यों में हमेशा अपनी रूचि बनाये रखे।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश के विकास, कानूनों की क्रियान्विति आदि का निर्धारण विधानसभा से ही होता है। इस पवित्र सदन में आना बहुत सौभाग्य की बात है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को कहा कि सदन में बैठकर यहाँ की कार्यप्रणाली को बारीकी से समझकर एक जागरूक नागरिक बने। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के सीमित उपयोग और फेक न्यूज़ के प्रति जागरूक रहने को कहा। विधायक और राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के सचिव संदीप शर्मा ने समारोह में स्वागत और आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि संघ द्वारा आयोजित किये जा रहे युवा संसद कार्यक्रमों से युवाओं को लोकतंत्र की स्वस्थ परम्पराओं, दूसरे के विचारों का सम्मान और विधायिका के कामकाज को बारीकी से समझने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

कार्यक्रम में विधान सभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा, विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारीगण तथा एस.एम.एस विद्यालय के अध्यापकगण मौजूद थे। इस कार्यक्रम में 41 विद्यालयों के 181 विद्यार्थियों द्वारा विधायक के रूप में सदन में बैठकर जनहित के प्रश्न पूछे गए एवं उनके द्वारा ही स्पीकर, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष व मंत्री की भूमिका निभाई गयी। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में 20 जयपुर के और 21 राज्य के अन्य जिलों व राज्यों के विद्यालयों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

खट्टर आज जयपुर में केंद्रीय बजट की जानकारी देंगे

जयपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि केंद्रीय बजट की जन कल्याणकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा की ओर से प्रदेश के संभाग मुख्यालयों पर प्रेसवार्ता आयोजित की जा रही है। इस दौरान प्रेसवार्ता में केंद्रीय मंत्री के साथ राज्य सरकार के मंत्री और भाजपा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। आज अजमेर और कोटा संभाग मुख्यालय पर प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इसमें अजमेर में केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, भाजपा प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत और देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना तथा कोटा में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के साथ उर्जा मंत्री हीरालाल नागर और भाजपा उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा ने प्रेसवार्ता की।

भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने गुरुग्राम पहुँचकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रभात झा के दु:खद निधन पर उनकी पार्थिव देह के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजनों को ढांढस बंधाया।

पी.टी.आई.भर्ती परीक्षा में पास हुए पांच अभ्यर्थियों के खिलाफ में एफ.आई.आर. दर्ज

- एस.ओ.जी. की जांच में डिग्रियां फर्जी निकलीं, डमी अभ्यर्थी बैठाकर पास हुए।
- पी.टी.आई. को क्रिकेट, बैडमिंटन और बॉक्सिंग के बेसिक नहीं पता।

जयपुर। पीटीआई भर्ती परीक्षा 2022 में पास हुए पांच अभ्यर्थियों पर एसओजी ने एफआईआर दर्ज की है। अब जल्द ही इनकी गिरफ्तारी हो सकती है। जांच में सामने आया कि इन पीटीआई ने डमी अभ्यर्थी बैठकर परीक्षा पास की है। इनकी डिग्रियां भी फर्जी हैं। साथ ही इन्हें क्रिकेट बैडमिंटन, वॉलीबॉल और बॉक्सिंग जैसे खेलों की बेसिक जानकारी भी नहीं है। इसके लिए एसओजी ने एक महीने से जांच कर रही थी। अब एसओजी ने जांच रिपोर्ट सीनियर अधिकारियों को सौंप दी है।

सूत्रों के अनुसार, एसओजी की जांच में सामने आया है कि पीटीआई भर्ती परीक्षा-2022 में पास हुए अभ्यर्थियों के पास बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीएड) की सामान्य डिग्री तक नहीं है। आरोपियों ने फर्जी डिग्री लेकर सरकारी नौकरी हासिल की है। एसओजी द्वारा की गई जांच में अब तक पांच पीटीआई के खिलाफ मिली शिकायत की पुष्टि हो चुकी है।

सूत्रों के अनुसार, एसओजी की जांच में सामने आया है कि इन पांच पीटीआई को बेसिक गेम क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल और बॉक्सिंग के यार्ड की जानकारी भी नहीं है। दो पीटीआई को टी-20 क्रिकेट मैच और टैस्ट मैच के बेसिक क्लियर नहीं हैं। क्रिकेट बॉल की मोटाई पूछने पर एक पीटीआई ने तो हाथ से इशारा करके बता दिया कि इतनी मोटी होती है।

एसओजी का कहना है कि राजस्थान स्टाफ सलेक्शन बोर्ड की ओर से शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2022 परीक्षा का आयोजन 25 सितम्बर 2023 को हुआ था। इस परीक्षा में बड़ी संख्या संख्या में डमी अभ्यर्थी बैठे। इनके कारण बड़ी संख्या में अयोग्य लोग राजस्थान सरकार के सरकारी स्कूलों में पीटीआई लग गए। पेपर लीक के आरोपियों की परीक्षा के दिन की मोबाइल लोकेशन चैक की गई। उनकी लोकेशन सेंटर के आसपास की नहीं मिली। ये लोग सेंटर ही नहीं जिले से भी बाहर थे।

एसओजी को हेल्पलाइन नम्बर से अलवर जिले में तैनात सरकारी स्कूल के पीटीआई के बारे में भी जानकारी मिली है। अलवर में लगे हुए कुछ पीटीआई भी इसी प्रकार से परीक्षा पास करके नौकरी पर लगे हैं। एसओजी ने उनके दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने पर उन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसओजी के अनुसार, जांच में पुष्टि होने के बाद पांच पीटीआई के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एसओजी को उनके खिलाफ शिकायत मिली है। उनकी जांच चल रही है। इन लोगों से जल्द पूछताछ कर इनकी गिरफ्तारी की जाएगी। संबंधित जिला एसपी और हमारी यूनिट को एक्टिव कर दिया गया हैं।

सूत्रों के अनुसार जोधपुर के बिलाड़ा में रहने वाले महेन्द्र कुमार बिश्नोई के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। महेन्द्र का सेंटर शास्त्री नगर स्थित टैगोर विद्या भवन में था। आरोप है कि महेन्द्र ने अपनी जगह डमी कैंडिडेट बिठाकर परीक्षा पास की। जब आरोपी से बीपीएड का सर्टिफिकेट मांगा गया तो आरोपी ने अमरावती विवि से बीपीएड की फर्जी डिग्री दे कर नौकरी ले ली। वहीं श्रवण सिंह के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। श्रवण सिंह का सेंटर मुरलीपुरा में शहीद मेजर योगेश अग्रवाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आया था। उसने अपनी जगह पर डमी कैंडिडेट बिठा कर परीक्षा पास की और पीटीआई बन गया। आरोपी ने एकलव्य यूनिवर्सिटी मध्य प्रदेश से बीपीएड की डिग्री लगाई, जो फर्जी निकली।

सांचोर के रहने वाले मनोहर लाल का जयपुर के मुरलीपुरा में सेंटर आया था। उसकी जगह डमी कैंडिडेट ने परीक्षा दी थी। शिकायत मिलने के बाद अभ्यर्थी मनोहर लाल के दस्तावेजों की जांच की। जांच में आवेदन पत्र, परीक्षा प्रवेश पत्र और जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्राप्त बीपीएड की डिग्री फर्जी पाई। जालोर के सायला का रहने वाले ईश्वर सिंह का परीक्षा केंद्र मुरलीपुरा के प्रिंस स्कूल में आया था। उसकी जगह डमी कैंडिडेट ने परीक्षा दी थी। ओपीजेएस विश्वविधालय में बीपीएड सत्र 2018-20 अभ्यर्थी ईश्वर सिंह का नाम नहीं मिला। उसने शारीरिक शिक्षक की नौकरी बैक डेट में फर्जी तरीके से ओपीजेएस विश्वविधालय की डिग्री और मार्कशीट से प्राप्त की है। सांचोर के रहने वाले सुरेश कुमार का परीक्षा केंद्र महात्मा गांधी स्कूल में आया था। सुरेश के स्थान पर डमी कैंडिडेट ने परीक्षा दी थी। सुरेश कुमार ने जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) से बीपीएड की डिग्री प्राप्त की थी। आवेदन पत्र में बीपीएड उत्तीर्ण करने का साल 2021 अंकित किया गया है। वहीं, जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद द्वारा जारी मॉर्कशीट में चौथे सेमेस्टर का परिणाम 23 सितम्बर 2022 को जारी होना बताया है। इस प्रकार फर्जी डिग्री प्राप्त की गयी थी।

चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को इन्हीं स्कूलों के रिक्त पदों की चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश देते हुए उनके ऑफ लाइन आवेदन स्वीकार करने को कहा है। वहीं अदालत ने मामले में शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक से जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश गजानंद यादव व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षकों के खाली पदों पर भर्ती के लिए गत 11 जुलाई को भर्ती विज्ञापन निकाला। जिसमें यह शर्त रखी गई कि विशेष चयन प्रक्रिया से चयन के बाद अंग्रेजी माध्यम में पदस्थापित शिक्षक इसमें आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता शिक्षक अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में ही दूसरे जिलों में कार्यरत हैं।

वकील को केस की फाइल नहीं देने वाले जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई की : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वन विभाग के कर्मचारी के चयनित वेतनमान नहीं देने से जुड़े मामले में सरकारी वकील के पास फाइल नहीं होने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने अतिरिक्त मुख्य वन सचिव को निर्देश दिए हैं कि वह 29 जुलाई को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए अदालत में उपस्थित होकर इस संबंध में अपना शपथ पत्र पेश करें। अदालत ने एसीएस को कहा है कि शपथ पत्र में बताए प्रकरण की सरकारी वकील को फाइल नहीं देने के क्या कारण हैं। इसके अलावा इसके लिए दोषी अधिकारी के खिलाफ क्या कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। जस्टिस महेंद्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश राम प्रसाद मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने कहा कि उन्हें प्रकरण की फाइल उपलब्ध नहीं कराई गई है। ऐसे में वे प्रकरण में बहस नहीं कर सकते हैं। ऐसे में उन्हें चार सप्ताह का समय दिया जाए। वहीं याचिकाकर्ता के वकील विजय पाठक ने कहा कि गत सुनवाई को भी इसी आधार पर तारीख ली गई थी। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कोर्ट में रोजाना वन विभाग के ऐसे कई केस आ रहे हैं, जिनमें विभाग के वकील को प्रकरण की फाइल ही मुहैया नहीं कराई गई है। जिसके कारण मुकदमों की सुनवाई प्रभावित हो रही है। इस मामले में भी पूर्व में सरकारी वकील को फाइल नहीं होने के आधार पर बहस के लिए समय दिया गया था, लेकिन अभी तक उनके पास फाइल नहीं पहुंची है। ऐसे में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव व्यक्तिश: या वीसी के जरिए हाजिर होकर इस संबंध में शपथ पत्र पेश कर सरकारी वकील को फाइल नहीं पहुंचाने के कारण और इसके दोषी अधिकारी के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी अदालत में पेश करें।

'आवंटी बिल्डर से जमा राशि वापस लेने का अधिकारी'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान रियल एस्टेट अपीलीय अधिकरण ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कंप्लीशन सर्टिफिकेट व ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट बिना प्रोजेक्ट व बिल्डिंग के निर्माण को पूरा नहीं माना जा सकता। यदि बिल्डर ने ये सर्टिफिकेट प्राप्त नहीं किए हैं तो ऐसी स्थिति में आवंटी बिल्डर से अपनी जमा राशि वापस लेने का अधिकारी होगा। इसके साथ ही अधिकरण ने बिल्डर को निर्देश दिया कि वह अपीलार्थी को उसकी जमा राशि 45 दिन में ब्याज सहित लौटाए। अधिकरण ने यह आदेश आवंटी कैलाश गुप्ता की अपील को मंजूर करते हुए और सिक्विन रियल एस्टेट की अपील को दस हजार रुपए हर्जाने सहित खारिज करते हुए दिया। अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि अपीलार्थी बिल्डर ने वर्ष 2006 में स्टार सिटी के नाम से एक आवासीय प्रोजेक्ट शुरू किया।

सुमेल एनीकट के अति.जल भराव की समस्या के निस्तारण के लिए क्या कर रही है सरकार?

- अदालत ने मामले में मुख्य सचिव और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि गंगापुर सिटी के पास सुमेल नदी पर बने एनीकट के अतिरिक्त जल भराव से स्थानीय निवासियों को हो रही समस्या के निस्तारण के लिए क्या किया जा रहा है। अदालत ने मामले में मुख्य सचिव और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश भरत सिंह व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

जनहित याचिका में अधिवक्ता सुरेन्द्र कुमावत लांबा ने अदालत को बताया कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना के तहत सुमेल नदी पर एनीकट का निर्माण किया गया है। एनीकट के सर्वेक्षण और निर्माण के दौरान प्रशासन की ओर से यह बताया गया था कि इसकी भराव क्षमता 46.20 एमसीटी रहेगी और इसका जल भराव क्षेत्र बामन बड़ौदा की संपर्क रोड के पुल के स्तर तक रहेगा। जबकि नौगांवा इसके अपस्ट्रीम में रहेगा। वहीं एनीकट की दोषपूर्ण डिजाइन और गलत निर्माण के कारण इसका जलमग्न एरिया 46.20 से करीब चार गुणा बढकर 184 एमसीटी हो गया। इसके अलावा अपस्ट्रीम एरिया से पांच किलोमीटर आगे तक जलभराव हो रहा है। जिसके कारण नौगांवा, बिदरखा, बामन बड़ौदा सहित आसपास के गांवों के निवासियों के खेतों और मकानों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ताओं की भूमि को डूब क्षेत्र के उद्देश्य से न तो अधिग्रहित किया गया और ना ही उन्हें कोई मुआवजा मिला। वहीं हर मौसम में जलभराव होने के कारण खेतों में फसल की पैदावार खराब हो रही है, लेकिन उसका भी मुआवजा नहीं दिया गया। यहां हो रहे जलभराव के कारण उन्हें जीवन यापन में कठिनाई का सामना करना पड रहा है। इस संबंध में स्थानीय अधिकारियों को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

व्याख्याता से रिकवरी पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिटायर स्कूल व्याख्याता को सेवाकाल के दौरान दिए वेतन को अधिक भुगतान देना बताकर उसकी पेंशन से राशि की रिकवरी करने के मामले में अतिरिक्त मुख्य स्कूल शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक, पेंशन निदेशक और डीईओ सीकर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने विभाग के रिकवरी आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश मदनलाल की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जयपुर फुट के विशेषज्ञ अब कोलकाता के तकनीशियनों को प्रशिक्षित करेंगे

जयपुर, (का.सं.)। भारत सरकार के संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसएबिलिटी और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के बीच एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए। इस एम.ओ.यू. के अन्तर्गत दोनों संस्थाएँ आपसी सहयोग से कोलकत्ता स्थित इस राष्ट्रीय शारीरिक गतिशील द्विव्यांगजन संस्थान के तकनीशियनों के बी.एम.वी.एस.एस. के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित करेगा।

भारत सरकार के संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसएबिलिटी और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के बीच एक एम.ओ.यू. पर नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसएबिलिटी के निदेशक डॉ. ललित नारायण और बी.एम.वी.एस.एस. के सचिव डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता मौजूद रहे।

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसएबिलिटी (एन.आई.एल.डी.) के निदेशक डॉ. ललित नारायण और बी.एम.वी.एस.एस. के सचिव (तकनिकी) डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता, बी.एम.वी.एस.एस. के तकनिकी परामर्शदाता डॉ. एम.के. माथुर और एन.आई.एल.डी. के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रसन्ना लेंका भी उपस्थित थे। एन.आई.एल.डी. केन्द्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के द्विव्यांगों के पुर्नवास विभाग के अन्तर्गत कोलकत्ता के बोनहुगली स्थित संस्था है।

सचिव डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने बताया कि एन.आई.एल.डी. और बी.एम.वी.एस.एस. के बीच आपसी सहयोग के अन्तर्गत दोनों संस्थाऐं द्विव्यांगों के पुर्नवास के लिए प्रशिक्षण और अन्वेषण कार्य करेगा और एन.आई.एल.डी. के प्रशिक्षुओं को जयपुर फुट की निर्माण संस्था प्रशिक्षित करेगी। बी.एम.वी.एस.एस. एन.आई.एल.डी. के अपने एक केन्द्र की स्थापना कर प्रशिक्षण कार्य चलाएगी और इसके अन्तर्गत जयपुर फुट और अन्य उपकरणों के निर्माण की विधि का प्रशिक्षण देगा। इस अनुबन्ध के अन्तर्गत एन.आई.एल.डी. में द्विव्यांगजनों को जयपुर फुट और अन्य उपकरण उपलब्ध किए जाऐंगे, जिससे पश्चिम बंगाल और पूर्व भारत के बड़ी संख्या में द्विव्यांगजन लाभान्वित होंगे।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि एन.आई.एल.डी. से अनुबन्ध से जयपुर फुट की गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी का विस्तार होगा, जिसका लाभ देश भर के द्विव्यांगों को विशेष कर पूर्व और पूर्वोत्तर के राज्यों के द्विव्यांगों को मिलेगा। एन.आई.एल.डी. के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने कहा कि इस एम.ओ.यू. के अन्तर्गत अब द्विव्यांगों को एन.आई.एल.डी. के माध्यम से जयपुर फुट लगाकर उनका पुर्नवास किया जा सकेगा।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/618 दिनांक-26/7/24

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 35/74, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 102.550 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री जुम्मा पुत्र श्री कमरूदीन को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 1224 दिनांक 03.02.1986 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 10.03.1986 को प्राप्त कर लिया गया था। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र कमांक 4821 दिनांक 29.11.1999 के द्वारा श्री प्रकाश गुप्ता पुत्र स्व. श्री लक्ष्मीनारायण गुप्ता के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 31.03.2000 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री प्रकाश गुप्ता की मृत्यु दिनांक 01.03.2024 को हो जाने के कारण वसीयतनामा के आधार पर श्री मोहक खण्डेलवाल पुत्र श्री रवि गुप्ता ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं वसीयतनामा प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री मोहक खण्डेलवाल पुत्र श्री रवि गुप्ता के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

लिविंग रिलेशनशीप नं.427 (रजि.) दिनांक 06.06.2024 को निरस्त करने बारे।
निशा महावर पुत्री ईश्वर सिंह, जाति कोली निवासी नमक कटरा कमला रोड, भरतपुर (राज.) ---प्रथम पक्ष
कार्तिक पुत्र विजेन्द्र सिंह, जाति जाट निवासी 1446, बहरोड रोड, वी.टी.सी. पोस्ट व तहसील जा.चौधरी, जिला महेन्द्रगढ (हरियाणा) ---द्वितीय पक्ष
यह कि दोनों पक्षकारान के बीच में आपसी संबंध व रिश्ता बनाए रखने के लिए एक लिविंग रिलेशनशीप दस्तावेज बनवाया व रजिस्ट्रर करवाया था जो कि रजिस्ट्रर्ड संख्या 427 है व दिनांक 6.6.24 को भरतपुर (राज.) में तैयार करवाया था। अब द्वितीय पक्ष इस लिविंग रिलेशनशीप को निरस्त करता है। और भविष्य में इस दस्तावेज के तहत प्रथम पक्ष द्वारा की गई कोई भी कार्यवाही के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
Pardeepp Kumaar, Advocate
Enrol P/3257/2008
Distt. & Session Court Namaul (HR)
Mob.- 9416451093

आम सूचना/ घोषणा
सर्वसाधारण का सूचित किया जाता है कि हमारी साझेदारी फर्म मैसर्स श्री वंकल सोलर पावर प्लांट गोरो का तला, धनाऊ, जिला- बाड़मेर राजस्थान में स्थित है। फर्म की एक साझेदार फुई देवी (कर्ता-HUF) दिनांक 18.03.2024 ने निवृत (रिटायर) हो गई है तथा श्री धर्मेन्द्र सिंह निवासी जयपुर को नए भागीदार के रूप में 18.03.2024 से लिया गया है। दिनाक 18.03.2024 के बाद, निवर्तमान भागीदार का फर्म से कोई लेना देना नही रहेगा। सूचित रहे।
तिलोकराम, पार्टनर
श्री वंकल सोलर पावर प्लांट

अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना
(आदेश 41 के नियम 14)
नाम न्यायालय पारिवारिक न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय करौली
रामजीलाल वगै. विरूद्ध शिवकुमार वगै.
अपील नियमित दी अपील
अपील नं.CAR No. 22/2024 सन् 29/2024
अति. वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश करौली के न्यायालय की डिक्री दिनांक 26/03/2024 की अपील (1) शिवकुमार (2) सत्यप्रकाश (3) राकेश पुत्रान स्व.चिरंजी (4) श्रीमती रतनी पत्नी स्व.चिरंजी नि. वास मण्डावरा (कुडगाँव) तह.सपोटरा जिला करौली (5) श्यामलाल (6) गोविन्द पुत्रान स्व.बीरबल नि. वासमण्डावरा (कुडगाँव) तह.सपोटरा जिला-करौली
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में अपीलार्थी को डिक्री की जिसकी नकल अदालत में दी जायेगी द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिये इस न्यायालय द्वारा ता. 20 माह 08 सन् 2024 नियत की गई है।
यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिये विधिना प्राथिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी।
यह आज तारीख 19 माह 07 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-वरिष्ठ मुंसरिम
पारिवारिक न्यायाधीश करौली

देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के एक और आरोपी को दबोचा

दिल्ली-हरियाणा में मजदूरी कर काट रहा था फरारी, गंगापुर सिटी में नादौती थाना क्षेत्र से पकड़ा, 25 हजार का इनामी है आरोपी

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने डीग जिले में 3 साल पहले बहुचर्चित रहे देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के एक और आरोपी को पकड़ लिया है। इस पर एस.पी. डीग द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। दिल्ली एवं हरियाणा में मजदूरी कर फरारी काट रहा आरोपी शिव हरि गुर्जर करीब 15 दिन पहले ही नादौती आया था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एम.एन. ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस श्री योगेश यादव के सुपरविजन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ विद्या प्रकाश के नेतृत्व में इनामी, वांछित अपराधियों, गैंगस्टर इत्यादि के बारे में सूचना के संकलन के लिए एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा, हैड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा की एक टीम भरतपुर रेंज की ओर रवाना की गई है। एडीजी एमएन ने बताया कि शनिवार को एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा व

डीग में तीन साल पहले बहुचर्चित रहे देवी राम मुल्लाका हत्याकांड का एक और आरोपी पकड़ा गया।

कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा को सूचना मिली कि हत्याकांड में शामिल 25 हजार का इनामी आरोपी शिवहरी गुर्जर पुत्र रामजीत निवासी मुल्लाका थाना कामां अपने जानकार से मिलने गंगापुर सिटी में थाना नादौती इलाके की होडाहेली गांव में आया हुआ है। सूचना पर थाना पुलिस की मदद से एजीटीएफ ने जाल बिछाकर आरोपी को सरकारी स्कूल के पास से दबोच लिया।

एमएन ने बताया कि 11 जून 2021 की सुबह खरीदारी करने बाइक लेकर कामां के लिए निकले देवी राम गुर्जर निवासी मुल्लाका पर पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही रामावतार पुत्र रामप्रसाद पक्ष के 20-22 व्यक्तियों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला कर दिया और मरा समझकर हवाई फायर करते हुए गांव आये। गांव में भी फायरिंग की जिसमे तीन बच्चे व चार अन्य घायल हो गये। गंभीर घायल देवीलाल ने जयपुर लाते समय महुआ से पहले दम तोड़ दिया था। मामले में थाना पुलिस द्वारा घटना के बाद आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया था, 13 आरोपी फरार हो गये। जिन पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया। फरार आरोपियों में से आठ आरोपियों को एजीटीएफ ने कामां पुलिस के सहयोग से पकड़ा, एक आरोपी को कामां पुलिस ने पकड़ लिया। बाकी बचे चार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ विद्या प्रकाश के नेतृत्व में की गई इस संपूर्ण कार्रवाई में एएसआई शैलेंद्र शर्मा एवं कांस्टेबल बृजेश कुमार की विशेष भूमिका एवं हैड कांस्टेबल मदन लाल शर्मा व कांस्टेबल सोहन की तकनीकी भूमिका रही। कार्रवाई में थाना नादौती से उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमार शर्मा मय टीम एएसआई चन्द्र हुसैन, कांस्टेबल धारा सिंह, रवि कुमार, कपिल, बनवारी लाल व जसराज का सराहनीय सहयोग रहा।

आकाशीय बिजली गिरने से पांच महिलाएं झुलसी

निवाई में आकाशीय बिजली गिरने से झूलसी महिलाओं का उपचार सरकारी अस्पताल में कराया।

निवाई, (निसं)। उपखण्ड मुख्यालय की ग्राम पंचायत भरथला के गांव जीवली की बैरवा ढ़ाणी में शनिवार की दोपहर अचानक मौसम के करवट बदलते ही आंधी व बरसात के दौरान आकाशीय बिजली गिर जाने से गांव की पांच महिलाएं झुलस गईं। आकाशीय बिजली गिरने से जीवली निवासी अनीता पत्नी मुकेश बैरवा, ग्यारसी पत्नी छीतर बैरवा, मीरा बैरवा, संतरा पत्नी रामलाल बैरवा, काली देवी पत्नी अमरचन्द बैरवा झुलस जाने से घायल हो गई। घायलों को परिजनों ने सामुदायिक चिकित्सालय झिलाय में भर्ती करवाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

सरकारी स्कूल पर आकाशीय बिजली गिरी

मालपुरा, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के हिंडोला गांव में तेज गर्जना के साथ सरकारी स्कूल भवन पर आकाशीय बिजली गिरने से उपकरण जल गये। विद्यालय के शिक्षक सुरेश विजय ने बताया कि तेज गर्जना के साथ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन पर बिजली गिरने से विद्यालय भवन में दारारें आ गई तो कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त भी हो गया। बिजली गिरने से विद्यालय में लगे कम्प्यूटर, प्रिंटर, इन्वर्टर, पंखें व लाइटें सहित अन्य उपकरण जल गये। वहीं शहर के दूदू रोड पर सड़क के बीच बने डिवाइडर पर नगरपालिका प्रशासन द्वारा लगाई गई रोड लाइटों की कंट्रोल डीपी के नंगे तार जमीन पर फैले होने से शनिवार को करंट प्रवाहित तारों की चपेट में आने से दूधारू भैंस अकाल मौत का शिकार हो गई।

युवक फांसी के फंदे पर झूला, मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की आजाद नगर कॉलोनी में अज्ञात कारणों के चलते एक 32 वर्षीय युवक ने फांसी के फंदे पर झूल कर आत्महत्या कर ली। प्रताप नगर थाना अधिकारी गजेंद्र सिंह नरूका ने बताया क्षेत्र वासियों ने टेलीफोन के जरिए सूचना दी की क्षेत्र के एक मकान से अजीब सी बदबू आ रही है । इस आधार पर पुलिस ने गृह स्वामी के परिजनों से संपर्क कर मौके पर पहुंच देखा तो मकान के मुख्य द्वार का गेट अंदर से बंद था जिसे परिजनों की मौजूदगी में तोड़कर अंदर देखा गया तो पंखे से युवक की लाश लटकी हुई थी। पुलिस का कहना है कि यह लाश तीन से चार दिन पुरानी थी जो की सड़ गल चुकी थी। मृतक का नाम नंदकिशोर पिता जगदीश व्यास है जो की पूर्व में टेंट का व्यवसाय करता था। बुधवार को पिता से मिला था और उसके बाद से परिजनों के संपर्क में भी ही नहीं था।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, PHED, CIRCLE BARMER

Tel:02982-220253, Email: edphed@gmail.com, secircle.barmer@rajasthan.gov.in

No. SE/PHE/Bmr/NIT 01/2024-25/1299-1316 Date: 23/07/2024

NOTICE INVITING BIDS NIB No. 2024-25/01

Bids for Work of

01	Annual Rate Contract for construction and commissioning of tube Wells By Rotary Rig Machine with P,L& J Of Pipe Line under Circle Barmer. UBN: PHE2425WSRC03167	120.00 Lacs.

are invited from interested bidders upto 13.08.2024 up to 6:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and departmental website.

DIPR/C/6539/2024

SUPERINTENDING ENGINEER
PHED CIRCLE BARMER

कार्यालय अधिशाषी सार्वजनिक निर्माण विभाग नगरखण्ड उदयपुर

S.No:TS/NIT File/2024-25/D- 1032 Date 18-07-2024

NOTICE INVITING BID (NO.06/2024-25)

Bids for Various Roads work in PWD City Division Udaipur are invited from insterested bidders upto 6.00 PM (time) 12-08-2024 (date). Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://Sppp.raj.nic.in) of the state; and departmental website.

SPPP NIB No, PWD2425A0804

S.No.	UBN No.
1	PWD2425WSOB03077
1	PWD2425WSOB03078

DIPR/C/6580/2024

(R.K.Mundra)
EXECUTIVE ENGINEER
PWD CITY DIVISION UDAIPUR

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI

PH NO.-07464-250219, E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for the work of solar installation under phed division karauli are invited from interested bidders up to 05.08.2024 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE:-PHE2425A1427

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	57/2024-25	PHE2425WSOB03158	2	58/2024-25	PHE2425WSOB03159
01	Total work		02		
02	Total Estimate Cost		28.50 Lac		
03	Bid submission end date		05.08.2024 up to 06.00 PM		
04	Bid opening date		06.08.2024 at 02.00 PM		

DIPR/C/6559/2024

(Prahlad Meena) Executive Engineer Public Health Engineering Department Division Karauli

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक-अअ / सांचोर/2024-25/533 दिनांक-22.07.2024

निविदा सूचना संख्या : 05 वर्ष 2024-2025

NIB No.: -.PWD 2425A0852

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में भवन निर्माण कार्य जिनकी लागत राशि रू. 217.00 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदां आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	25 जुलाई 2024, 9:30 बजे से 17 अगस्त 2024, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http:// eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवष्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

1. UBN: PWD2425WSOB03223

(ओम प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/6578/2024

हिण्डौन में 27 जून से अब तक 335 एमएम बारिश

- पिछले 18 घंटे से रुक-रुक कर बूंदा-बांदी जारी
- जिला अस्पताल के इमरजेंसी गेट पर भरा पानी

हिण्डौन सिटी। क्षेत्र में शनिवार को मानसून मेहरबान रहा। यहां सुबह से रुक-रुक कर बरसात हो रही है। हिण्डौन में शुक्रवार देर रात बारिश शुरू हुई, जिसमें सुबह तक 2 एमएम बारिश दर्ज हुई। इसके बाद दोपहर को घने बादल छाए और बारिश शुरू हुई, जिससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आई। हिंडौन में 27 जुलाई तक 335 एमएम बारिश हो चुकी है। आज बारिश के बाद लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली, वहीं कई क्षेत्रों में जलभराव बना रहा।

गौशाला रोड, मोक्षधाम, कटरा बाजार, मनीराम पार्क, और जिला अस्पताल मार्ग में बारिश होते ही सड़कों पर पानी भर गया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी गेट पर पानी भरने से मरीजों को काफी परेशानी हुई। हिंडौन में दोपहर 2 बजे बाद तेज बारिश शुरू हुई। क्षेत्र के कई इलाकों में पिछली बारिश का पानी नहीं निकल पाया है। बाजना रोड पर जलभराव और टूटी हुई सड़कों से गुजरते हुए वाहन चालक काफी परेशान रहे। मौसम विभाग ने अगले 2-3 दिन मानसून के सक्रिय रहने की संभावना जताई है। इसी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में पानी भरा हुआ है, जिससे सरसों की बोई फसलें अंकुरित होकर डूब गई।

मैनेजर पर चाकू से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नौ चोकी पाल की पहाड़ी पर छिपा हुआ था आरोपी

पुलिस की गिरफ्त में चाकू से हमला करने वाला आरोपी।

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के मुखर्जी चौराहा स्थित सुपरमार्केट मैनेजर पर हमले के मामले में पुलिस ने एक बडी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है।

कांकरोली थानाधिकारी हनवंत सिंह सोढा ने बताया कि शुक्रवार को हुई चाकूबाजी की घटना के बाद से ही पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। कांकरोली पुलिस ने राजनगर पुलिस कंट्रोल रूम से अतिरिक्त बल बुलाकर शहर और आसपास के इलाकों में आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस को सूचना मिली कि मुख्य आरोपी रामचंद्र राजनगर के नौ चोकी पाल की दायीं पहाडी पर छिपा हुआ है। इस सूचना के आधार पर पुलिस दल तुरंत नौ चोकी पाल पहुंचा। वहां पुलिस को आरोपी की मोटरसाइकिल मिली जिससे उनकी जानकारी और पुख्ता हो गई। आरोपी पहाडी पर चढ कर घनी झाडियों में छिप गया। पुलिस भी आरोपी को पकडने के लिए पहाडी पर चढी, लेकिन अंधेरा होने के कारण और इलाके में तेंदुए के होने के कारण खोजी अभियान मुश्किल हो गया। पुलिस ने पहाडी को चारों ओर से घेर लिया और रात 1० बजे तक सर्च ऑपरेशन जारी रखा।

इस दौरान शुरू हुई बारीश ने खोजी अभियान को और कठिन बना दिया। रात 11 बजे जब आरोपी रामचंद्र भील पहाडी से उतरा तो पहले से घात लगाए पुलिस दल ने उसे दबोच लिया। वासोल निवासी रामचंद्र और उसका एक नाबालिग साथी इस वारदात में शामिल थे, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। रामचंद्र का मेडिकल परीक्षण करवाने के बाद उसे कांकरोली थाने लाया गया, जहां उसने अपना अपराध स्वीकार किया। पुलिस जांच में सामने आया है कि चाकूबाजी की इस घटना का मुख्य कारण आरोपी और सुपरमार्केट के मैनेजर के बीच काम को लेकर हुए विवाद था। मैनेजर द्वारा आरोपी को नौकरी से निकाले जाने पर आरोपी ने अपनी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचा हुआ महसूस किया और बदले की भावना से भर गया। इसी कारण वह अपने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर मैनेजर की पिटाई करने की योजना बनाई। घटना को अंजाम देने से पहले दोनों ने गांजा और शराब का सेवन किया जिससे उनका गुस्सा और बढ गया।

'संविदा पर लगे शिक्षकों को फिलहाल नहीं हटाया जायेगा'

बीकानेर। राजस्थान के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) एवं राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में एक साल के लिए संविदा पर लगाए गए साढ़े चार हजार शिक्षकों को आगामी निर्देश तक कार्य मुक्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने आदेश जारी किए।

प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (माध्यमिक) को भेजे आदेश में कहा गया है कि सहायक अध्यापक, लेवल-प्रथम व द्वितीय संविदा भर्ती 2023 के अन्तर्गत संविदा आधार पर नियुक्त सहायक अध्यापक (अंग्रेजी एवं विज्ञान-गणित) की एक वर्ष की संविदा अवधि पूर्ण हो रही है। ऐसे कार्यरत संविदा सहायक अध्यापकों को आगामी निर्देश प्राप्त होने तक विद्यालय से कार्यमुक्त नहीं किया जाए। इन सभी की उपस्थिति पूर्वानुसार नियमित रूप से उपस्थिति पंजिका में दर्ज की जाए। किसी भी विद्यालय में सहायक अध्यापकों को उपस्थिति दर्ज करने से मना करने पर समस्त दायित्व संस्था प्रधान का माना जाएगा।

राजस्थान के साढ़े चार हजार शिक्षकों को अंग्रेजी माध्यम में एक साल के लिए 16 हजार 900 रुपए प्रति माह पर लगाया गया था। इन शिक्षकों का कार्यकाल 28 जुलाई को समाप्त होने वाला था, जिसके बाद से इनमें जबरदस्त बेचैनी थी। लेकिन अब भजनलाल सरकार ने इन शिक्षकों को बड़ी राहत दी है।

निचले तबके को त्वरित न्याय मिलें, इसके लिए बार और बैंच संयुक्त रूप से प्रयास करें : बिरला

- 'सशक्त न्याय व्यवस्था विकसित भारत के संकल्प का मूल आधार है'

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में हाईकोर्ट की प्लेटिनम जुबली के अवसर पर शनिवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमीनार मे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सबसे निचले तबके को त्वरित न्याय मिल सकें, इसके लिए बार और बैंच को संयुक्त रूप से प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा सशक्त न्याय व्यवस्था विकसित भारत के संकल्प का मूल आधार है। आम जनता को सुलभ, सस्ता और त्वरित न्याय दिलाने में न्यायालयों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पेंडिंग मुकदमों के समाधान के लिए नवाचार और नवीन टेक्नॉलजी का अधिकतम उपयोग आवश्यक है।

जोधपुर हाईकोर्ट की प्लेटिनम जुबली पर आयोजित सेमिनार में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत किया।

बिरला ने आज राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने देश को कई अत्यंत विशिष्ट न्यायाधीश और प्रख्यात अधिवक्ता दिए हैं , जिन्होंने कानून और न्याय के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक यात्रा में न्यायालय के निर्णयों ने राजस्थान सहित देश के सभी लोगों के हितों को सुरक्षित और सशक्त किया है। बिरला ने सशक्त न्याय व्यवस्था को विकसित भारत के संकल्प का मूल आधार बताया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार और न्यायपालिका दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। आम जनता के लिए सुलभ, सस्ता और त्वरित न्याय की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने विचार व्यक्त किया कि इस दिशा में न्यायालयों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। सरकार ने न्याय व्यवस्था पर अनावश्यक बोझ कम करने के लिए कई वैधानिक परिवर्तन किए हैं, बिरला ने आशा व्यक्त की कि न्यायपालिका भी इस दिशा में बराबर की भूमिका निभाएगी। उन्होंने न्यायालयों में लंबित मुकदमों के निपटान और न्याय व्यवस्था की खामियों को दूर करने के लिए नए इनोवैशन और नई टेक्नॉलजी के अधिकतम उपयोग पर बल दिया।

उन्होंने युवाओं का आव्हान करते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में उनकी विशेष भूमिका रहेगी। सेमिनार में एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रतना राम ठोलिया ने सभी सभी अतिथियों का स्वागत किया। सेमिनार में सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता ने भी संबोधित किया। बताया- एक मामला ऐसा आया जब 14 साल से एक कैदी को पैरोल नहीं मिली। तब पता चला कि उसका नंबर नहीं आया। इसके बाद सभी कैदियों के लिए एक ऐप बनाया गया और कैदियों की जानकारी उस ऐप पर डाली गई। इस तरह से ई-प्रिजनर ऐप आया और सभी कैदियों की जानकारी उसमें है। यही व्यवस्था उन्होंने गुवाहाटी उच्च न्यायालय में करवाई। इस तरह से टेक्नॉलोजी से जेल में बंद हर कैदी को न्याय पहुंच रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जज पंकज मित्तल ने बताया कहा राजस्थान हाईकोर्ट ने जिस तरह कॉज लिस्ट को प्रिंट करना बंद कर दिया, यह बड़ी उपलब्धि है। मैं जब इलाहबाद हाईकोर्ट में एक्सपेंडिचर कमेटी में था। तब कॉज लिस्ट का बकाया बिल करीब 63 करोड़ रुपए था, जो गर्वमेंट प्रेस को देना था।

उन्होंने कहा कि कॉज लिस्ट ऑनलाइन करने से काफी पैसा बचा है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी कार्य किया है। विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- विधानसभा भी जल्द ही पेपर लेस होगी। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट में जिस तरह टेक्नोलॉजी का उपयोग हो रहा है, विधानसभा में भी होगा। कार्यक्रम में जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने राजस्थान हाईकोर्ट में उपयोग की जाने वाली टेक्नोलॉजी से अवगत करवाया। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट जज पंकज मित्तल, जज संदीप मेहता,राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव व अधिवक्ता मौजूद रहे।

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

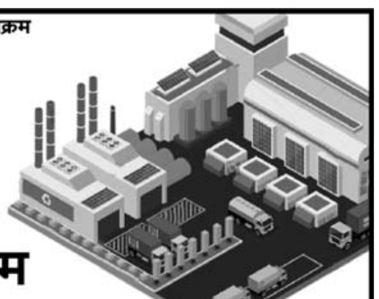

स्थापित करें नए उद्यम
विकास की ओर बढ़ाएं कदम

सरल ई-नीलामी के माध्यम से

आधारभूत सुविधाओं युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में करें उद्यम की स्थापना

कुल भूखण्ड	औद्योगिक भूखण्ड	व्यावसायिक भूखण्ड	दुकानें	कियोस्क
77	57	5	14	1

ईएमडी
प्रारम्भ तिथि : 29 जुलाई, 2024 (प्रातः 10:00 बजे)
अंतिम तिथि : 12 अगस्त, 2024 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड
प्रारम्भ तिथि : 13 अगस्त, 2024 (प्रातः 10:00 बजे)
अंतिम तिथि : 16 अगस्त, 2024 (सायं 05:00 बजे)

05 आबू रोड़	07 अजमेर	04 अलवर	02 बालोतरा	03 बांसवाड़ा
03 भीलवाड़ा	08 भिवाड़ी-II	02 बीकानेर	01 दौसा	01 घिलोठ
05 जयपुर (उत्तर)	02 जयपुर (दक्षिण)	02 ईपीआईपी, सीतापुरा (जयपुर)	02 झालावाड़	03 जोधपुर
01 कोटा	04 किशनगढ़	07 नागौर	01 नीमराना	02 पाली
03 राजसमंद	02 सवाई माधोपुर	02 सीकर	03 श्रीगंगानगर	02 उदयपुर

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किस्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ*

*T&C Apply

सामान्य प्रश्नों के लिए स्कैन करें

Raj.Samwad/C/24/2912

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005

ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएपः +91 9001306515, ई-मेलः riico@riico.co.in

ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें www.riico.co.in

जयपुर में आधे घंटे में करीब एक इंच बारिश दर्ज, सड़कों पर जलभराव में फंसे रहे वाहन

सीकर रोड, मुरलीपुरा, कालवाड़ रोड, विद्याधर नगर, निवारू रोड और 200 फीट बाईपास पर अजमेर पुलिया के पास पानी भरने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानियां हुई

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में दिनभर की उमस के बाद शाम करीब 4 बजे आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। देखते ही देखते शहर की कई प्रमुख सड़कों पर जलभराव हो गया। हालांकि आगरा रोड, दिल्ली बाईपास, आमेर, मालवीय नगर व सांगानेर क्षेत्र में हल्की बारिश हुई।

शहर के उत्तरी-पश्चिमी इलाकों जैसे सीकर रोड, मुरलीपुरा, विद्याधर, कालवाड़ रोड, निवारू रोड, अजमेर रोड पर 200 फीट सड़क के पास सड़कें तालाब में तब्दील हो गयी। यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियां उठानी पड़ी। सड़कों पर ट्रेफिक जैसे थम सा गया। कंट्रोलरूम कलेक्ट्रेट से मिली जानकारी के मुताबिक शाम 5 बजे तक कलेक्ट्री सर्किल पर करीब 1 इंच बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण शहर की अधिकांश डामर सड़कें जर्जर हो चुकी है, लेकिन इन्हें दुरुस्त करने का काम नहीं किया जा रहा। इस कारण आमजन को पैदल तथा दुपहिया वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानियां उठानी पड़ रही है। टूटी सड़कों के कारण ट्रेफिक जाम की समस्या भी बढ़ी है।

■ **बारिश के कारण शहर की अधिकांश सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे हुए, इन्हें दुरुस्त नहीं किए जाने के कारण रोजाना लग रहा ट्रेफिक जाम**

शहर के आसमां में दिनभर बादलों की उमड़-घुमड़ के बाद शनिवार दोपहर तेज हवाओं के साथ करीब आधे घंटे झमाझम बारिश हुई। विद्याधर नगर में स्टेडियम रोड पर बारिश का पानी भरने के कारण यहां से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि उत्तरी बंगाल की खाड़ी व बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल तट पर एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। मानसून ट्रफ लाइन अपने सामान्य अवस्था में है। पूर्वी राजस्थान के अनेक स्थानों पर आगामी एक सप्ताह मानसून सक्रिय रहने तथा अधिकांश स्थानों पर बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। इस दौरान कोटा, उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी व एक दो स्थानों पर अति भारी बारिश होने की संभावना है।

भरतपुर, जयपुर, अजमेर, बीकानेर व जोधपुर संभाग के भी कुछ भागों में मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। अगले चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर व बीकानेर संभाग के अनेक स्थानों पर 29 से 31 जुलाई के दौरान बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने और अनेक स्थानों पर हल्के से मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। शनिवार को भी 10 से अधिक जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

वर्चुअल और फोटो प्रदर्शनी में साकार हुई "बाघों की दुनिया"

जवाहर कला केन्द्र में जयपुर टाइगर फेस्टिवल शुरू

जयपुर । इंटरनेशनल टाइगर डे के मद्देनजर राजस्थान हैरिटेज, आर्ट एंड कल्चरल फाउंडेशन की ओर से जवाहर कला केन्द्र में आयोजित छठे जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) का शनिवार को उद्घाटन हुआ। गेस्ट ऑफ ऑनर पूर्व आई.ए.एस. पवन अरोड़ा, डॉ. एस.एस. अग्रवाल चेयरमैन जोधपुर, एम्स, विश्व विख्यात वाइल्ड लाइफ फिल्म मेकर और 5 बार के प्रेसिडेंट अवॉर्ड विजेता एस. नल्लामुथु, पूर्व मुख्य सचिव राजीव स्वरूप, फेस्टिवल के फाउंडर पेट्रन धीरेन्द्र के गोधा ने दीप जलाकर फेस्टिवल की शुरुआत की।

जवाहर कला केन्द्र की अलंकार गैलेरी में बाघों की फोटो प्रदर्शनी और वर्चुअल दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में युवा व बच्चे पहुंचे।

फेस्टिवल के अंतर्गत अलंकार गैलरी में देश-दुनिया के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स की 200 से अधिक फोटो की प्रदर्शनी लगाई गयी है। फेस्टिवल को लेकर लोगों में उत्साह पहले दिन ही देखते ही बना। बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने प्रदर्शनी विजिट की और बाघों की जिंदगी को करीब से देखा। इस दौरान आईएफएस संग्राम सिंह, सरिस्का टाइगर फाउंडेशन के फाउंडर सेक्रेटरी दिनेश दुर्रानी, रणथंभौर के प्रसिद्ध चित्रकार मुरलीधर पाराशर, नेशनल नेचर सोसाइटी के फाउंडर राजकुमार चौहान आदि गणमान्य भी मौजूद रहे।

सबसे खास बात यह है कि जेटीएफ के दौरान अलंकार गैलरी में बाघों की दुनिया साकार हुई। पहली बार बाघों से जुड़े किसी आयोजन में वीआर तकनीक का प्रयोग कर वन्यजीव प्रेमियों को बाघों की दुनिया में भेजा गया। लोगों ने वीआर शो में जंगल में बाघों की अठखेलियों को देखा और सुखद अनुभव प्राप्त किया। इसी के साथ फेस्टिवल में लाइव टाइगर पेंटिंग, टाइगर स्टोरी, मूवी स्क्रीनिंग, पोस्टल स्टाम्प एग्जीबिशन आदि एक्टिविटी भी की जा रही है।

जेटीएफ के फाउंडर पेट्रन धीरेन्द्र के. गोधा ने बताया कि फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य टाइगर के विषय में जागरुकता फैलाना है जिससे जंगल, जानवर, पर्यावरण सभी सुरक्षित रहे। पहली बार जंगल का लाइव एक्सपीरियंस देने के लिए पीवीआर तकनीक का प्रयोग यहां किया गया। जेटीएफ अध्यक्ष संजय खवाड़ ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी जेटीएफ वन्यजीव प्रेमियों को सुनहरे और सुखद अनुभव प्रदान करेगा। सचिव आनंद अग्रवाल ने बताया कि बडी संख्या में बच्चे टाइगर से जुडे इसलिए स्कूली बच्चों को आमंत्रित किया गया है।

बताया जा रहा है कि 29 जुलाई इंटरनेशनल टाइगर डे पर शाम पांच बजे टाइगर टेल्स टॉक शो होगा। इसमें 5 बार के प्रेसिडेंट अवॉर्ड विजेता और विश्व विख्यात वाइल्ड लाइफ फिल्म मेकर एस. नल्लामुथु, टाइगर मैन के नाम से प्रसिद्ध दौलत सिंह शक्तावत, महाराष्ट्र ईको टूरिज्म बोर्ड की गर्वनिंग काउंसिल के मेंबर और स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड के पूर्व सदस्य सुनील मेहता और मध्य प्रदेश के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर मनीष कालानी (जिन्होंने बाघिन मछली की फैमिली ट्री पर किताब लिखी है) विचार रखेंगे।

जयपुर पुलिस ने पांच घंटे में गिरफ्तार किए 344 बदमाश

जयपुर । जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने शनिवार को चालानशुदा बदमाशों के खिलाफ अभियान चलाकर एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने 1007 चालानशुदा बदमाशों के ठिकानों पर दबिश दी और 344 बदमाशों को गिरफ्तार दबोच किया। इस पूरी कार्रवाई को पुलिस ने पांच घंटे में अंजाम दिया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस पूछताछ के लिए 418 बदमाशों को पकड़कर थाने लाई थी जिसमें से पूछताछ के बाद 344 बदमाशों को अरेस्ट किया गया है।बदमाशों के पास से 16 संदिग्ध वाहन भी जब्त किए है।

■ **पुलिस ने 1007 चालानशुदा बदमाशों के ठिकानों पर दबिश दी थी**

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए और सख्त कानूनी कार्रवाई के लिए आर्म्स एक्ट और स्नेचिंग के चालानशुदा अपराधियों को पकड़ने की प्लानिंग की गई। पुलिस अधिकारियों सहित 3 हजार पुलिसकर्मियों ने शनिवार तड़के शहरभर में अपराधियों को पकड़ने के लिए शहरभर में दबिश दी। इस कार्रवाई के लिए गठित टीमों ने अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर 418 लोगों को पकडा और पूछताछ एवं तस्दीक के साथ 344 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इनमें आबकारी अधिनियम में 14, धारा 170 बीएनएसएस में 264, धारा 129 बीएनएसएस में 4, धारा 126/135 बीएनएसएस में 6, स्थाई गिरफ्तारी वारंट में 40 एवं पूर्व के प्रकरणों में वांछित 16 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। शहर में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों, गैंग अपराधों पर अंकुश, अपराधियों में डर व आमजन में विश्वास कायम रखने, अपराधों पर लगाम लगाने के लिए ,अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी कर उन्हें पुनः संगठित होकर अपराध करने से रोकना तथा यदि उनके पास कोई अवैध हथियार, चोरी के वाहन, अन्य कोई आपत्तिजनक सामग्री मिले तो उसे जब्त कर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने, अपराधियों की सामाजिक प्रतिष्ठा को क्षित करना, अपराधी के निवास स्थान के क्षेत्रवासियों में सुरक्षा भावना पैदा करना, गैंग अपराधों का अंकुश लगाना,फायर आर्म्स के प्रयोग पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस टीमों द्वारा शहर में कार्यवाही की गई।

दो महिलाओं समेत आठ फरार वारंटी गिरफ्तार किए

जयपुर । आदर्श नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे दो महिलाओं सहित आठ वारंटियों को गिरफ्तार किया है और एक अन्य व्यक्ति को शांति भंग में पकड़ा है। इसके साथ ही विशेष अभियान के दौरान चौदह वांरटों का निस्तारण भी किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि वांछित आरोपितों की धर-पकड के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रामनगरिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए केसरी देवी निवासी जवाहर नगर,पदमा देवी निवासी घाटगेट,कमलेश कुमार शर्मा निवासी जमवारामगढ जिला जयपुर,मोहम्मद जाकिर निवासी आदर्श नगर,सलमान खान निवासी जवाहर नगर, हीरालाल महावर निवासी ब्रह्मपुरी, मनीष स्वामी निवासी जगतपुरा जयपुर,मोहम्मद जाकिर निवासी आदर्श नगर व जीशान निवासी सोडाला को गिरफ्तार किया।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा 5वीं मंजिल से कूदी

युवती ने एक दिन पहले ही परिवारजनों व दोस्तों के साथ मनाया था 18वां जन्मदिन

जयपुर (कासं)। परिवार के साथ अपना 18वां जन्मदिन मनाने के दूसरे दिन युवती ने बिल्डिंग की 5वीं मंजिल से छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। वह नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें परिजनों से माफी मांगी है। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त किया है। शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि छात्रा यति अग्रवाल (18) द्वारिका अपार्टमेंट विद्याधर नगर की रहने वाली थी। उसने 12वीं क्लास पास कर नीट परीक्षा की कोचिंग कर रही थी। गुरुवार को उसका जन्मदिन था। उसने अपना 18वां जन्मदिन अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर मनाया था। शुक्रवार को उसने बिल्डिंग की 5वीं मंजिल से छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया।

छात्रा को लहूलुहान हालत में जमीन पर गिरा देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कांवटिया हॉस्पिटल लेकर गई। पुलिस को मृतका के पास से नोटबुक में एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें परिवार की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरने के लिए माफी मांगी है। पुलिस ने सुसाइड नोट लिखी नोटबुक को जब्त किया है।

सार-समाचार

आवास फाइनेंस लगाएगा 10 हजार पौधे

जयपुर (कासं)। वर्ल्ड नेचर कंजर्वेशन डे के अवसर पर आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड की ओर से कॉरपोरेट सोश्यल रिस्पांसिबिलिटी के तहत शनिवार को आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय सांगानेर में 100 पौधे लगाकर "वृक्षारोपण अभियान" की शुरुआत की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संघ प्रचारक निंबाराम ने पर्यावरण संरक्षण की महत्ता के बारे बच्चों को बताते हुए पेड़ लगाने, प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने एवं अपने आस-पास साफ सफाई रखने के बारे में बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि समाजसेवी प्रताप राव और आवास फाइनेंसियर्स के सीसीओ सुरेंद्र सिहाग ने भी इस अवसर पर पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने की महत्ता पर प्रकाश डाला। गौरतलब है कि आवास फाइनेंसियर्स ने इस साल 10 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए पीने के ठंडे एवं शुद्ध पानी की सुविधा के लिए आवास फाइनेंसियर्स ने वाटर कूलर भी समर्पित किया। कार्यक्रम के अंत में सीएसआर हैड मुकेश पुरोहित ने अतिथियों और विद्यालय प्रशासन को धन्यवाद दिया।

शहीद के परिजनों को तेल चित्र भेंट

जयपुर । कारगिल विजय दिवस के अवसर पर चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता और गुर्जर महासभा (युवा) के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गुर्जर व मोहन गुर्जर व योगेश गुर्जर ने शहीद के पैतृक गांव दौसा जिले के महुआ तहसील की तालचिड़ी पंचायत के कंचनपुरा गांव पहुंचकर उनकी माता कमला देवी व पिता भीमसिंह गुर्जर को भेंट किया। शहीद का जीवंत तैल चित्र देखकर शहीद की माता कमला देवी भावविह्लल हो गई और उनकी अश्रुघारा बह उठी। इस दौरान शहीद के परिजनों की समस्याओं के निदान हेतु गौरव गुर्जर ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि चित्रकार गुप्ता पिछले 25 सालों से निरंतर शहीद के गांव-ढाणी पहुंचकर उनके परिजनों को तैलचित्र भेंट करते हैं।

डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग शुरू

जयपुर । एसबीआई डीएमपीएल के तीसरे संस्करण का शुभारंभ शनिवार को आर.आई.सी. जयपुर में हुआ। ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फर्स्ट इंडिया न्यूज़ के सीईओ व मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा रहे, जबकि एसबीआई बैंक के रीजनल मैनेजर एम.जी.व्यास ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। तीन दिवसीय लीग का फाइनल 28 जुलाई को होगा। लीग आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि पवन अरोड़ा ने इस प्रतियोगिता के फॉर्मेट की तारीफ़ करते हुए इसके सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दी।एसबीआई बैंक के रीजनल मैनेजर एम.जी.व्यास ने कहा कि डॉक्टर्स भगवान का दूसरा रूप है। डॉक्टर्स के इस कार्यक्रम में आकर व उन्हें सुनकर मुझे पूर्ण विश्वास है लीग सफल व यादगार रहेगी इस अवसर पर उन्होंने डॉक्टर्स के लिए एसबीआई बैंक की विभिन्न योजनाओं कि जानकारी दी। आयोजन सचिव डॉ अनिल यादव ने बताया कि इस प्रतियोगिता में इस बार विभिन्न अस्पतालों की आठ टीमें हिस्सा ले रही है ।

मो.रफी के तरानों से झूमे श्रोता

जयपुर । बॉलीवुड के लीजेंडरी प्लेबैक सिंगर मो.रफी की 44वीं बरसी पर यहां जेएलएन मार्ग स्थित कलानेरी आर्ट गैलेरी प्रांगण में साज और आवाज कल्चरल सोसायटी की ओर से शनिवार को दिल देके देखो जी... रंगारंग म्यूजिकल नाइट संजोई गई। इसमें शहर के कई नामी कलाकारों ने अपनी पुरकशिश आवाज़ में मो.रफी के गाए कई नगमों को पिरोकर श्रोताओं के दिलों को छू लिया। कार्यक्रम में पूर्व जज व सिंगर केपी सिंगर केपी सक्सैना ने अकेले हैं चले आओ..., आवाज देके हमें तुम बुलाओ...जैसे गीतों को सुर और लय की बेहतरीन बानगी के साथ पेश कर माहौल में मो.रफी की गायकी की मिठास घोल दी। प्रियांक अग्रवाल ने तुमने मुझे देखा..., एमए खान ने बदन पे सितारे... समेत कई गानों पर प्रस्तुति दी।

अपहरण कर युवक से लूटपाट

जयपुर । मानसरोवर थाना इलाके में कार सवार बदमाशों ने अपहरण कर एक युवक को लूट लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि बाहुबली नगर विस्तार मुहाना निवासी शुभम जांगिड़ (26) ने मामला दर्ज करवाया कि वह किरण पथ में पार्क के पास बाइक पर बैठा था। इसी दौरान लाल कलर की कार में चार लड़के सवार होकर आए। कार से उतरकर बदमाशों ने जबरन उसे गाडी में डाल लिया। चलती कार में उसके साथ मारपीट कर भांकरोटा ले गए। सुनसान जगह ले जाकर मारपीट की। धमकी देकर बैंक अकाउंट से ऑनलाइन 34 हजार 700 रुपए ट्रांसफर कर लिए। कार में बैठाकर करीब एक घंटे तक इधर-उधर घुमाते रहे। रुपए वसूलने के बाद धमकाते हुए श्याम नगर नाले के पास पटक कर चले गए। मानसरोवर थाने में पीड़ित ने कार सवार बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पीड़ित की चोटों का मेडिकल करवाकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नाटक '12 एंग्री मैन' का मंचन

जयपुर । जवाहर कला केंद्र की सहभागिता में जारी नटराज महोत्सव के 5वें दिन शनिवार को नाटक '12 एंग्री मैन' का मंचन हुआ। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से स्नातक कर चुके विशाल विजय के निर्देशन में फोर्थ वॉल ड्रामेटिक सोसाइटी के कलाकारों ने बेहतरीन अभिनय से रंगकर्मियों ने सुधि दर्शकों को एकटक नाटक देखने पर मजबूर कर दिया। आलम यह रहा कि रंगायन सभागार दर्शकों से पूरी तरह आबाद नजर आया।

12 एंग्री मैन अमरीकी लेखक रेजीनॉल्ड रोज कृत कोर्टरूम ड्रामा है। रंजीत कपूर ने इसका रूपांतरण किया है। नाटक में उस समय का जीवंत दृश्य देखने को मिलता है जब अदालती फैसले ज्यूरी मेंबर किया करते थे। अदालत में एक हत्या का मामला आता है। कार्यवाही के दौरान मेंबर्स के असली चेहरे, निजी विचार, पूर्वाग्रह उभरने लगते हैं। अंत में बड़ी मशक्कत के बाद वे निष्पक्ष फैसला सुनाते हैं। यह न्याय की जीत को दर्शाता है। बेहतर निर्देशन और बेजोड़ अभिनय दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ गया। 12 एंग्री मैन शीर्षक वाले नाटक में बीच-बीच में व्यंग्यात्मक संवाद के जरिए रंगकर्मियों ने दर्शकों को हँसने का मौका भी दिया। संचित जैन, अंकित शर्मा, योगेन्द्र सिंह, चित्रार्थ मिश्रा, कमलेश बैरवा, राहुल पंवार, रितिक शर्मा, संदीप मिश्रा, गौरव कुमार, आकिब मिर्ज़ा, दीपक गुर्जर, दीक्षांक शर्मा, विनय सैनी ने मंच पर किरदार निभाए। देशराज गुर्जन ने लाइट, विमल मीणा ने संगीत संयोजन संभाला व वरिष्ठ रंगकर्मी रुचि भार्गव नरुला ने जज के किरदार के लिए अपनी आवाज दी। गौरतलब है कि 28 जुलाई को नटराज महोत्सव के आखिरी दिन सुबह 11 बजे कृष्णायन में "संवाद प्रवाह" का आयोजन होगा, जिसमें भारत रत्न भार्गव, प्रेरणा श्रीमाली (जयपुर घराने की कथक नृत्यांगना), गोपालाचार्य जी एवं विशाल विजय विचार रखेंगे और बातचीत करेंगी रुचि भार्गव नरूला। शाम 7 बजे गोपाल आचार्य के निर्देशन में नाटक भोपा भैरूनाथ का मंचन होगा।

■ **रविवार सुबह 11 बजे संवाद प्रवाह, शाम 7 बजे भोपा भैरूनाथ का मंचन होगा**

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने मनाई डॉ. कलाम की पुण्यतिथि

जयपुर । भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा देश के पूर्व राष्ट्रपति एवं मिसाइल मैन और भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर प्रदेशभर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके तहत आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती के नेतृत्व में पुष्पाजंलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी जोसेफ जॉन हुकिंस रहें। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कहा कि भले ही डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आज हमारे बीच नहीं हैं, फिर भी हम हर समय अपने आस-पास उनकी उपस्थिति महसूस कर सकते हैं, उनके द्वारा किए गए विकास कार्य और उनकी विरासत आज भी हमें उनकी याद दिलाती है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने समाज में अपने अपार योगदान से राष्ट्र पर एक उल्लेखनीय छाप छोड़ी है।

संस्कृत में निवास करती है भारत की आत्मा : राज्यपाल

जयपुर । राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि विश्वविद्यालय प्राचीन और नवीन ज्ञान का समन्वय करते हुए संस्कृत और संस्कृति के प्रसार के लिए कार्य करे। संस्कृत के माध्यम से भारत को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है, जिसके लिए सबको मिलकर कार्य करने के जरूरत है। वे शनिवार को जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संस्कृत में योग, विज्ञान, शास्त्र, भारतीय संस्कृति, संस्कार से जुड़ी शिक्षा दी जाती है। व्यक्तित्व निर्माण के लिए इसी शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है। यह शिक्षा जिस व्यक्ति के पास है उसे आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें कौशल विकास के साथ भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुडे ज्ञान के आधुनिकीकरण पर भी विशेष जोर दिया गया है।

समारोह में चित्रकूट के स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि हमारी सर्वोत्कृष्ट देवी भारत माता है। उन्होंने भगवान श्रीराम की महिमा का सुंदर और रोचक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान के स्त्रोत नालंदा और तक्षिशला विश्वविद्यालय थे, जिन्हें बख्तियार खिलजी ने इसलिए जला दिया कि भारत की ज्ञान संस्कृति मिट जाए पर भारत अविचल अपनी अस्मिता बनाए हुए है।

संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने चित्रकूट के स्वामी रामभद्राचार्य को "डीलिट" की मानद उपाधि प्रदान की।

कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने बताया कि संस्कृत विश्वविद्यालय में शास्त्रों के अध्ययन के अलावा आधुनिक विषयों पर भी ध्यान केंद्रित करते हुए संस्कृत को जन-जन तक लोकप्रिय किए जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इससे पहले राज्यपाल ने संविधान उद्यान का लोकार्पण किया और वयम् व प्रवृत्ति पुस्तकों का लोकार्पण किया। समारोह में नई दिल्ली स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी और स्वामी रामभद्राचार्य को डीलिट की मानद उपाधि दी गई। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र छात्राओं को 12 स्वर्ण पदक और 27 पीएचडी उपाधियां प्रदान कीं। संचालन शास्त्री कोसलेंद्रदास और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रियव्रत सिंह चारण ने किया।

'जल निगम बनाने से पानी की दरें व भ्रष्टाचार बढ़ेगा'

जयपुर । पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि जल निगम बनने से पानी की दरें और भ्रष्टाचार बढ़ेगा, अफसर की मनमानी होगी। जब रोडवेज घाटे में चल रही है, कोई भी निगम फायदे में नहीं है। खाचरियावास ने कहा कि रोडवेज के घाटे का कारण सभी लोग जानते हैं कि राज्य सरकार का नियंत्रण नहीं रह पाता है। रोडवेज के कर्मचारी सबसे ज्यादा परेशान है, रोडवेज के कर्मचारी राज्य कर्मचारी का दर्जा पाना चाहते हैं। अब जब राज्य की जनता सस्ता पानी पी रही है। राजस्थान में पीने के पानी को लेकर पिछली सरकार ने पानी की दरें नाम मात्र की रखी थी। बिजली की दरें बढ़ाने के बाद राज्य की भाजपा सरकार चोर दरवाजे से जल निगम बनाकर पीने का पानी महंगा करना चाहती है।

World Nature Conservation Day

Planet Earth is a beautiful and fascinating place. From wildlife to trees, from oceans to mountains, the world is a place that has fascinating ecosystems that lie in a delicate balance. But as human activity has made a huge impact on the environment, particularly through depleting natural resources and adding pollution, it is necessary for people to offer more care and pay more attention to preserve the planet for future generations. *World Nature Conservation Day* is here to raise awareness for the need and promote collaboration among individuals, communities, businesses, local governments and much more!

#RESTAURANT & BISTRO

BROWN SUGAR WOWS

Hand it to Brown Sugar for delivering wholesome meals with a carefully curated menu that not only serves the Zoomers but also Gen X and senior citizens, who want to chill on their day out.

Sadhana Garg
Journalist & Social Entrepreneur

If you think Brown Sugar is all about confectionary and cake, you've got it all wrong. For an eatery, that has 17 outlets spread all over Jaipur, it has done exceedingly well to have carved out a niche in the mid segment restaurant and bistro sector. The menu is varied yet wholesome. The prices point reasonable.

Salad is the last thing that you would expect at an eatery associated with 'sugar and spice and all that is nice.' The Saute Vegetable Salad with a dash of olive oil is not only fresh, but just what the dietitian ordered for all weight watchers. For others, there is Garlic Butter, Mushroom and Cottage Cheese Salad.

Food is not only memory but also childhood encapsulated in calories. The *Chana Bun,* one of the most ordered dish, is reminiscent of days when one tucked away *Kabuli Chana* with bread in childhood. Brown Sugar version is irresistible and you can ask for it to be customized as per your chili tolerance.

The popularity of fried *Kurkure Momos* is matched by The Mumbai Central Vada Pav and Crispy Corn chat, a perennial favourite of the Gen Z. So, the perception of Brown Sugar, being a favourite haunt of the yuppies, does not do justice to its menu created to deliver value for money. Anyone of the outlets, spread all over the city, must really be your go-to destination, if you are looking for a day out with friends or hosting a Kitty party.

The Fiery *Paneer Wrap* or the *Peshawari Paneer Tikka Sandwich* are not only tasty but a meal in a dish, and believe it or not, only for Rs. 200 each. The paneer and veggie overload offsets the carb dose. It's not uncommon to find digital natives preoccupied with their screens and biting into *Pink Love Pasta* or the *Brown Sugar Special Baked Lasagna*. Both the dishes are akin to buying a meal over the counter without having to dish out a small fortune. Hand it to Brown Sugar for delivering wholesome meals with a carefully curated menu that not only serves the Zoomers but also Gen X and senior citizens, who want to chill on their day out. If you thought Brown bread is just another name for a bread with a different tan, then, you are in for a surprise. One of the most fast moving items, the *multigrain brown bread* with chia, pumpkin, sunflower, sesame and other seeds is like buying into slices of delightful satiation. The crust with a springy soft surface, that is both, flavoursome and fulsome, explains its demand.

A hearty meal deserves a closure with some gooey dessert. If desserts are fairy tales of the kitchen, Brown Sugar does well in spinning out delightful, melt in the mouth kind of cakes and desserts. You can find an artisanal cake for every occasion but the *Hazelnut cake* takes sweetness to another level. It evokes emotions that are only matched by the iconic *Hot chocolate with Brownie*. The latter is, of course, the happily ever after, of a meal at Brown Sugar. A good dessert, they say, should make you sing. Worry not, these ones will also make you dance!

The smell of freshly brewed coffee, good food and a comfort zone make a perfect blend at this eatery. If you are in a party mode, then, the easy, relaxed atmosphere at Vaishali Nagar outlet may also invite you to host your annual gala because the outdoor space, in its backyard, can be all yours with food catered by Brown Sugar. Outdoor catering is another vertical of Brown Sugar, but of that, another day!

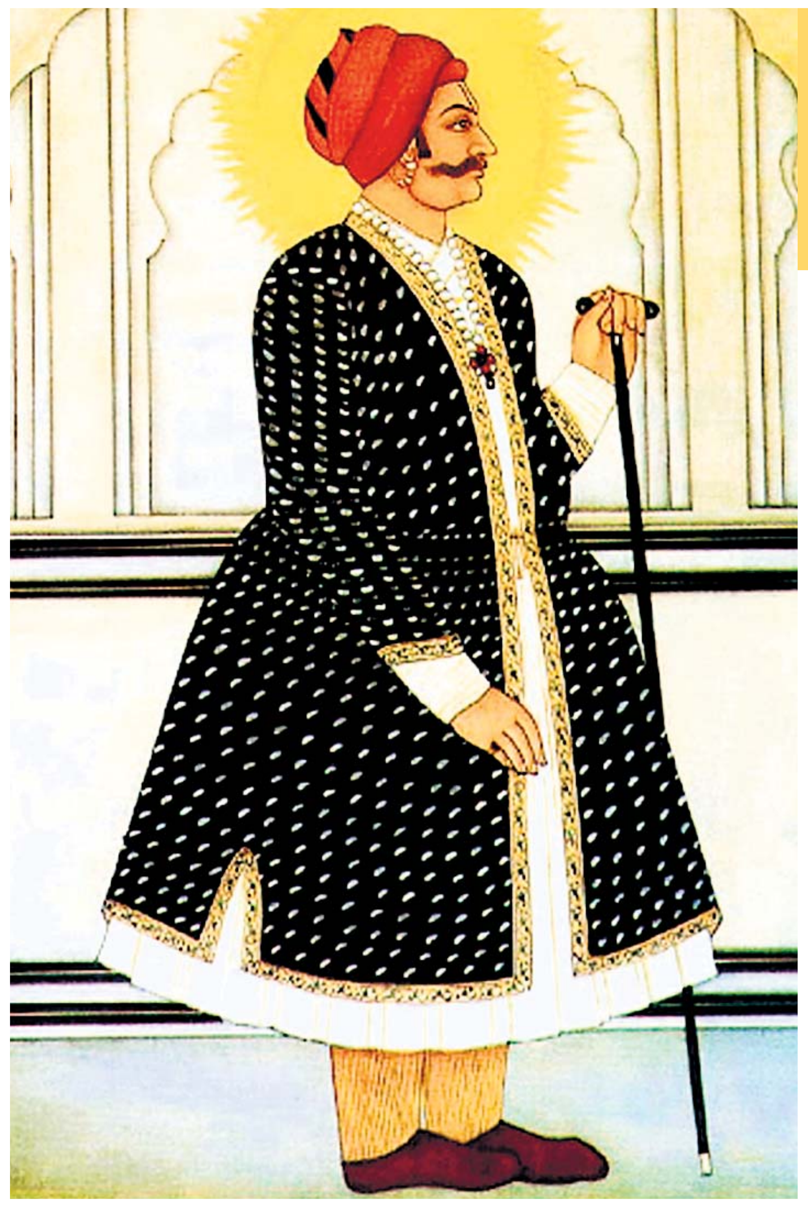

Portrait of Maharaja Sawai Jai Singh II.

His real name was Mirza Muhammad Taraghay bin Shahrukh. But because of his erudition and exploits, he was more popularly known by his fan following as Ulugh Beg, which, in Turkish, can be loosely translated as 'Great Ruler.' And now, here comes the Indian connection. He was a grandson of the great conqueror and king, Tamerlane (1336-1405), the same feared Central Asian warrior, who invaded northern India in 1398 and ravaged Delhi, which was then ruled by *Sultan* Nasiruddin Mahmud Shah Tughluq (the last ruler of the Tughlaq Dynasty). Babur, who established the Mughal dynasty in India, was a 5th generation descendant of Timur on one side as well as a 12th generation descendant of the mighty Genghis Khan on another side!

Tamerlane To Jantar Mantar

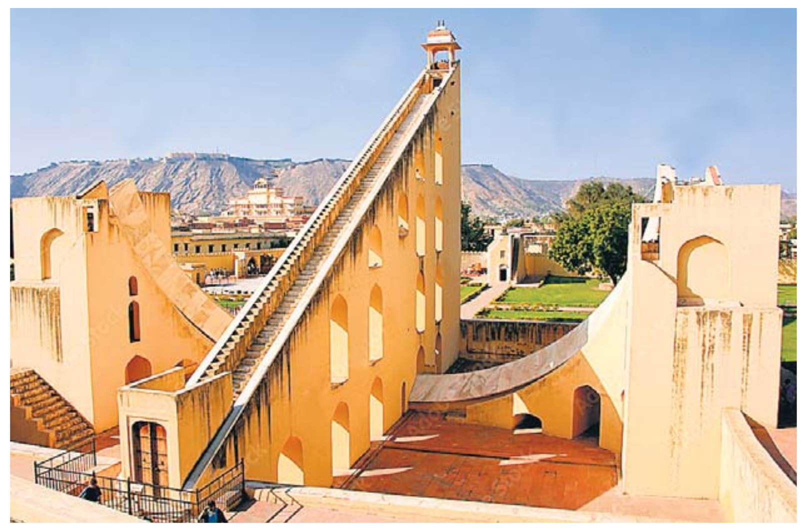

Samrat Yantra in Jaipur's Jantar Mantar Observatory.

Ulugh Beg *Madrasa* was an important centre of astronomical study in Central Asia.

Ulugh Beg, founder of the Observatory, in a contemporary Timurid painting (1425-1450).

N.N. Sachitanand
Senior Journalist

Back in the latter half of the 1950s, I was fortunate enough to be recruited by the fledgling travel agency of Pandit & Co., located at Panch Batti in Jaipur, as a rookie guide for foreign tourists visiting the Pink City. The Second World War had ended just over a decade ago and Europe, Japan, China and Russia were still recovering from the aftermath. Most of the tourists doing the Delhi-Agra-Jaipur Golden Triangle then were, therefore, from the US of A, which had emerged intact due to the two oceans on either side. I must confess that I, most probably, was selected as a guide, not because of my historical knowledge of Jaipur but since I could make out the *Yankee twang*, having learnt my English under demobbed American chaplains, who taught at St. Xavier's High School, Jaipur.

The basic tour comprised Amber, the City Palace and, if time and inclination permitted, the Royal Cenotaphs and the Albert Hall Museum. Of course, the tour was always topped by shopping for textiles and jewellery, for which Jaipur was justly famous.

One of the side attractions of the City Palace, which awed the visitors, who chose to stroll through it, was the astronomical observatory, known, in common parlance, as the *Jantar Mantar.* The founder of the walled city of Jaipur, Sawai Raja Jai Singh, was an extraordinary polymath. Besides being well-versed in the intricacies of royalty of those days like statesmanship, diplomacy and military planning, Jai Singh was a town planner, mathematician and astronomer of repute.

His passion for astronomy and the associated application of astrology led him to construct five observatories in India, which were the biggest and most complex in the world of his time. The masonry instruments for tracking the sun, moon, planets and stars were based on the concept of positional astronomy, enunciated by the 2nd Century Greek astronomer, Ptolemy.

It is said that the tracking of celestial bodies from Jai Singh's observatories was more accurate than that in other cities of the world, in those days. They were also the last of their kind since optical instruments, following Galileo's invention of the telescope, took over afterwards all over the world.

One particular instrument that spontaneously elicited 'Oohs' and 'Ahhs' from the foreign visitors to Jantar Mantar was the *Vrihat Samrat Yantra*. At over 90 feet in height, it was and still is, the world's largest stone Sundial, able to give the time to an accuracy of two seconds. Jai Singh personally designed this mammoth instrument, which features a massive triangular gnomon, oriented due north, at an angle corresponding to Jaipur's latitude. The gnomon's hypotenuse is perfectly parallel to the Earth's axis of rotation, allowing it to cast an accurate shadow throughout the day, to indicate the time.

> One particular instrument that elicited 'Oohs' and 'Ahhs' from the foreign visitors to Jantar Mantar was the *Vrihat Samrat Yantra*. At over 90 feet in height, it was and still is, the world's largest stone Sundial, able to give the time to an accuracy of two seconds. Jai Singh personally designed this mammoth instrument.

It was to this instrument that I used to particularly conduct my tourist clients, and proudly chant its dimensions and accuracy, as they craned their necks to take it in.

My dalliance with tourist guiding lasted about a year, following which I had to push off for IIT.

Sixty years later, I had a moment of *déjà vu*. It was in the city of Samarkand in south-eastern Uzbekistan, some 1500 kms from Jaipur. This time, I was on the other side of the fence, as a tourist. Samarkand is one of the most ancient urban settlements in the world and an important crossroad of the fabled Silk Route between China and Mediterranean Europe. As Indian tourists, we, of course, were more fascinated by its grand dry fruits market.

'Déjà vu' is a popular French term signifying a sense of having been there or seen that before. I had this feeling when we were being conducted through the Ulugh Beg Astronomical Observatory in Samarkand, constructed between 1424 and 1429 AD, some three centuries before Jai Singh built his Jantar Mantar.

The centre piece of the Samarkand observatory is the so-called *Fakhri Sextant,* which had a radius of 118 feet. This was so large that a part of it had to be accommodated in a trench. This lower portion of the meridian arc underground is all that remains now of the original massive structure. When I saw this huge arc, I was immediately reminded of the giant arc of the *Samrat Yantra* in Jantar Mantar. Ulugh Beg (1394 - 1449) was one of Islam's greatest astronomers during the Middle Ages and famed far and wide in Europe and Asia. With the instruments located in the observatory in Samarkand, Ulugh Beg composed a star catalogue, consisting of 1018 stars, which corrected quite a few errors in the catalogue, composed by Ptolemy, that had been in use till then.

Delving a bit deeper into the histories of Ulugh Beg and Jai Singh, I found some very interesting similarities. For starters, both were royalty. About Jai Singh we all know. But who was Ulugh Beg?

His real name was Mirza Muhammad Taraghay Bin Shahrukh. But because of his erudition and exploits, he was more popularly known by his fan following as Ulugh Beg, which in Turkish can be loosely translated as 'Great Ruler.'

And now, here comes the Indian connection. He was a grandson of

#STARGAZERS

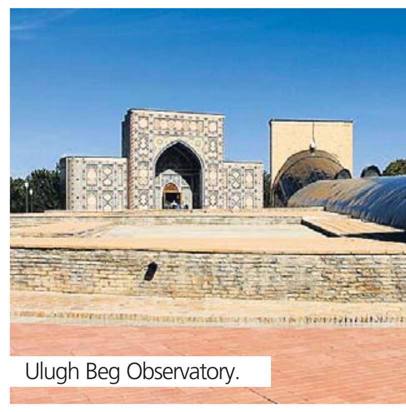

Ulugh Beg Observatory.

the great conqueror and king, Tamerlane (1336-1405), the same feared Central Asian warrior, who invaded northern India in 1398 and ravaged Delhi, which was then ruled by *Sultan* Nasiruddin Mahmud Shah Tughluq (the last ruler of the Tughlaq Dynasty). Babur, who established the Mughal dynasty in India, was a 5th generation descendant of Timur on one side as well as a 12th generation descendant of the mighty Genghis Khan on another side!

Although, Timur is not regarded kindly in India due to a horrific Delhi massacre, in today's Uzbekistan, he is revered as a founder of the nation and the capital, Tashkent, features a whole museum devoted to him.

The second notable resemblance between Jai Singh and Ulugh Beg is that both were reputed astronomers and observatory builders of their time.

Ulugh Beg is credited with reviving astronomical research in the Islamic world, which had gone into decline after the 13th century. As a child, he wandered through a substantial part of the Middle East and India, as his grandfather expanded his conquests in those areas.

After Timur's death, his successor, Shah Rukh moved the empire's capital to Herat, leaving the former capital, Samarkand, in charge of his 16-year old son, Ulugh Beg.

The teenage governor set out to turn Samarkand into an intellectual centre. He started off with establishing a university, between 1417 and 1420, and invited several prominent Islamic scholars to study and teach there. The *madrasa* building still stands on Registan Square in Samarkand and the colourful Persian style inlay work, that it sports, dazzles the visitors' eyes.

But it was to astronomy that Ulugh Beg was most strongly drawn. His interest in the subject had been piqued when, at a young age, he had visited the famous *Maragheh Observatory* in Iran.

So, Ulugh Beg set about building an observatory at Samarkand, with the ambition of providing the most accurate measurements of the position of heavenly bodies. Ulugh Beg's observatory was built according to the plans of the Maragha observatory in Iran, which was designed by Nasir al-din al-Tusi. Ulugh Beg's Observatory included the largest quadrant principle device. The building was not tall but was allowed a maximal size for the arc of the circle. This device was carefully oriented, and the arc was scaled very accurately. This device was very versatile. It could accurately measure the sun from the horizon, the altitude of a star and other planets. The duration of the year, period of planets, and eclipses were measured by this device. Ulugh Beg's measurements of planets closely relate to today's measurement, showing us the phenomenal accuracy of the device. To enable this, a huge masonry sextant was proposed to be set up, with a radius of just over 40 metres, which would make it the largest 'astronomical instrument' in the world at that time. This sextant was to be housed in a cylindrical-shaped building.

But there was a catch. The type of bricks, then available, did not have the strength to support such a tall building. This problem was solved by constructing part of the sextant underground, in a ditch, roughly 2 meters wide. This allowed the size of the sextant to be maintained, without the cylindrical building housing it to be unstably high. Since the building was located on a hill, 21 metres above the ground, the underground portion could be accommodated without causing waterlogging problems.

> For building the larger Delhi observatory in 1724, he took the help of Vidyadhar Bhattacharya, a Bengali brahmin architect, well-versed in *Shilpa Shastra*. The designs were further improved for the Jaipur observatory, the construction of which started in 1728 with a few instruments and was expanded to what we see today by 1735.

The *Fakhri sextant*, as it was called, had 70.2 cm divisions, which represented one degree. There were also marks every 11.7 mm to show one minute and 1 mm marks that represented five seconds. These markings turned out to be extremely accurate, matching up closely to the calculations found today.

The building, housing the sextant, was made up of three stories. The first story comprised the staff quarters. All observations were made from the second and third stories, which had many arches to look through. The roof of the observatory was flat, allowing instruments to be utilized on top of the building.

Ulugh Beg used this gargantuan instrument to undertake a complete revision of the earlier catalogue of stars and compile a precise stellar catalogue of 1,018 stars, called the *Zij-i-Sultani*, which was written in Persian and published in 1437. Ulugh Beg's Star Catalogue was the first to have been published since the *Almagest*, written by Ptolemy.

He managed to measure the azimuth to within three arc minutes, correlate these data with sidereal time, and connect them to a position in the sky relative to the ecliptic. He also measured the angular distances covered by the planets, each year, which match modern values to within several arc seconds.

Ulugh Beg determined the length of the tropical year as 365d 5h 49m 15s, which has an error of +25s, making it more accurate than the estimate of Copernicus, which had an error of +30s. Ulugh Beg also determined the Earth's axial tilt as 23;30,17 degrees in sexagesimal notation, which in decimal notation converts to 23.5047 degrees.

Ulugh Beg's astronomical tables became almost as famous as those of Ptolemy and they formed the basis of most subsequent catalogues.

Maharaja Sawai Jai Singh II of Jaipur (1688-1743) was greatly influenced by the works of the scholars of the Samarkand school and extended their work. Apart from Ulugh Beg, whom he followed, he mentions names of the Iranian astronomer, Nasir al-Din al-Tusi, and others.

Jai Singh preferred to use masonic instruments, some of which he himself designed, rather than metallic ones. He improved the concept of time measurement over Ulugh Beg by employing an equatorial gnomon, which can measure time at a constant rate of the spin of the earth.

Jai Singh built observatories in Delhi, Jaipur, Banaras, Mathura and Ujjain. The idea behind building a number of observatories at different locations in the northern India was to make the same observations from different places, and thus, reduce the errors introduced, due to the limits of resolution of human vision.

Initially, Jai Singh, who had first studied Hindu astronomy at Benares and, as a part of his post-doc work (as it is referred to these days), built the three small observatories at Ujjain, Mathura, and Benaras. Ujjain, as it may be recalled, was a hub for astronomical and mathematical studies in ancient times and home to scholars like Varahamihira (6th Century), Brahmagupta (7th Century) and Bhaskaracharya (12th Century).

For building the larger Delhi observatory in 1724, he took the help of Vidyadhar Bhattacharya, a Bengali *brahmin* architect, well-versed in *Shilpa Shastra*. The designs were further improved for the Jaipur observatory, the construction of which started in 1728 with a few instruments and was expanded to what we see today by 1735.

Planetary tables were prepared by Jai Singh and Ulugh Beg's 300-year-old catalogue was updated. The results were published as a set of astronomical tables named *Zij Muhammad Shahi*, in honour of the Mughal King, Muhammad Shah, successor to Aurangzeb.

However, unlike Jai Singh, Ulugh Beg's scientific expertise was not matched by his skills in governance and diplomacy. During his short reign, he failed to establish his power and authority. As a result, other rulers, including his family, took advantage of his lack of control, and he was subsequently overthrown and assassinated by his own son, Abd al-Latif in 1449. The observatory was destroyed and dozens of talented astronomers and mathematicians were driven away. It was only in 1908 that the Russian archaeologist, Vassily Vyatkin, uncovered the remains of the observatory. Today, the foundations and the buried part of the marble quadrant are all that are visible of the original vestiges of the Fakri sextant, and the cylindrical building housing has been reconstructed.

As we wound our way out of the park, that houses the remains of Ulugh Beg's observatory, I marveled at how the pursuit of astronomy connected researchers from vastly different geographies and times, which has enabled mankind to explore the regions of space beyond our home planet.

rajeshsharma1049@gmail.com

#GLOBAL WARMING

Why July 21 was the warmest day on record?

In a statement, Carlo Buontempo, C3S Director, said, "What is truly staggering is how large the difference is between the temperature of the last 13 months and the previous temperature records. We are now in truly uncharted territory and as the climate keeps warming, we are bound to see new records being broken in future months and years."

Sunday (July 21) was the warmest day on record for the Earth, according to the Copernicus Climate Change Service (C3S). The daily global average temperature touched 17.09 degree Celsius, breaking the previous record of 17.08 degree Celsius, set on July 6, 2023. Last year was the first time ever that the daily global average temperature crossed the 17 degree Celsius mark. In a statement, Carlo Buontempo, C3S Director, said, "What is truly staggering is how large the difference is between the temperature of the last 13 months and the previous temperature records. We are now in truly uncharted territory and as the climate keeps warming, we are bound to see new records being broken in future months and years." Here is a look at what caused this record-breaking daily global average temperature.

What led to the Record-breaking Temperature?

The main driver behind the extreme warming is the increasing greenhouse gas concentrations in the atmosphere. Greenhouse gases like carbon dioxide and methane, and water vapour trap the Sun's energy in the Earth's system before it escapes to space, causing warming. Since the industrial revolution, human activities like burning fossil fuels such as coal, oil, and gases have released unprecedented levels of such gases. As a result, the planet has warmed rapidly, especially in recent decades.

In 2023, greenhouse gas concentrations reached the highest levels ever recorded in the atmosphere, according to C3S and the Copernicus Atmosphere Monitoring Service (CAMS). Carbon dioxide concentrations in 2023 were 2.4 parts per million (ppm) higher than in 2022, methane concentrations increased by 11 parts per billion (ppb). Apart from this, above-average temperatures over large parts of Antarctica have also contributed to warmer daily average global temperatures, according to C3S. However, warmer temperatures in Antarctica, at this time of the year, are not unusual.

The continent is also witnessing below-average sea ice extent, leading to much above-average temperatures over parts of the Southern Ocean. This also has played a role in raising the global average temperatures.

What happens next?

According to C3S, the daily global average temperature is expected to further increase and peak around for a few days and then go down, but with possible further fluctuations in the coming weeks. So far, 2024 has been on track to become the warmest year, breaking the record of 2023, which was 1.48 degree Celsius warmer than the average of the 1850-1900 pre-industrial level and 0.17 degree Celsius warmer than 2016. Since June 2023, every month has now been ranked as the planet's hottest since records began, compared with the corresponding month in previous years.

THE WALL

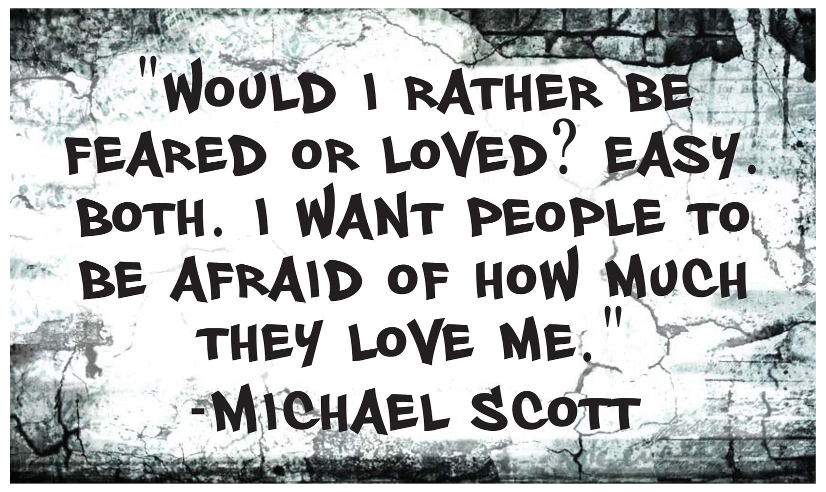

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

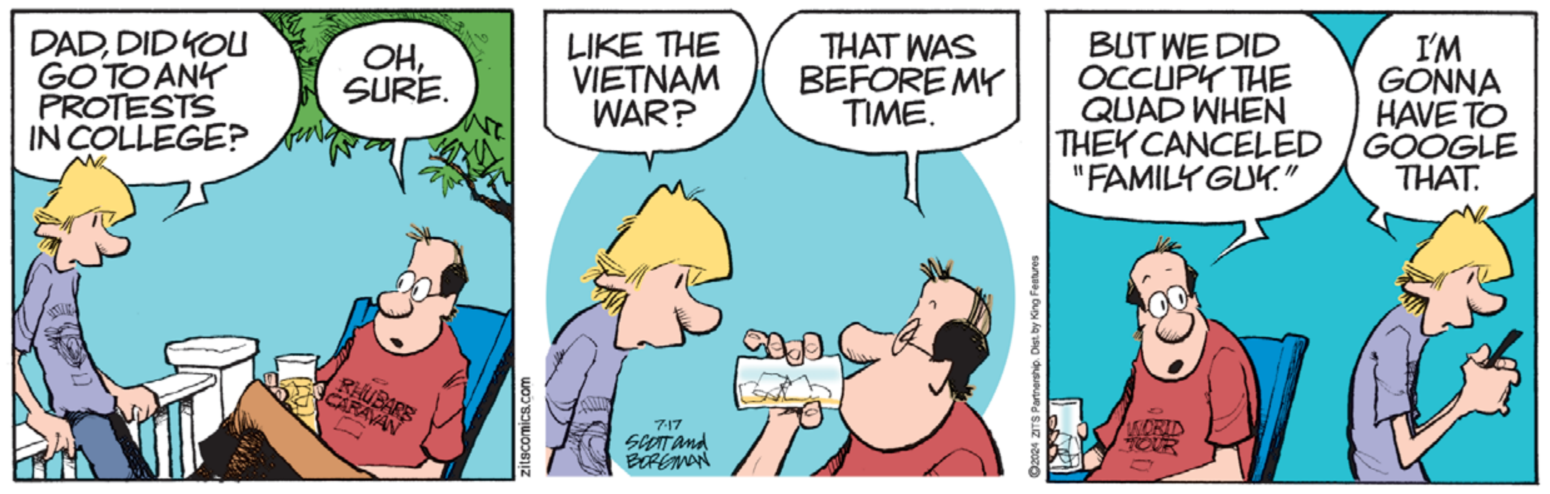

'एलिवेटेड रोड के नाम पर उदयपुर की जनता को गुमराह कर रही भाजपा'

पूर्व पार्षद ने पत्रकारों के समक्ष रखी बात, कहा डीपीआर बनाकर लाखों खर्च किए जा रहे

उदयपुर के नगर निगम में पूर्व पार्षद व कांग्रेसी नेता अजय पोरवाल पत्रकारों को संबोधित करते हुए।

■ उदयपुर की जनता के करोड़ों रूपये विकास के नाम पर डुबाए गए : अजय पोरवाल

उदयपुर, (कासं)। 'एलिवेटेड रोड के नाम पर भाजपा शहर को गुमराह कर रही है। वहीं वर्ष 2008 से शहर में एलिवेटेड रोड़ के नाम पर डीपीआर बनाकर लाखों रूपए खर्च किए जा रहे है बल्कि एलिवेटेड रोड अब तक नहीं बन पाई है और अब निगम चुनाव आने वाले है तो शहर की जनता को भ्रमित किया जा रहा है।'

यह बात पूर्व पार्षद अजय पोरवाल ने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कही। उन्होंने कहा कि नगर निगम एलिवेटेड रोड के पक्ष में केस जीती तो भाजपा के ही निगम में उप महापौर पारस सिंघवी इस एलिवेटेड रोड का विरोध करने लगे। इसका कारण यह है कि नगर निगम ने पिछले सालों में स्मार्ट सिटी, हॉस्पीटल के बाहर वे ब्रिज, टाउनहॉल में हाथी वाला पार्क की पार्किंग, सूरजपोल चौराहे पर मैकेनाईज्ड पार्किंग और सूरजपोल का चप्पल चौराहा, हिरणमंगरी की स्मार्ट रोड, गोवर्धन विलास स्मार्ट रोड, उदयपुर के वरिष्ठ इंजीनियर महापौर जीएस टांक के निर्देशन में बने प्रतापनगर, सेवाश्रम और कुम्हारों का भट्टे का ओवर ब्रिज , सभी फेल हो गए है। उदयपुर की जनता के करोडों रूपयों को विकास के नाम पर डुबाया गया है।

एलिवेटेड रोड को लेकर पूर्व यूआईटी चैयरमेन शिवकिशोर सनाढ्य ने वर्ष 2008 में डीपीआर बनाई, जिसमें लाखों रूपए खर्च किए गए। पहले इस रोड को सिटी स्टेशन से कोर्ट चौराहे तक बनाने की योजना थी पर डीपीआर में इस एलिवेटेड रोड को उदियापोल से शुरू कर कोर्ट चौराहे तक बनाना प्रस्तावित कर दिया। लाखों रूपए खर्च कर बनाई यह डीपीआर रिपोर्ट कागजों में खो गई और इस पर किसी ने भी चर्चा नहीं की। दूसरी बार वर्ष 2014 में इसी भाजपा ने एलिवेटेड रोड को लेकर एल एन टी कम्पनी से डीपीआर बनवाई, जिसमें भी लाखों रूपए खर्च किए। इस डीपीआर के विरोध में भाजपा समर्थित व्यापारी उच्च न्यायालय की शरण में चले गए और स्टे लेकर आ गए। इसके बाद यह मुद्दा भी ठंडे बस्ते में चला गया। तीसरी बार भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाबचंद कटारिया केन्द्र सरकार के परिवहन मंत्री नीतिन गडकरी से 400 करोड रूपए की स्वीकृति ले आए और एनएचएआई ने लाखों रूपए खर्च कर एलिवेटेड रोड की डीपीआर बनाई पर इसमें भी तकनीकी कारण बताते हुए रिजेक्ट कर दिया गया।

अब चौथी बार निगम के भाजपा बोर्ड ने लाखों रूपए खर्च कर अहमदाबाद की किसी ऐजेन्सी से एक फिर से डीपीआर बनवाकर उच्च न्यायालय में पेश किया और एलिवेटेड रोड के बनाने के पक्ष में फैसला लेकर आए।

पोरवाल ने कहा कि मेरा मानना है कि ये सब मुद्दे नगर निगम के आने वाले चुनाव में जनता भाजपा का विरोध नहीं करे इसके लिए अब फिर से एलिवेटेड रोड का मुद्दा लाया गया है। इसमें भाजपा का ही एक पक्ष इसका विरोध कर रहा है और दूसरा पक्ष समर्थन कर रहा है और जनता को बेवकूफ बनाया जा रहा है। उप महापौर भी स्मार्ट सिटी की कम्पनी का सदस्य होता है पहले विरोध क्यों नहीं किया, विधायक बनने का सपना था, पार्टी ने दूसरे को मौका दे दिया तो विरोध शुरू कर दिया । जनता की इतनी ही चिंता थी तो उस समय ही विरोध करते जब बन रहा था ,बनने के बाद विरोध करना पारस सिंघवी की स्वार्थसिद्धि की मानसिकता को साबित करता है।

मृत शिक्षक का नहीं हुआ पोस्टमार्टम

हत्या के आरोपी का शव ले गए परिजन

■ मृत शिक्षक के परिजनों को मुआवजा दिलाने डटा समाज

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर जिले के जावर माइंस थाना इलाके में स्थित अद्वास गांव शिक्षक शंकर मेघवाल की हुई नृशंस हत्या को ले कर पीडित परिवार को सरकार की मदद मिलने और अन्य मांगों को लेकर समाजजन उदयपुर के एमबी अस्पताल की मोर्चरी में अभी भी जुटे हुए हैं और कहा कि जब तक मांगे पूरी नहीं होगी नहीं हटेंगे और आंदोलन को बडा रूप देंगे। एक बैठक प्रशासन के साथ भी हुई लेकिन सदस्यों का कहना है कि बात नहीं बनी है।

उनकी शंकर के परिवारजनों को मुआवजा और नौकरी को लेकर अभी बात नहीं बनी है जिसके कारण शंकर का शव अभी भी मोर्चरी में रखा है । इधर हत्यारे फतेह सिंह का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। शाम करीब पौने पांच बजे फतह सिंह के रिश्तेदार यहां आए और शव का पोस्टमार्टम कराने की पूरी प्रक्रियां कराने के बाद उसका शव गांव ले गए। शिक्षक के परिवार को न्याय दिलाने के लिए समाज के लोग आंदोलनरत हैं और कहा है कि जब तक उसको मुआवजा और मृतक के परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी नहीं मिलती तब तक उसका पोस्टमॉर्टम नहीं होने देंगे। इस बीच संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, आईजी अजयपाल लांबा और सलूंबर कलेक्टर जसमीत सिंह संधु के साथ मांगों को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक भी हुई लेकिन सहमति एमबी अस्पताल में समाजजन बडी संख्या में जुटे हुए है और उन्होंने मोर्चरी के बाहर की तरफ ही डेरा डाल रखा है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात कर रखा है। इस मामले में बीती शाम को इस तरह की समझाइश का कोई परिणाम नहीं निकला।

प्रदर्शन करने वालों ने केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सलूंबर विधायक के खिलाफ भी नारेबाजी की। इधर गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवाणी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि सलूंबर जिले में असामाजिक तत्वों द्वारा एक दलित शिक्षक पर तलवार से हमला करने के मामले में इस परिवार को कई दिनों से धमकियां दी जा रही थी और मामला पुलिस के संज्ञान में भी था लेकिन परिवार को कोई सुरक्षा नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि यह दिल दहला देने वाली घटना पुलिस और प्रशासन की विफलता को उजागर करता है। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मांग है कि वह कुछ ऐसे कदम उठाए जिससे पूरे प्रदेश के दलितों को उनकी सरकार पर सुरक्षा देने के लिए भरोसा कायम हो। हत्या को लेकर परिजन और समाज में रोष व्याप्त है और वे एमबी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर परिजनों को एक करोड रूपये मुआवजा देने, अनुकम्पा नौकरी के अलावा मृतक के दो परिजनों को सरकारी नौकरी देने तथा पीडित परिवार को हथियार का लाइसेंस देने की मांग कर रहे है।धरना स्थल पर भीम सेना के गीगराज-जयपुर, रवि मेघवाल-नागौर,धर्मेन्द्र खटीक-नीम का थाना डटे हुए है।मृतक शंकरलाल के पत्नी के अलावा 3 बच्चे हैं। इसमें 2 साल का बेट 5 और 9 साल की बेटियां हैं।

गुरुवार रात को टीचर शंकरलाल मेघवाल (40) की उसके दोस्त फतह सिंह (30) ने गला काटकर हत्या कर दी थी। इस दौरान बेटे को बचाने आए पिता डालचंद मेघवाल (60) पर भी हमलावर ने ताबडतोड वार किए। हमले में पिता का हाथ कट गया। उनका उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। शाम को जंगल में आरोपी फतह सिंह ने भी जंगल में खुद के गले में तलवार लगा दी। खून से लथपथ फतह सिंह के नजदीक पहुंची पुलिस ने उसे लालच देकर पास बुलाया और अस्पताल लेकर आए लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। टीचर की हत्या के पीछे जादू टोना को कारण बताया जा रहा है।

बासना गांव के बांध में डूबने से भाई-बहन की मौत

■ ग्रामीणों ने डूबे भाई-बहन को पानी से बाहर निकाला

भानपुर कलां, (निसं)। बासना गांव स्थित पानी से भरे बांध में डूबने से शनिवार को भाई-बहन की मौत हो गई। बांध में दोनों के डूबने की सूचना के बाद आसपास के ग्रामीण एकत्रित हो गए व डूबे भाई-बहन को पानी से बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार टोडामीणा के मानतवाल की ढाणी निवासी 13 साल की मुस्कान व 10 वर्षीय विशाल पुत्र शंकरलाल मीना बासना गांव की सीमा पर बने बांध के पास चरागाह भूमि पर चर रही भैंस को लेने स्कूल के बाद गए थे। इस दौरान भैंस बांध में भरे करीब 6 फीट गहरे पानी में चली गई। भैंसों को निकलने के लिए पानी में उतरे विशाल व 13 वर्षीय मुस्कान की मौत हो गई। इस दौरान मौके पर मौजूद अन्य बच्चों ने भाग कर पास ही ढाणी वासियों को बताया।

सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों व ग्रामीणों ने बांध में उतर कर पानी में डूबे दोनों बच्चों की तलाश की। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने दोनों को बांध से बाहर निकाला व निम्स अस्पताल ले गए। निम्स में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के करीब 2 घण्टे बाद जमवारामगढ़ थानाधिकारी हरदयाल मीणा ने भी घटनास्थल का मौका मुआवना किया। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों मृतक पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे है। मृतक बच्चों के माता-पिता मेहनत मजदूरी कर अपना गुजरा करते हैं।

युवक ने की आत्महत्या

टोंक, (निसं)। पुरानी टोंक थाना क्षेत्र के दाईयों की गली मियाओ का चौक निवासी एक 39 वर्षीय युवक ने कमरे में लगे बिजली के तारों से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

थानाधिकारी उदसवीर सिंह ने बताया कि 27 जुलाई को प्रातः 9.30 बजे सूचना मिली, जहां मौके पर थाना पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। मृतक का नाम रईस मोहम्मद पुत्र मसरूदीन उम्र 39 वर्ष बताया गया है। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया गया, बाद पोस्टमार्टम के शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। सूत्रों के अनुसार मृतक डिप्रेशन का शिकार बताया गया है।

राजस्थान वि.वि. में पीजी फर्स्ट सेमेस्टर की पहली वरीयता सूची जारी

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में पीजी फर्स्ट सेमेस्टर सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए शनिवार को पहली वरीयता सूची जारी की गई। वरीयता सूची में शामिल पात्र छात्रों को 29 से 31 जुलाई के बीच दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन कराना होगा। साथ ही 1 अगस्त तक छात्र अपनी फीस ऑनलाइन जमा करा सकेंगे।

यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान पोस्ट ग्रेजुएट एडमिशन टेस्ट 2024 में सफल रहे छात्रों की पहली वरीयता सूची जारी की गई। एडमिशन कन्वीनर प्रो. राम अवतार शर्मा ने बताया कि वरीयता सूची में शामिल होने वाले छात्रों को अपनी एबीसी आईडी बनानी होगी। इसके बाद 29 से 31 जुलाई के बीच छात्र अपने दस्तावेजों का सत्यापन करा सकेंगे। वहीं, छात्र विश्वविद्यालय की ऑफिशल वेबसाइट पर 29 जुलाई से 1 अगस्त तक ऑनलाइन फीस जमा करा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि छात्र को अगर प्रवेश संबंधित किसी भी तरह की सहायता की आवश्यकता हो तो वो संबंधित विभाग में भी संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि जो छात्र तय समय पर फीस जमा नहीं कराएंगे, उनका एडमिशन स्वतः निरस्त माना जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से ऑफिशल वेबसाइट पर विषय वार एडमिशन लिस्ट अपलोड कर दी गई है। छात्र विषयावर लिस्ट पर क्लिक कर अपना एडमिशन सुनिश्चित कर सकते हैं।

उधर, विश्वविद्यालय के पीजी थर्ड सेमेस्टर लॉ बी लिब, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्स और यूजी थर्ड ईयर के रीएडमिशन का शुल्क जमा कराने के लिए तीन दिन का समय और दिया गया है। अब ये शुल्क 29 से 31 जुलाई तक जमा करवाया जा सकेगा। एडमिशन कन्वीनर ने स्पष्ट किया कि छात्रों के लिए रीएडमिशन शुल्क जमा कराने का ये अंतिम मौका होगा। 31 जुलाई के बाद विद्यार्थियों को कोई अवसर नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही मेरिट आधारित बी लिब डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्सेज की पहली सूची 2 अगस्त को जारी की जाएगी। इसके बाद छात्रों को 3 और 5 अगस्त को दस्तावेज सत्यापन कराने होंगे। वहीं, छात्र 6 अगस्त तक अपनी फीस ऑनलाइन जमा करा सकेंगे।

कृषि के बाद टैक्सटाइल उद्योग सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र : गिरीराज सिंह

'जोधपुर बड़ा सेंटर है होने से यहां हैण्डीक्राफ्ट, हैण्डलूम और टैक्सटाइल के बहुत आसार'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरीराज सिंह ने कहा कि कृषि के बाद रोजगार देने वाला क्षेत्र है तो वह टैक्सटाइल हैण्डलूम और हैण्डक्राफ्ट है। जोधपुर एक बहुत बड़ा सेंटर है। हैण्डीक्राफ्ट, हैण्डलूम और टैक्सटाइल के बहुत आसार यहां है। भारत सरकार हर क्षेत्र में नए- नए विकास कर रही है। राजस्थान में भी जितना हो सकेगा उसमें कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

वे आज जोधपुर प्रवास पर कई कार्यक्रमों में भाग लेने आए और यहां एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पत्रकारों के सवाल पर कहा कि देश में बढ़ती आबादी से आज भारत पूरे विश्व का पहली आबादी वाला देश बन गया है। यह मेरे लिए अवसर भी है और चुनौती भी है। आने वाले समय में भारत बीस प्रतिशत आबादी वाला देश होगा, मगर हमारे पास मात्र 4 प्रतिशत जमीन है। दो ढाई प्रतिशत पानी है। इसलिए इस पर अब कोई कानून बनना चाहिए। उन्होंने कहा- निश्चित रूप से इस पर सडक़ से लेकर संसद तक बहस होनी चाहिए।

एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने किया अभिनंदन :- केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरीराज सिंह के जोधपुर पहुंचने पर यहां एयरपोर्ट पर भाजपा के कई नेताओं ने उनकी अगवानी करने साथ दुपट्टा पहिना कर स्वागत और अभिनंदन किया। एयरपोर्ट पर जै श्रीराम के नारे भी गूंज उठे। भाजपा के राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, स्थानीय विधायकों सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता एयरपोर्ट पर मौजूद रहे।

दुकान का ताला तोड़कर चोरी की

मकराना, (निसं)। शहर में टंकी चौराहे पर स्थित एक कपड़े और शूज की दुकान के शटर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। चोर दुकान से करीब 40 हजार रुपए के जूते और कपड़े चोरी कर ले गए हैं।

सूचना मिलने पुलिस भी मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया।शहर के मिनारा मस्जिद निवासी शहजाद अली पुत्र अब्दुल सत्तार तेली ने बताया कि टंकी चौराहे पर उसकी कपड़े और जूतों की दुकान है। रोजाना की तरह गुरुवार रात को वह अपनी दुकान बंद कर घर चला गया। सुबह पड़ोस के दुकानदार ने फोन कर बताया कि उसकी दुकान का शटर टूटा हुआ हैं। जिसके बाद वो तुंरत दुकान पहुंचा तो देखा दुकान का शटर बाहर की ओर मोड़कर तोड़ा हुआ था और दुकान के अंदर कपड़े जूते बिखरे पड़े थे। उसने बताया कि चोर उसकी दुकान से करीब 40 हजार रुपए के टी शर्ट, पाजामे, शर्ट, जीन्स, कपड़े और चप्पल आदि चोरी कर ले गए। जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। मकराना थाना के हेड कॉन्स्टेबल सुरेश मीणा ने दुकान का मौका मुआयना किया। दुकानदार शहजाद ने पुलिस को चोरों के खिलाफ परिवाद हैं। थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया की मामले की जांच जारी है।

स्कूटी सवार बदमाशों ने युवक से छीना मोबाइल

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में शातिर दो स्कूटी सवार बदमाशों ने एक युवक से मोबाइल छीन कर फरार हो गए। पीड़ित युवक ने थाने में बदमाश युवकों के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार नाका मदार गांधी नगर निवासी भानू जैन ने अलवर गेट थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया कि गुलाब बाड़ी क्षेत्र में सड़क क्रॉस करते समय स्कूटी पर सवार दो युवक आए और हाथ से मोबाइल छीन कर फरार हो गए। जैन ने बदमाशों का पीछा किया लेकिन वह उसके हाथ नहीं आए । पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर क्षेत्र में लगे सीसी टीवी कैमरे खंगाल रही है।

बाइक सवार युवक को हार्न बजाना पड़ा महंगा :- गंज पुलिस थाना इलाके में स्थित कमला बावडी चैहारा के पास बीती रात एक युवक को बीच रास्ते में खडे 10-15 लड़कों को हटाने के लिए बाइक का हार्न बजाना महंगा पड़ गया, क्योंकि चैराहे पर खडे पर 10-15 युवकों ने बाइक सवार रितिक जाटव द्वारा हार्न बजाना नागवार गुजरा ओर युवकों ने रितिक के साथ बेहरमी से मारपीट कर दी। सूचना मिलते ही रितिक के जीजा मनमोहन जाटव बीच-बचाव करने पहुंचाए तो युवकों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। देर रात जाटव के समर्थन सैंकडों युवा गंज पुलिस थाने पहुंचे और रिपोर्ट लिखवाने की कार्यवाही करते हुए नजर आए।

लूट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रावतभाटा, (निसं)। पारसोली थाना क्षेत्र के राजगढ़ रेलवे फाटक के पास से गत बुधवार को अज्ञात बदमाशों द्वारा ट्रैक्टर ट्रॉली लूट के मामले का खुलासा करते हुए पारसोली थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लूटी गई ट्रैक्टर व ट्रॉली बरामद की है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को व्यास जी का बड़ला पुलिस थाना मंगरोप जिला भीलवाडा निवासी शिवलाल पुत्र देवीलाल मीणा अपने गांव से ट्रैक्टर ट्रॉली में अनाज लेकर पालका गांव में खाली करने गया जो खाली करके पुनः लौट रहा था। रास्ते में राजगढ रेलवे फाटक पर शराब की दुकान के पास तीन अज्ञात लोगो ने ट्रेक्टर को रुकवा लिया और उसके साथ जोर जबरदस्ती कर ट्रेक्टर-ट्रोली को लूटकर ले गए। जिस पर थाना पारसोली पर लूट का प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

घटना में लुटे गए ट्रैक्टर व ट्रॉली की तलाश व आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रावतभाटा भगवत सिंह हींगड व पुलिस उपाधीक्षक बेगूं अंजली सिंह के निर्देशन में थानाधिकारी पारसोली प्रेम सिंह उपनिरीक्षक के नेतृत्व में थाने के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक भवानी सिह, कानि. बाबूलाल, गिर्राज व गिरधारी लाल द्वारा मामले में आरोपी बल्दरखा पुलिस थाना बस्सी निवासी 28 वर्षीय रतनलाल पुत्र उदयलाल मीणा को गिरफतार किया जाकर बापर्दा रखा गया है। आरोपी के कब्जे से ट्रेक्टर मय ट्रोली व घटना में प्रयुक्त मोटरसाकिल को बरामद किया।

युवक ने आत्महत्या की

बूंदी (निसं)। ऑनलाइन गेम खेलने की लत के शिकार एक युवक ने ट्रेन के आगे आकर आत्महत्या कर ली। ट्रेन की टक्कर से युवक का सिर क्षत-विक्षत हो गया था। सदर थाना पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस ने बताया कि युवक परिजनों द्वारा मोबाइल पर अधिक समय तक गेम खेलने से टोकने पर नाराज था। सदर थाने के एएसआई जितेन्द्र ने बताया कि बूंदी-चित्तौड़ रेलवे लाइन की सिलोर पुलिया से एक कि.मी आगे युवक का शव पटरियों के पास पड़े होने सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो एक युवक का शव नजर आया। ट्रेन की टक्कर से युवक का सिर क्षत-विक्षत हो गया था। मोबाइल व अन्य साधनों से युवक की पहचान नैनवां रोड संजय कॉलोनी निवासी 21 वर्षीय रोहित मीणा पुत्र रामदेव के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा हैं। युवक ऑनलाइन गेम खेलने की लत का शिकार था। इसे लेकर परिजनों ने उसे टोका, जिससे नाराज होकर उसने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली।

उपकारागृह का औचक निरीक्षण

छबड़ा (निसं)। डीएसपी जेपी अटल के नेतृत्व में शनिवार सुबह उप कारागृह का औचक निरीक्षण किया गया। यहां बंदी बैरिक, रसो घर, शौचालय, स्नानघर आदि की सघन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान यहां किसी भी प्रकार की कोई निषेध सामग्री की बरामदगी नहीं हुई। यहां उप कारापाल सुरेंद्रसिंह सिसोदिया व एएसआई संपतराज भी उपस्थित थे।

नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। हरमाड़ा थाना पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से लाखों रुपए का माल बरामद किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित नशे का आदी है। नशा नहीं मिलने पर चोरी करता है। उसे खुद नहीं पता अब तक कितनी वारदात को अंजाम दे चुका है। चोरी का सामान बाजार में बेचकर स्मैक खरीदकर नशा करता है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार बुडानिया ने बताया कि दौलतपुरा रोड पर विजय नगर विस्तार में रहने वाली कुसुम कंवर 18 जुलाई को हरमाडा थाने पहुंची। बताया कि 15 जुलाई को अज्ञात बदमाश ने मकान का ताला तोड कर नकदी व गहने चोरी कर लिए। इस पर हरमाड़ा थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। विशेष टीम लगाई गई। टीम ने जयपुर शहर में हो रही चोरी व नकबजनी की वारदातों पर काम करना शुरू किया।

इससे पुलिस को पता चल गया कि वारदात करने वाला बदमाश आदतन अपराधी है। इस पर पुलिस टीम ने चोरी करने वाले बदमाशों की सूची तैयार की। टीम ने पीड़िता के घर के आसपास लगे हुए सीसीटीवी कैमरों को चैक किया। संदिग्ध को चिह्नित कर उसके आने जाने के रास्ते को चिह्नित किया गया। इस दौरान रास्ते में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे चौक किए गए। सीसीटीवी में आ रहे हुलिए के अनुसार आरोपित मनीष स्वामी उर्फ मन्नू उर्फ मन्या निवासी शास्त्रीनगर हाल हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपित से चोरी किया गया कुछ माल भी बरामद हो गया। पुलिस पूछताछ में आरोपित से बताया कि वह नशे का आदि है। नशा करने के लिए वह कुछ भी चोरी कर लेता है। उसके कुछ अन्य साथी हैं। जो लोग चोरी की वारदात करते हैं। पुलिस उनकी भी तलाश में लग गई है।

रावतभाटा में बारिश का दौर जारी

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा उपखंड क्षेत्र के नगर एवं ग्रामीण अंचल में इन्द्रदेव मेहबान हुए। क्षेत्र में तेज बारिश का दौर शुक्रवार रात्रि से शनिवार रात्रि तक जारी रहा। बारिश होने के बाद ठंडी हवाएं चलने से तापमान में काफी कमी आ गई। इससे मौसम सुहाना हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ से मौसम में आए बदलाव का फायदा क दिन तक मिलेगा। जिले का औसत तापमान न्यूनतम 26 और अधिकतम 30 डिग्री सेल्सियस रहा। शहर में क क्षेत्रों में अच्छी बारिश भी हुई। इससे जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली। 2 दिन से चल रही तेज बारिश से नगर की सड़क पुलिया, छोटे-बडे नाले एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित तालाब, बावडीयां, छोटे नाले, पुलिया पर पानी उफान पर बहने लगा। बारिश के दौर से किसानों ने राहत की सांस ली।

रावतभाटा तहसील क्षेत्र एंव ग्रामीण अंचल क्षेत्र में शनिवार को सुबह से काली घटाएं छायी रही। प्रातः से सायं तक रूक-रूक कर मुसलाधार एंव तेज हवा के साथ आए पानी से लोगों ने वर्शा का मजा लेते हुए लोगों ने पिकनिक, तीर्थस्थलों आदि जगहों पर आन्दद उठाया। अपरान्ह से उमड़ रही काली घटाओं एंव तेज हवा के साथ सबसे तेज वर्शा आने लगीं। जो रात्रि तक जारी रही। षानिवार अपरान्ह एंव सांय तेज हवा के साथ आई बारिष से दिन में रात जैसा एहसास होने लगा। तहसील क्षेत्र मे तेज हवा के साथ बरसात आने से कई छोटे-बड़े नाले उफान पर बह निकले एंव सडकों में पडे गडड्ो की वजह से दुपहिया वाहनों वालो को चलाने में दिक्कतें महसूस होने लगी एंव बड़ी गााडियां धीमि गति से चल रही थी। आकाश में काली घटा छाई एंव घुमडकर क्षेत्र में तेज मुसलाधार वर्शा हुई। वर्शा से आकाष में बिजलीयों की गडगडहाहट के बिच तेज वर्शा से आम जनजीवन रूक सा गया। इस वर्शा के साथ ही सड़को पर पानी बह निकला एवं लोगों ने ठड़क का अहसास हुआ।

हैपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम का प्रदेश में हो रहा सुचारू संचालन

सात माह में 3 लाख 51 हजार की स्क्रीनिंग

जयपुर। प्रदेश में राष्ट्रीय वायरल हैपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम का सुचारू संचालन कर हैपेटाइटिस-बी एवं सी के उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। वर्ष 2019 में प्रारम्भ किए गए इस कार्यक्रम के तहत वर्ष 2030 तक हैपेटाइटिस सी के उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदेश में दिसम्बर 2023 से अब तक 3 लाख 51 हजार से अधिक लोगों की हैपेटाइटिस बी एवं सी के लिए स्क्रीनिंग की गई। इनमें से 2 लाख 61 हजार से अधिक लोगों की हैपेटाइटिस-बी के लिए स्क्रीनिंग की गई। जिनमें 8 हजार 400 मरीज पॉजिटिव पाए गए। इनमें वायरल लोड के लिए पाए गए 2 हजार 892 रोगियों में 1005 रोगियों का उपचार प्रारम्भ किया गया है। इसी प्रकार इस अवधि में हैपेटाइटिस सी के लिए स्क्रीन किए गए 90 हजार से अधिक रोगियों में 2622 से अधिक रोगी हैपेटाइटिस सी के पॉजिटिव पाए गए। इनमें से वायरल लोड वाले 1542 रोगियों में से 896 उपचार योग्य रोगियों का इलाज प्रारम्भ किया गया है। इनमें से 477 रोगियों का उपचार पूर्ण हो चुका है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय वायरल हैपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हैपेटाइटिस बी, सी, ए एवं ई से होने वाली मृत्यु एवं जोखिम में कमी लाना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के प्रबंधन के लिए राज्य स्तर पर मैनेजमेंट यूनिट संचालित की जा रही है। इस रोग के जांच एवं उपचार के लिए जयपुर, जोधपुर, उदयपुर एवं अजमेर में मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध अस्पतालों में मॉडल ट्रीटमेंट सेन्टर तथा माइक्रोबायोलॉजी विभाग में स्टेट लैब का संचालन किया जा रहा है।

प्रदेश में 35 जिला अस्पतालों में ट्रीटीमेंट सेन्टर एवं लैब संचालित की जा रही है। वर्ष 2024-25 में नए जिलों में ट्रीटमेंट सेन्टर एवं लैब प्रारम्भ करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जेलों, नारी निकेतन, किशोर गृह आदि में भी हैपेटाइटिस संबंधी रोगों की स्क्रीनिंग कर रोगियों का उपचार संबंधित ट्रीटमेंट सेन्टर पर किया जाता है। इसी प्रकार उच्च जोखिम वाले समूहों में भी स्क्रीनिंग एवं उपचार कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

संक्षिप्त

अग्रवाल का स्वागत किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। राजस्थान भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहनदास अग्रवाल का सीकर के पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने उनके दिल्ली स्थित आवास पहुंचकर उनका स्वागत किया व उन्हें आगामी कार्यकाल की शुभकामनाएं और बधाई दी। शर्मा ने कहा कि आपके मार्गदर्शन में प्रदेश भाजपा संगठन नई ऊंचाईयां प्राप्त करे ऐसी हार्दिक मंगलकामना करते है।

मदन राठौड़ का स्वागत किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। राजस्थान भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व चौमूं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने उनके दिल्ली स्थित आवास पहुँचकर स्वागत किया साथ ही उन्हें आगामी कार्यकाल की शुभकामनाएं और बधाई दी।

पैदलयात्रा आज रवाना होगी

पीपलू, (निसं)। संदेड़ा फार्म से चितौडगढ जिले के मण्डफिया स्थित सांवलिया सेठ के दर्शनों को लिए 14 वीं पैदलयात्रा रविवार सुबह श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर से धूमधाम से रवाना होगी।

रात्रि में करीब 6 घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहने से लोग हुए परेशान

राजगढ़, (निसं)। विद्युत वितरण निगम की निष्क्रियता एवं अधिकारियों की अनदेखी के कारण शुक्रवार रात्रि को करीब 6 घंटे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। विपरीत मौसम एवं उमस के बीच घरों में रहना मुश्किल हो गया वहीं बच्चों व बुजुर्गों का जनजीवन दुश्वार बन गया।

शुक्रवार रात्रि करीब 8 बजे से 2 विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं होने से लोगों का जनजीवन प्रभावित रहा। विदित रहे

रात्रि 8 बजे से 2 बजे तक बिजली बंद रहने से जनजीवन प्रभावित हुआ

कि वितरण निगम के अधिकारियों की ओर से प्रॉपर मॉनिटरिंग एवं देखरेख नहीं करने के कारण समस्या और गंभीर हो जाती है। कस्बे के गोविंद जी मंदिर के पास वाटर वर्क्स को जाने वाली गली में जम्पर उड़ जाने के कारण शिकायत दर्ज कराई। मगर 2 घंटे तक विद्युत सुधार गाड़ी के नहीं आने की वजह से लोग सड़कों पर घूमते रहे। विद्युत वितरण निगम के पूछताछ कार्यालय एवं अधिकारियों की ओर से कोई संतोष जनक जवाब नहीं मिलने के कारण आमजन बेचैन रहा।

प्रतिदिन हो रही समस्या के बाद भी विद्युत वितरण निगम के अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। इसके कारण लोगों की परेशानी जस की तस बनी रहती है। 8 के पश्चात 10:40 पर विद्युत आपूर्ति सुचारु होने के पश्चात केवल 8 मिनट में ही दोबारा गुल हो गई। विद्युत वितरण निगम की ओर से ठेके पर लगे कार्मिकों के अथक प्रयास के बाद भी बार-बार ट्रिप होने की समस्या का पता नहीं लगा। करीब आधा दर्जन बार कर्मचारियों की ओर से सिटी प्रथम कैसे शटडाउन लेने के बाद विद्युत वितरण निगम में तैनात कर्मचारी भी शटडाउन देने में आना कानी करने लगा। इस अव्यवस्था में रात्रि के 2: बज गए। इधर निगम के अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। मरम्मत कार्य में लगे लाइनमैन की सूझबूझ से रात्रि को वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर रोड लाइट से कनेक्ट कर घरों की आपूर्ति 2:30 बजे सुचारू कराई। विद्युत भार में बढ़ोतरी के बावजूद ट्रांसफार्मर की व्यवस्था नहीं करने एवं बढ़ते विद्युत भार को कम करने का कोई प्रबंध नहीं होने से प्रतिदिन तार टूटने एवं फॉल्ट ट्रिपिंग की घटनाएं होती है। कस्बे में विद्युत पोलों पर विद्युत तारों के मकड़जाल एवं विद्युत लाइनों के करीब चार-पांच दशक से नहीं बदलने के कारण समस्याएंगंभीर है। जागरूक लोगों ने विद्युत आपूर्ति में सुधार नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

गोविंद देव जी मंदिर के समीप विद्युत पोल पर तारों का जमावड़ा लगा हुआ है।

45 दिवसीय भंडारे का शुभारम्भ 6 अगस्त से

पीपलू, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के रानोली सामुदायिक भवन परिसर में शनिवार को कल्याण जन सेवा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेकर 6 अगस्त को सुबह शुभ मुहूर्त में पूजा अर्चना करते हुए भंडारे का शुभारंभ करने का निर्णय लिया गया।

इस दौरान खाना बनने वाले हलवाई, टेंट, पानी, ठहरने की व्यवस्था के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही 19 सितंबर तक भंडारे में 24 घंटे पदयात्रियों के लिए भोजन करने व विश्राम करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

समिति सदस्यों ने बताया कि लगातार 17 वा भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कस्बे क्षेत्र से निकलने वाली डिग्गी कल्याण जी महाराज के जाने वाली, बाबा रामदेव रुणीचा जाने वाली, गणेश जी महाराज रणथंभौर सवाईमाधोपुर, खेड़ा बालाजी, देवनारायण मंदिर जोधपुरिया व चौथ माता आदि के लिए जाने वाली सभी पदयात्राओं के लिए भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। पदयात्रियों की सेवा के लिए गांव के कही युवा दिन रात मौजूद रह कर पदयात्रियों की निस्वार्थ सेवा करेंगे। बैठक में पूर्व सरपंच रामलाल मीणा, पूर्व उपसरपंच जगदीश यादव, रामेश्वर सैनी, पवन कुमार स्वामी, विरमदेव तंवर, दयाराम बैरवा, ताराचंद तंवर, आशीष जैन, बद्री नारायण स्वर्णकार व गुलाब चंद तंवर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सार-समाचार

यूडीएच मंत्री खर्रा ने सुनी फरियादें

श्रीमाधोपुर, (निसं)। एक दिवसीय दौरे के दौरान क्षेत्रीय विधायक तथा यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शनिवार को अपने निजी आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं तथा आमजन की फरियादें सुनकर मौके पर ही समस्याओं का निस्तारण किया। शनिवार को यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा श्रीमाधोपुर पहुंचे थे इस दौरान उन्होंने करीब 1 घंटे तक अपने भारणी निजी आवास पर लोगों की समस्याएं सुनकर उनका त्वरित गति से समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके बाद मंत्री नारनौल के लिए रवाना हो गए। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा नारनौल विधायक ओम प्रकाश यादव के सुपुत्र की शोक सभा में शामिल होंगे। मंत्री नारनौल से सीधे नागौर पहुंचेंगे जहां पर सर्किट हाउस में उनका रात्रि विश्राम होगा। रविवार सुबह नागौर के मूण्डवा में जिला स्तरीय वन महोत्सव पौधारोपण तथा प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में शिरकत करेंगे उसके बाद 3:15 बजे सीकर में जिला कार्यकारणी भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में हिस्सा लेंगे। रविवार शाम 6:00 बजे मंत्री जयपुर के लिए रवाना होंगे।

बारिश से कुआं ढहा

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत सेदरिया के गांव भगतरामपुरा में बरसात से कुआं ढह जाने से किसान के अनुमानित 8 लाख का नुकसान हो गया है किसानों ने तहसीलदार नरेश गुर्जर से मुआवजा दिलवाने की मांग की है। किसान बाबूलाल, जगदीश, गुलाब व नन्दलाल ने बताया कि गांव भगतरामपुरा पटवार हल्का सेदरिया में खसरा नं. 72 में उनका कुआं स्थित था। प्राकृतिक आपदा से दोपहर 3 बजे तेज बरसात आई जिससे कुआं ढह गया जो करीब 20 हाथ चौडा व 50 हाथ गहरा था। कुआं ढह जाने से किसान को अनुमानित करीब 8 लाख रूपये का नुकसान हो गया। जिससे सभी खातेदारों को काफी नुकसान हो गया। पीड़ित किसानों ने तहसीलदार से मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न किया

आमेर, (निसं)उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत आकेड़ा डूंगर अखैपुरा धनुषधारी हनुमानजी मंदिर के रास्ते के दोनों ओर वृक्षारोपण किया गया। जिसमें पीपल, बरगद, नीम कदम छायादारवृक्ष आदि के 51 पेड़ लगाए गए। रामबाबू गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष ने कहा कि पौधारोपण का यह कार्यक्रम आगामी वर्षों में भी जारी रहेगा। जगदीश खोड़ा ने बताया कि अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने से आक्सीजन की कमी नहीं होगी और वातावरण में शुद्धता बनी रहेगी। ऐसे कार्यक्रमों द्वारा सभी को जागरुक किया जायेगा। वृक्षारोपण कार्यक्रम में गांव के सम्मानीय व्यक्तियों ने भाग लिया। जगदीश खोड़ा, संरक्षक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामबाबू गुप्ता, सीताराम सैनी, सुंडा राम सैनी, कानाराम कुमावत, सुरेश गुप्ता, नाथूराम सैनी, रामगोपाल मीणा, श्रवण सैनी, रुपनारायण जाट, श्रीनारायण मीणा रामकिशोर शर्मा रामकिशोर जाट मीठा लाल मीणा सुरेश सैनी कैलाश मीणा कानाराम मीणा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्कूल गणवेश वितरण की

श्रीमाधोपुर, (निसं)। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर ने अपने सेवा कार्यों को आगे गति देते हुए राजकीय मानपुरिया संस्कृत विद्यालय श्रीमाधोपुर के जरूरतमंद 20 बच्चों को स्कूली गणवेश वितरण की इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य सौरभ अग्रवाल, विद्यालय के रामगोपाल बोरा, ज्ञानप्रकाश हरितवाल, शंकरलाल सैनी, रामकिशोर नागर, अभिनेश चोपड़ा, अंबिका तिवारी एवम विद्यालय के छात्र-छात्राओं के अलावा क्लब के अध्यक्ष सीताराम सैनी, सागरमल हलवाई, रेवत सिंह, माणक चंद तिवाडी, सागरमल सैनी और श्रीराम कुमावत आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को भोजन कराया

अलवर, (निसं)। खोहड़ा करमाली, नौगांवा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोहड़ा करमाली में श्री कृष्ण भोज संकल्पना के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए तिथि भोज का आयोजन किया गया। राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग के निर्देशों की अनुपालना में विद्यालय के उप प्राचार्य रवीन्द्र प्रकाश पालीवाल की अगुवाई में विद्यालय के तमाम बालक बालिकाओं एवं ग्राम के गणमान्य आगंतुकों सहित समस्त स्टाफ के लिए तिथि भोज का आयोजन किया गया। श्री पालीवाल की प्रेरणा से विद्यालय स्टाफ के जिन कार्मिकों का जन्म दिवस जुलाई माह में आता है उन सभी कार्मिकों द्वारा स्वेच्छा से अपने निजी खर्चे से इस सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। बालकों की रुचि अनुसार भोजन के साथ मिष्ठान के रूप में खीर वितरण की गई। इस अवसर पर विद्यालय प्रशासन द्वारा इन सभी कार्मिकों को माल्यार्पण कर राजस्थानी चुनरी का साफा पहनाया गया तथा सभी को बधाई पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उप सरपंच कल्लू राम, सहित स्टाफ के रामजीलाल, घनश्याम, निशा यादव, गौरव रोहिल्ला, सानिया, श्यामलाल आदि उपस्थित रहे।

अलग-अलग मामले में दो गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने अवैध हथियार चाकू के साथ एक जने को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि निवाई थाना क्षेत्र में अपराधियों की धरपकड एवं अवैध फायर आम्र्स की धरपकड के क्रम में गठित विशेष टीम ने शिवाजी पार्क के पास से एक धारदार चाकू लेकर घूमते पाए जाने पर आरोपी समीर कुरैशी पुत्र नयुम खां उर्फ नन्नू खां निवासी कच्ची बस्ती शिवाजी कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार टीम ने करीब एक साल से फरार चल रहे वांछित स्थाई वारंटी निसार अहमद पुत्र फजर मोहम्मद निवासी लुआवट तहसील पीपलदा जिला कोटा हाल निवासी प्रताप नगर थाना बोरखेडा जिला कोटा को गिरफ्तार किया है।

132 केवी जीएसएस के लिए जगह का इंतजार

उनियारा, (निसं)। शिवाड़ कस्बे में 132 केवी जीएसएस के निर्माण के लिए बिजली विभाग द्वारा राजस्व विभाग के तहसीलदार चौथकाबरवाड़ा को नवम्बर 2022 में पत्र भेजकर शिवाड़ या ईसरदा ग्राम पंचायत के अधीन 132 केवी जीएसएस के लिए भूमि उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया था। जिससे ईसरदा डेम प्रोजेक्ट को बिजली दी जा सके एवं क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सही हो सके। लेकिन राजस्व विभाग द्वारा आज तक जमीन आवंटित नहीं की गई है।

शिवाड़ कस्बे में जीएसएस के निर्माण के लिए जमीन आवंटित नहीं की गई है

प्राप्त जानकारी के अनुसार 132 केवी जीएसएस हेतु करीब 13 बीघा जमीन ईसरदा ग्राम पंचायत में देख ली गई थी और ग्राम पंचायत ने जनवरी 2023 में इस संबंध में एनओसी भी जारी कर दी थी मगर उसके बाद भी डेढ़ साल में भी जमीन आवंटन का कार्य नहींहो सका और फ़ाइल एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय घूम रही है। वहीं इसी 2024 के बजट में राजस्थान सरकार द्वारा शिवाड़ में 132 केवी जीएसएस के निर्माण की घोषणा भी हो चुकी है मगर जमीन आवंटन का कार्य नहीं हो रहा है। प्रेमप्रकाश शर्मा, प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य भाजपा राजस्थान का कहना है कि 132 केवी जीएसएस का निर्माण क्षेत्र के लिए जरूरी है मगर राजस्व विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से अब तक भी डेढ़ साल से अधिक समय के बाद भी जमीन आवंटित नहीं की गई है इस मामले में इससे बड़ी घोर लापरवाही नहीं हो सकती।

कुमुद जैन, मीडिया प्रभारी, घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर ट्रस्ट शिवाड़ का कहना है कि शिवाड़ में 132 केवी जीएसएस की मांग बहुत पुरानी है जिसे अब जाकर पूरा गया है उसके बाद भी दिलमुल रवैये के कारण जमीन आवंटित नहीं होना एक बड़ी लापरवाही है। स्थानीय विधायक को तुरंत जमीन आवंटन करवाना चाहिए।

हरिद्वार से कावड़ यात्रा श्याम मंदिर पहुंची

शाहपुरा, (निसं)। शहर के पुलिस थाने के पीछे शनिवार को श्याम मंदिर की कमेटी के कार्यकर्ताओं के द्वारा हरिद्वार से कावड़ यात्रा नगर परिक्रमा करते हुए डीजे की धुनों पर श्याम भगत हाथों में निशान लिए हुए नाचते गाते श्याम मंदिर परिसर पहुंची। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद अजमेरी व कोषाध्यक्ष राजेश मंडोवरा ने बताया कि 15 जुलाई से पांच सदस्य श्याम मंदिर कमेटी के मंदिर कमेटी के संचालक शंकर लाल सैनी के सानिध्य में शिव भोले की पैदल चलकर कांवड़ यात्रा शाहपुरा पहुंची। शाहपुरा पहुंचने पर नगर पालिका अध्यक्ष बंशीधर सैनी, समाजसेवी रवि कुमार अग्रवाल, हारिल सैनी ने माल साफा पहनाकर कावड़ यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान मंदिर कमेटी के सचिव अनिल कुमार नरवल, मंगल चंद दादरवाल, भगवान सहाय कूकडेला ने बताया कि शिव भोले की झांकी की आरती करके कावड़ यात्रा का समापन किया गया। 29 जुलाई को श्याम मंदिर में रुद्राभिषेक करके गंगाजल से शिव भोले व श्याम बाबा का स्नान कराया जाएगा।

दिनभर कभी तेज तो कभी धीमी बरसात हुई

निवाई में कृषि मंडी के सामने सड़क पर बरसात का पानी भर गया।

निवाई, (निसं)। उपखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र में बरसात का दौर लगातार जारी है। पिछले चार दिन से दिनभर कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा।

शनिवार सुबह 4 बजे से 8 बजे तक रिमझिम बारिश होती रही। कुछ देर के ठहराव के बाद करीब 10 बजे थोडी देर तेज बारिश हुई। दोपहर बाद आसमान में काले बादल छाए रहे और कभी तेज तो कभी धीमी गति से बारिश का दौर जारी रहा। इस दौरान लगातार बारिश होने से शिवाजी पार्क रोड, जिरात बाब रोड, डाक बंगले व कृषि मंडी के सामने सडकों पर तेज गति से पानी बहता रहा। जल संसाधन के कनिष्ठ अभियंता कानाराम गुर्जर ने बताया कि शनिवार की सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक 12 एमएम बारिश दर्ज की है। जिससे गर्मी लोगों को राहत मिली।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधे लगाये

मनोहरपुर, (निसं)। कस्बे में पर्यावरण को बचाने और हरियाली बढ़ाने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम के तहत प्रत्येक नगर पालिका को सरकार ने 5 हजार पेड़ पौधे लगाने का जिम्मा सौंपा गया है। जिसको लेकर शनिवार को तोपचीखाना स्थित कब्रिस्तान में करीब डेढ़ सौ और सारवान कब्रिस्तान में 900 पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान रामप्रकाश नाई व संतोष माधानी ने कहा कि, एक पेड़ मां के नाम लगाकर अपनी मां की याद को चिर स्थायी बनाये व धरती मां को भी सवारें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत तोपचीखाना कब्रिस्तान पर मुस्लिम समुदाय के लोग व पालिका प्रतिनिधि के मौजूदगी में वृक्षारोपण किया गया। और बड़ी संख्या में वृक्षारोपण करने का आव्हान किया गया है। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरफराज ने शहरवासियों से अपने अपने क्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बड़ी संख्या में वृक्षारोपण करने का आव्हान किया। इस दौरान जामा मस्जिद सदर जमील खान चौहान ने कहा की पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए तोपचिखाना व सारवान कब्रिस्तान में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगो ने फलदार और छायादार पौधे लगाए. दरअसल, लगातार बढ़ रही वृक्षों की कटाई से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और तापमान में वृद्धि हो रही है. इसलिए पीएम मोदी ने "मन की बात" कार्यक्रम के दौरान लोगों से "एक पेड़ मां के नाम" अभियान से जुड़ कर एक-एक पेड़ लगाने की अपील की थी।

सफाईकर्मियों की हड़ताल जारी

अलवर, (निसं)। प्रदेश में सफाई कर्मियों की हड़ताल जारी है। इसके चलते शहर से कचरा नहीं उठ रहा है। गली-मोहल्लों सहित मुख्य सड़कों पर कचरे ढेर लगे हैं। लोगों का इन रास्तों से निकलना भी दूभर हो गया है। गौरतलब है कि सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने सहित कई मांगों को लेकर पूरे प्रदेश भर में कर्मचारी हड़ताल पर हैं। शनिवार को अलवर शहर के नगर निगम कार्यालय पर सफाई कर्मी एकत्रित हुए। इसके बाद सफाई कर्मियों ने शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए अम्बेडकर सर्किल तक रैली निकाली निकालकर विरोध जताया।

जिला स्तरीय वाक्पीठ संगोष्ठी संपन्न

निवाई, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई में शनिवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय शारीरिक शिक्षक संघ की प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा वाकपीठ संगोष्ठी का समारोह पूर्वक समापन हुआ। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दीपिका सेमुअल, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी चौथमल चौधरी, वरिष्ठ उप जिला शिक्षा अधिकारी रामप्रसाद मीणा, संगोष्ठी संयोजक देवेंद्रपालसिंह चौधरी ने मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने वाक पीठ संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि शारीरिक शिक्षक ही छात्र-छात्राओं को तहसील स्तर से जिला, प्रदेश व देश स्तर के लिए खिलाडी के रूप में तैयार करता है। वह विद्यालयों में अनुशासन का पाठ सिखाते है। संगोष्ठी की संयोजक देवेंद्रपालसिंह चौधरी ने बताया कि शारीरिक संगोष्ठी में करीब 380 शारीरिक शिक्षकों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि जिलभर में सेवा निवर्त होने वाले शारीरिक शिक्षकों को माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

शराब ठेका हटाने को लेकर महिलाओं तथा लोगों का फूटा आक्रोश

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहर के वार्ड नं 08 जालपाली में शराब का नया ठेका संचालित होने का समाचार मिलते ही वार्डवासी लामबंद हो गए और संचालित हो रही शराब की दुकान के बाहर धरने पर बैठ गए।

वार्डवासियों ने शराब का ठेका बंद करवाने की मांग को लेकर नारेबाजी की और जब तक ठेका बंद

महिलाओं तथा वार्डवासियों ने धरना देकर प्रदर्शन किया

करने का लिखित में आदेश नहीं आने तक धरने पर बैठे रहने की चेतावनी दी। वार्डवासियों का कहना था कि जहां पर ठेका संचालित किया जा रहा उसके सामने महज कुछ दूरी पर ही बाबा केशवदास महाराज का मंदिर है और मंदिर में दिनभर भक्तों का आना जाना लगा रहता है। वहीं जालपाली में संचालित सभी स्कूलों में आने वाले छात्र छात्राओं का भी रास्ता यही है। जिससे शराब का ठेका संचालित होने पर यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहेगा और कोई ना कोई अनहोनी घटना घटित होने का अंदेशा लगा रहेगा। वार्ड की काफी संख्या में महिलाएं और लोग एकत्रित होकर शराब ठेके की दुकान पर आ पहुंची और धरने पर बैठकर ठेका बंद करवाने की मांग करने लगी। महिलाओं का कहना था कि ठेका बंद नहीं होने तक उनका विरोध जारी रहेगा। और शराब का ठेका किसी कारणवश बंद नहीं किया तो उन्हें मजबूरन बड़ा आंदोलन करना पड़ेगा। वार्डवासियों के विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और समझाइश का प्रयास किया लेकिन नहीं मानने पर शराब ठेका संचालित कर रहे दुकानदार को कागजों के साथ थाने पर बुलाया। इस दौरान मोहन लाल स्वामी पवन कुमार, विकास कुमार, रवि स्वामी, शंकरलाल, प्रेम प्रकाश वर्मा, सुरेंद्र कुमार, घनश्याम, सांवरमल, छगन लाल, अशोक कुमार, सीताराम, रघुनाथ, शारदा देवी, पार्वती देवी सहित काफी संख्या में महिलाएं एवं वार्डवासी मौजूद रहे।

शराब ठेके के विरोध में वार्डवासी दुकान के बाहर धरने पर बैठ गए।

कलेक्टर ने उपखंड कार्यालय उनियारा का निरीक्षण किया

टोंक। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने शुक्रवार शाम को उपखंड कार्यालय उनियारा का निरीक्षण किया और जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं को सुना।

जिला कलेक्टर के समक्ष नगर पालिका के वार्ड संख्या 3 के निवासियों ने पटवार भवन के पास का रास्ता 4.5 फीट का होने के कारण आने-जाने में परेशानी होने की पीड़ा को बताया, उन्होंने इस रास्ते को 12 फुट चौड़ा करने का प्रार्थना पत्र दिया। इसी तरह वार्ड नंबर 2 में निर्मित सीसी रोड पर प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा अवैध कब्जा कर बंद किए गए रास्ते को खुलवाने की गुहार वार्डवासियों ने की। परिवादी किशन लाल ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि उनियारा टोंक सड़क मार्ग पर नाले को बंद करने के कारण उसके खेत में जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, इसलिए बंद नाले को खुलवाकर उसे राहत दी जाए, ताकि वह अपनी खेत पर फसल बो सके। जागरूक नागरिक आमजन सेवा समिति के अध्यक्ष ने ग्राम पंचायत बिलोता में पीएम आवास योजना में अनियमितता की जांच एवं उसे नकल की प्रति दिलाने का प्रार्थना पत्र दिया।

जिला कलेक्टर ने पाला गांव में रात्रि चौपाल की

अलवर, (निसं)। जिला कलक्टर आशीष गुप्ता ने शनिवार को मालाखेड़ा उपखंड की ग्राम पंचायत पाला के ग्राम पाला में आयोजित रात्रि चौपाल में जनसंवाद कर आमजन की परियोजनाओं को सुना उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रात्रि चौपाल में प्राप्त परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करें।

परिवेदनाओं को सुनकर त्वरित निराकरण के दिये निर्देश

जिला कलेक्टर ने रात्रि चौपाल में पाला सहित आस-पास के क्षेत्र से आये ग्रामीणों से पेयजल, विद्युत, स्वास्थ, आंगनबाडी सेवाओं, सामाजिक न्याय व अधिकारिता, मनरेगा, शिक्षा,रसद, पशुपालन व अन्य विभागों की सेवाओं का फीडबैक लिया। रात्रि चौपाल में पेयजल, विद्युत, रास्ते निर्माण आदि की परिवेदनाएं आई।

जिला कलेक्टर के गांव की चौपाल पर आने से ग्रामीणों में उत्साह दिखाई दिया। रात्रि चौपाल में ग्राम सुमेल के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के लिए भूमि आवंटन कराने, ग्राम पाला में दो जोहड़ो की भूमि पर अतिक्रमण होने, गांव के आम रास्ते में गंदे पानी भराव, क्षितग्रस्त विद्युत पोल व झूल रही विद्युत लाइन को दुरुस्त कराने एवं ग्राम पाला घरों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की विद्युत लाइन को शिफ्ट कराने, खेतों में रहने वालों लोगों ने रास्ता दिलाने, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनवाने व बार-बार विद्युत कटौती के निराकरण हेतु ग्रामीणों ने परिवेदना प्रस्तुत की जिस पर जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवेदनाओं के निराकरण कि सूचना परिवादी को दी जाये तथा इसकी रिपोर्ट भिजवाये। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी मालाखेड़ा अलवर देवीसिंह, डीएसओ मानसिंह मीना,सहायक कलक्टर अलवर सुश्री नवज्योति कावरिया, जयपुर डिस्कोम के अधिक्षण अभियंता सुधीर पांडे,सीडीईओ श्री नेकीराम, पीडब्लूडी विभाग की अधीक्षण अभियंता एम एल मीना, अतिरिक्त सीएमएचओ डॉ के मीना, तहसीलदार मेघा सहित संबंधित अधिकारी एवं सरपंच धर्मेंद्र मीना मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता ने रात्रि चौपाल में आमजन की समस्याओं को सुना।

संक्षिप्त

एक माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। निवाई थाना क्षेत्र में वृताधिकारी मृत्युंज्य मिश्रा व थानाधिकारी हरिराम वर्मा द्वारा गठित पुलिस टीम ने एक वर्ष से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थायी वारन्टी निसार अहमद पुत्र फजल मोहम्मद उम्र 52 साल निवासी लुवावट तहसील पीपलदा जिला कोटा को गिरफ्तार किया है।

चौधरी को जिला प्रभारी बनाया

दूदू, (निसं)। प्रदेश युवक कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह पूनिया ने आदेश जारी कर जिले के गांव गणेशपुर निवासी तेजकरण चौधरी को भीलवाड़ा जिले के प्रभारी के पद पर नियुक्त किया है चौधरी पूर्व में अजमेर जिले के प्रभारी के पर कार्य कर चुके हैं चौधरी की नियुक्ति पर क्षेत्रीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा खुशी जाहिर की गई है तथा बताया कि संगठन का मजबूती मिलेगी

शुल्क जमा करने की तिथि बढ़ाई

दूदू, (निसं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय दूदू में सत्र 2024-25 में प्रवेश की प्रक्रिया के दौरान दस्तावेज सत्यापन करवा कर शुल्क जमा करने की तिथि 30 जुलाई कर दी गई है। प्राचार्य संदीपन कुमार आर्य ने बताया कि यह तिथि पूर्व 25 जुलाई थी सभी छात्राएं अपने मूल दस्तावेज ई मित्र पर जाकर सत्यापन करवा तथा शुल्क जमा कर सकते हैं।

प्रतिभा सम्मान समारोह आज

टोंक, (निसं)। देशवाली युवा एज्युकेशन सोसाइटी टोंक द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आज आयोजित किया जायेगा। जिसक अन्तर्गत 12वीं में प्राप्त 70-75 प्रतिशत अंक, 10वीं में प्राप्त 65-70 प्रतिशत अंक, 8वीं में प्राप्त ए ग्रेड, बी ग्रेड के छात्र/छात्रओं का सम्मान किया जायेगा, यह सम्मान समारोह पुरानी टोंक देशवाली मोहल्ला वार्ड न. 47 टोंक में रखा जायेगा। जिसमें मुख्य अतिथि बरकत अली, प्रोफेसर कॉमर्स अजमेर महाविद्यालय होंगे।

कार्यकारिणी को भंग किया

नारायणपुर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा परिषद के प्रदेशाध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा ने पत्र जारी कर जयपुर, सीकर, भरतपुर जिले की कार्यकारणी को भंग किया है। प्रदेशाध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा ने बताया कि इन तीन जिलों की कार्यकारणी को अनुशासन का पालन नहीं करने के कारण भंग किया है।

कांवड़ यात्रा परम्परागत मार्गो से निकालने की स्वीकृति मांगी

मालपुरा, (निसं)। शिव कांवड़ यात्रा समिति मालपुरा के पदाधिकारियों ने शनिवार को उप जिला कलेक्टर के नाम निजी सचिव को एक प्रार्थना पत्र सौंप बीसलपुर से पवित्र कांवड़ लेकर आने वाले कांवड़ यात्रियो के मालपुरा में प्रवेश के लिये स्वीकृति मांगी।

कांवड़ यात्रा समिति के संयोजक विकास शर्मा, विनोद साहु, कृष्ण विजय, कन्हैयालाल शर्मा व अमन खत्री ने बातया कि 11 अगस्त को

■ मालपुरा में कांवड़ियों के प्रवेश मार्ग को लेकर प्रशासन व हिन्दू समाज कर रहा मंथन

शिव कांवड़ यात्रा समिति ने उप जिला कलेक्टर के नाम निजी सचिव को एक प्रार्थना पत्र सौंपा।

बीसलपुर गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर से पवित्र जल की कांवड़ लेकर आने वाले कांवड़ यात्रियों को मालपुरा शहर में प्रवेश व भगवान शिव का जलाभिषेक करने की स्वीकृति मांगी गई है। मालपुरा में समिति के बैनर तले आयोजित आठवीं विशाल कांवड़ यात्रा के सफल आयोजन के लिये समिति की ओर से गणेश निमंत्रण देने के पश्चात युवा कांवड़ियों का रजिस्ट्रेशन कार्य किया जा रहा है।

बीते दिन जलदाय मंत्री व क्षेत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी से समिति पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट कर वर्ष 2020 से मालपुरा में कांवड़ यात्रियों को दूदू-छाण स्टेट हाईवे से शहर में प्रवेश पर लगी प्रशासनिक रोक को हटवाने तथा इस बार स्टेट हाईवे से ही कांवड़ यात्रियों को मालपुरा शहर में प्रवेश की अनुमति प्रशासन से दिलवाने के साथ-साथ कांवड़ यात्रियों के दल के साथ स्वयं केबिनेट मंत्री को आने व भगवान शिव का जलाभिषेक करने का आमंत्रण भी दिया गया। कावडियों ने बताया कि वर्ष 2018 में कांवड़ यात्रियों पर हुये पथराव के बाद में तत्कालीन प्रशासन ने वर्ष 2020 में मालपुरा शहर में निकलने वाली दोनों ही समुदायों की जुलूस व यात्राओं के परम्परागत मार्गों को बदल प्रशासन ने स्वयं नवीन मार्ग निर्धारित किया था। लेकिन दोनों ही समुदायों ने आज तक प्रशासन के नवीन मार्ग को स्वीकार नहीं किया। परम्परागत मार्गों से स्वीकृति नहीं मिलने के चलते दोनों ही समुदायों के जुलूस व यात्राओं के आयोजन बीते चार साल से बंद पड़े हैं। विधानसभा चुनाव में प्रचार-प्रसार के दौरान मालपुरा पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के कई कदावर नेताओं व डिग्गी पहुंचे तत्कालीन सांसद एवं वर्तमान विधायक बाबा बालक नाथ ने हजारों लोगों की मौजूदगी में दावा किया था कि प्रदेश में भाजपा की सरकार के सत्ता में आने पर वर्ष 2024 में दूदू-छाण स्टेट हाईवे से ही कांवड़ यात्रा का मालपुरा में प्रवेश होगा। यहां तक की कांवड़ यात्रा में वो स्वयं भी शामिल होंगे। केबिनेट मंत्री व क्षेत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने भी हिन्दु समाज के युवाओं से यह वादा किया था। वहीं सम्पूर्ण हिन्दु समाज की ओर से कांवड़ यात्रा के आयोजन को लेकर महेश सेवा सदन में आवश्यक बैठक आयोजित की।

विद्युत आपूर्ति गड़बड़ाने से ग्रामीण परेशान

सिरस, (निसं)। गांव श्योसिंहपुरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति गड़बड़ाने से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जीएसएस के पूर्व अध्यक्ष श्यामलाल योगी, शिवजीलाल जाट, रामजीलाल जाट, पूर्व उप सरपंच कैलाश प्रजापत व रामेश्वर नाथ सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत वितरण निगम के उच्च अधिकारियों को विद्युत आपूर्ति में सुधार करवाने के लिए बार-बार अवगत करवाने के बाद भी ध्यान नहीं देने से लोगों में रोष व्याप्त है। श्योसिंहपुरा गांव में देवली भांची सब ग्रिड स्टेशन के नटवाड़ा फीडर से विद्युत आपूर्ति दी जा रही हैं। गांव में 2 दिन से विद्युत आपूर्ति बंद रहने से आमजन को परेशानी है।

शनिवार को दोपहर बाद कुछ समय विद्युत आपूर्ति शुरू होने के बाद फिर बंद होने से समस्या बनी हुई है। इन दिनों मौसमी बीमारी व उमश भरी गर्मी के चलते लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत आपूर्ति के बारे में सब ग्रिड स्टेशन पर फोन करने के बाद किसी भी कर्मचारी द्वारा फोन को रिसीव नहीं करने से लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने निवाई विधायक रामसहाय वर्मा को ज्ञापन भेजकर विद्युत आपूर्ति में सुधार करवाने की मांग की है। लोगों ने ज्ञापन में बताया की विद्युत आपूर्ति में जल्दी सुधार नहीं होने पर लोगों को आंदोलन पर उतारू होना पड़ेगा।

सार-समाचार

ए.आई.सी.सी. सचिव नरवाल का स्वागत

कोटपूतली, (निसं)। राजधानी जयपुर में एनएसयुआई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेकर दिल्ली वापस लौटते वक्त अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल का शनिवार को कोटपूतली पहुंचने पर कृष्णा टॉकिज स्थित कांग्रेस कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने पूर्व संसदीय सचिव व कांग्रेस नेता रामस्वरूप कसाना की अगुवाई में जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कसाना के नेतृत्व में कांग्रेस समेत एनएसयुआई व युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नरवाल का माला, साफा पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया। नरवाल ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस पार्टी बेहद मजबूत है। आलाकमान अनुभवी नेताओं के मार्गदर्शन में निरन्तर युवा व छात्र वर्ग को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। प्रैस से बातचीत करते हुये उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में अनेकों जनकल्याणकारी योजनायें आई थी, लेकिन राजस्थान में वहीं हुआ जो दस वर्ष पूर्व हरियाणा में हुआ था। मनोहर लाल खट्टर की तरह भजन लाल शर्मा भी पर्ची से बने मुख्यमंत्री है। राजस्थान आज गैर जिम्मेदार हाथों में जा चुका है। जिसका नजारा सबके सामने है। इस दौरान पीसीसी सदस्य विरेन्द्र महला, एनएसयुआई राष्ट्रीय प्रवक्ता विक्रम बुनकर भी मौजूद रहे। वहीं पूतली कट पर नरवाल का पूर्व पार्षद तारा पूतली के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

प्रजापति समाज की बैठक आयोजित

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम भैसलना में प्रजापति समाज की आवश्यक बैठक का आयोजन समिति के अध्यक्ष बजरंग लाल बागरानिया की अध्यक्षता में किया गया। जबकि इसके पूर्व वरिष्ठ समाजसेवी भैरूराम प्रधान के मुख्य अतिथि में राजा दक्ष प्रजापति की जयन्ती मनाई गई। इस दौरान राजा दक्ष प्रजापति के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण करते हुए पुष्प अर्पित किये गये। इसके बाद राजा दक्ष प्रजापति की जीवनी पर प्रकाश डाला गया। समाज के नन्दकिशोर खटोड़ ने बताया कि बैठक के दौरान आगामी 12 अगस्त को आयोजित होने वाले प्रजापति समाज शिव मन्दिर का 60 वां विशाल मेला महोत्सव और प्रतिभा सम्मान समारोह की विभिन्न तैयारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसी क्रम में मेले को ठीक ढंग से संपन्न करवाने हेतु पदाधिकारियों की अलग-अलग कमेटीयों का गठन कर उन्हें जिम्मेदारीयां सौपी गई। इसके अलावा वहीं प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों की अंक तालिकाएं समिति के पास निर्धारित समय तक समिति के पास संग्रहण करने की अपील की गई। वही बैठक के दौरान समाज की निर्माणाधीन धर्मशाला का कार्य जल्द ही पूर्ण करवाने पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

शिवाजी कॉलोनी में पौधारोपण किया

निवाई, (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सिटी नंबर 3 निवाई शिवाजी कॉलोनी में पौधारोपण किया गया। प्रधानाध्यापक जियाराम मीणा ने बताया कि शनिवार को विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय परिवार ने छायादार अरडु, नीम, कंडेर, गुड़हल, पीपल व गुलमोहर आदि के पौधे लगाए गए। प्रधानाध्यापक ने कहा कि वृक्ष ही जीवन है, वृक्ष प्रकृति का श्रृंगार है, पेड़ों से ही हरियाली रहती है, पेड़ों से बारिश होती है, तापमान को सामान्य बनाए रखने में सहयोगी होते हैं। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय के आसपास, घरों के बाहर और मोहल्ले में भी पेड़ पौधों का वितरण करके लगवाने का आव्हान किया। इस अवसर पर यूथ एण्ड ईको क्लब प्रभारी रामकिशन गुर्जर, राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के तहसील संयोजक विमलकुमार विजय, शकुंतला वर्मा, मोहन कंवर, पुष्पा तौगरिया, विजयलक्ष्मी शर्मा सभी स्टाफ साथी व एसएमसी प्रतिनिधि सहित कई छात्र छात्राए मौजूद रहे।

अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई

दूदू, (निसं)। उपखंड मुख्यालय मोजमाबाद पर मीरापुरा रोड स्थित एक निजी सभागार में भारत रत्न डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर भाजपा मंडल द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बिरदी चन्द अहलावत, अल्पसंख्यक आयोग के संयुक्त मोर्चा जिला अध्यक्ष इस्लाम नागोरी ने कलाम साहब की जीवनी पर प्रकाश डालकर उनके पदचिन्हों पर चने की बात कही। इस अवसर पर हमीद नागोरी गणेश सैनी जगपाल सिंह उगम सिंह जांदू शंकर सैनी नरेंद्र डोगरा घासी प्रजापत यासीन देश वाली सहित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर आज

श्रीमाधोपुर, (निसं)। रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज और खंडेलवाल हार्ट इंस्टीट्यूट जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आज रविवार 28 जुलाई को शहर के रोटरी भवन में निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संजय खंडेलवाल और डॉक्टर अरुण यादव और उनकी टीम हृदय रोगियों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श देगी। क्लब के डॉ.माधव सिंह ने बताया की शिविर सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगा।

राजा दक्ष प्रजापति की जयंती मनाई

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के गांधी चौक के निकट स्थित ऑल इण्डिया पत्रकार एकता सहायता ट्रस्ट कार्यालय पर शनिवार को प्रातः 10 बजे प्रजापति समाज द्वारा राजा दक्ष प्रजापति जयन्ती मनाई गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी नन्दकिशोर खटोड़ के द्वारा की गई। इस दौरान उपस्थित समाज बन्धुओं ने राजा दक्ष प्रजापति के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए समाज के कानाराम प्रजापति ने बताया कार्यक्रम में समाजोत्थान के विभिन्न बिन्दुओं को लेकर चर्चा की गई। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नन्दकिशोर खटोड़ ने राजा दक्ष की जीवनी पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही कैलाश चन्द, दामोदर प्रजापति, मदन लाल प्रजापति, राजेन्द्र प्रजापति, छोटे लाल प्रजापति, चिरंजी लाल प्रजापति ने राजा दक्ष की जीवनी पर प्रकाश डाला। वहीं कार्यक्रम में राजस्थान सरकार से समाज का एक छात्रावास बनाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने एवं निर्माण करवाने की मांग रखने का निर्णय लिया गया। जिसके लिए सभी ने सहमति जताई।

कठोर जनसंख्या नीति की मांग को लेकर अभियान शुरू

पावटा, (निसं)। भारत में तेजी से बढ़ती हुई आबादी के कारण राष्ट्र के सामने अनेक चुनौतियां आ रही हैं। देश में शीघ्र कठोर जनसंख्या नीति की मांग को लेकर एक चिट्ठी मोदी के नाम अभियान का शुभारभ जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक पूर्व विधायक ज्ञान देव आहूजा के मुख्य आतिथ्य एवं संत हरिओम दास के सानिध्य में परमानंद धाम खोरी में किया गया।

फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक पवन शर्मा जवानपुरा ने बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश में सभी पर समान जनसंख्या नीति लागू करने की मांग को लेकर राजस्थान प्रदेश से 50 लाख पोस्ट कार्ड भेजने का लक्ष्य रखा गया है। जयपुर ग्रामीण से एक लाख परिवारों द्वारा पोस्ट कार्ड भेजकर देश में शीघ्र जनसंख्या नीति लागू करने की मांग की जाएगी। पूर्व विधायक ज्ञान देव आहूजा ने कहा देश में बढती हुई आबादी के कारण गृह युद्ध के हालात बन रहे हैं। इसलिए जल्द कठोर जनसंख्या नीति लागू होनी चाहिए। हमारे

खोरी में 'एक चिट्ठी मोदी के नाम' अभियान का शुभारभ किया।

संसाधन बहुत सीमित हैं और आबादी 142 करोड हो गई है समय रहते सरकार को इस विषय पर ध्यान देना चाहिए। संत हरिओम दास ने गौमाता की सेवा और सनातन धर्म के बारे में विस्तार से बताते हुए सभी हिन्दुओं को एकजुट होकर काम करने को कहा। इस दौरान पूर्व विधायक ज्ञान देव आहूजा एवं संत हरिओम दास ने गायों को हरा चारा खिलाया एवं गौसेवा की। फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक पवन शर्मा जवानपुरा ने देश की चुनौतियों के बारे में विस्तार से उपस्थित लोगों को बताया । इस दौरान वरिष्ठ नेता जगदीश यादव, गणपत लाल शर्मा, भागीरथ शर्मा बाबूजी, दाताराम गुर्जर, जिला संयोजक रमेश कुमावत, सुनील कुमार सेन, हिमांशु मिश्रा, हिमांशु शर्मा, कैलाश अग्रवाल, गोविंद सोनी, रामेश्वर बजाज, विजेश शर्मा, मीना देवी, उर्मिला देवी, शांति देवी, नवरत्न सोनी, रवि दत्त शर्मा, एडवोकेट राहुल मोदी, श्याम सुंदर शर्मा, दुर्गा प्रसाद शर्मा, अमर सिंह चौहान, विक्रमादित्य शर्मा, ओमप्रकाश मीणा, गजानन सेन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

आर.ए.एस. अधिकारियों ने बच्चों को कठोर परिश्रम की प्रेरणा दी

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के पुलिस थाने के पीछे स्थित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये जिले के प्रतिष्ठित केन्द्र अशोका कोचिंग संस्थान में शनिवार को आरएएस सेमीनार का आयोजन हुआ। जिसमें भाग लेते हुये बड़ी संख्या में आरएएस व आरपीएस अधिकारियों ने विधार्थियों को अपने-अपने अनुभवों से अवगत करवाया।

इस दौरान आयोजित कार्यशाला में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विधार्थियों को सफलता प्राप्ति के गुर भी बताये। आरएएस में चयनित एसडीएम ऋषिराज कपिल, एसडीएम राकेश रावत, डीवाईएसपी भूपेन्द्र, बीडीओ अजीत सिंह, आबकारी अधिकारी मुकेश कुमार जाट, रसद अधिकारी राहुल जाट आदि ने सम्बोधन देते हुये विधार्थियों को तैयारियों को लेकर रणनीति समझाई। उन्होंने कहा कि दिशा सही हो तो जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संघर्ष कर सफलता प्राप्त की जा सकती है। छात्र-छात्राओं को कठोर परिश्रम की प्रेरणा देते हुये उनका मार्गदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि जिले में अशोका कोचिंग संस्थान द्वारा प्रथम बार इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित की गई। जहाँ आरएएस फाउण्डेशन बैचों के लिये आरएएस अधिकारियों का मार्गदर्शन विधार्थियों को मिला। इस दौरान आरएएस समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विधार्थियों ने अपने सुनहरे भविष्य को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

टक्कर से बाइक सवार की मौत

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र की तारण गांव से गुजर रही बड़ी नहर की ओर से आ रहे एक अज्ञात वाहन की टक्कर से 27 वर्षीय युवक सूरज बैरवा निवासी घास पंचायत क्षेत्र के गांव उटीठाना के घायल होने पर राहगीरों द्वारा उसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उसने देर रात को दौराने उपचार दम तोड़ दिया। पुलिस को इस बारे में सुबह सूचना मिली तो जिला चिकित्सालय पहुंचकर पुलिस ने बाद पोस्टमोर्टम शव परिजनों को सौंप दिया। अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।

देवपुरा विद्यालय में पौधारोपण किया

निवाई, (निसं)। एक पौधा माता-पिता के नाम अभियान के तहत क्षेत्र के राउमावि देवपुरा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं व विद्यालय परिवार द्वारा पूर्व अध्यापक स्वर्गीय बाबूलाल बारेठ की चतुर्थ पुण्य स्मृति में पौधारोपण किया। इस दौरान संस्था प्रधान के सानिध्य में संगोष्ठी का भी आयोजन हुआ। प्रधानाचार्य सुश्री रीमा सांवरिया ने छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी। उन्होंने बताया की इस वर्ष गर्मी से कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। आज देश में पेड़ों को काटकर बड़े-बड़े मॉल व मकान हवेलियां बन गई है। जहां हरियाली होती है वहां बारिश की कोई कमी नहीं रहती। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया कि राज्य सरकार द्वारा भी एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत आप भी अपने घर आंगन में औषधि युक्त एक पौधा जरूर लगाए। इस दौरान विद्यालय परिसर में 15 औषधि युक्त पौधे लगाए। इस दौरान कैलाश बारेठ, प्रधानाध्यापक रीमा सांवरिया आदि मौजूद रहे।

'हाड़ौता से टाकरडा बाइपास जल्द बनेगा'

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। रेनवाल सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग 52 को जोड़ने वाले टांकरडा से हाड़ौता बाइपास निर्माण को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा उक्त बाइपास निर्माण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पूर्व विधायक शर्मा ने बताया कि नगरपालिका चौमूं में यातायात दबाव को कम करने के उद्देश्य से टाँकरडा से हाड़ौता बाइपास निर्माण कार्य स्वीकृत करवाया गया था। उक्त बाइपास के मध्य से जयपुर-सीकर रेलवे लाइन भी गुजरती है और बाइपास स्वीकृति के समय यह रेलवे लाइन मीटर गेज थी। तत्कालीन समय में बाइपास निर्माण के लिए 52 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई थी। जयपुर से सीकर रेलवे लाइन को मीटर गेज से ब्राडगेज में परिवर्तित होने में काफ़ी समय लग जाने से बाइपास के निर्माण कार्य में देरी हुई। लेकिन वर्तमान में रेलवे लाइन ब्रॉड गेज में परिवर्तित हो चुकी है, जिससे टाँकरडा से हाड़ौता बाइपास के नये प्रस्ताव में अतिरिक्त राशि बढ़कर 72 करोड़ रुपये हो चुकी है। पूर्व विधायक शर्मा ने बताया कि वर्तमान में टाँकरडा से हाड़ौता बाइपास निर्माण की फ़ाइल वित् विभाग में स्वीकृति के लिए भेजी गई है।

विधायक पटेल ने आमजन के अभाव-अभियोग सुने

कोटपूतली, (निसं)। विधायक हंसराज पटेल ने शनिवार को कस्बा स्थित डाक बंगला परिसर में नियमित साप्ताहिक जनसुनवाई की। इस दौरान पटेल ने आमजन के बिजली, पानी समेत विभिन्न अभाव अभियोग सुने। साथ ही जनसमस्याओं का मौके पर निस्तारण करते हुये अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

विधायक पटेल ने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुये बिजली

■ जनसमस्याओं का मौके पर निस्तारण करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये

कटौती कम से कम की जायें। उन्होंने पावटा पंचायत समिति में भी जनसुनवाई करते हुये आमजन की समस्याओं का निस्तारण किया। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि पंकज पटेल, पूर्व पार्षद रघुवीर गोयल समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व आमजन मौजूद रहे। विधायक पटेल को शुक्लावास के

कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल ने नियमित साप्ताहिक जनसुनवाई की।

ग्रामीणों ने सरपंच सचिन यादव के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपते हुये पेयजल किल्लत से अवगत करवाया।

ग्रामीणों ने बताया कि राज्य सरकार की नल से जल योजना में पीएचईडी विभाग की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच यादव ने बताया कि जल जीवन मिशन शुरू होने के दो वर्षो बाद भी ग्रामीण दूर से पानी लाने को मजबुर है। लेकिन पीएचईडी विभाग का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। सुस्त रफ्तार से चल रही योजना के चलते ग्रामीणों को पेयजल किल्लत से जुझना पड़ रहा है। विधायक पटेल ने विस्तार से ग्रामीणों की समस्या सुनते हुये जल्द से जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान शिवचरण, महावीर, कुलदीप, रामावतार, राजू व शीशराम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक धनकड़ आज जन सुनवाई करेंगे

पावटा, (निसं)। विधायक कुलदीप धनकड आज रविवार को भांकरी निज आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन कर विराटनगर विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की समस्याओं को सुन मौके पर ही अधिकारियों से बातचीत कर समस्याओं का निस्तारण करेंगे। इस दौरान विराटनगर विधानसभा क्षेत्र से आए ग्रामीणों द्वारा विधायक कुलदीप धनकड का विराटनगर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए उच्च शिक्षा व्यवस्था, कौशल विकास और परिवहन व्यवस्था को लेकर पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा किये गए महाविद्यालयों के निर्माण में जल्दबाजी कर बिना स्टाफ व भवन के महाविद्यालयों का शिलान्यास व उद्घाटन करने, उनमें रिक्त पडे पदों व कांग्रेस सरकार द्वारा महाविद्यालयों के स्टाफ को डेपुटेशन पर भेजने के मुख्य मुद्दे व खेल अकादमी स्थापित करने, दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने, मोहनपुरा जोधपुरा में अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट लगने के बाद सभी गांवों के पुनर्वास के दौरान छूटे गांवों के पुनर्वास सहित विभिन्न मांगों को विधानसभा में उठाने पर स्वागत भी किया जायेगा।

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ धरना जारी

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के मोहनपुरा स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ जोधपुरा संघर्ष समिति का धरना शनिवार को लगातार 597 वें दिन भी मन्दिर प्रांगण में बदस्तूर जारी रहा। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि ग्राम जोधपुरा (मोहनपुरा) केसघन आबादी, बसावटों व माध्यमिक विद्यालय से 82 मीटर की दूरी पर अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट द्वारा पत्थर पीसने का क्रेशर जो अब तक अवैध संचालित पाये जाने पर प्रशासन, पोल्यूशन विभाग एवं माइनिंग विभाग ने बंद करवाया है।

■ मंगलवार से जिला कलेक्टर कार्यालय पर महापड़ाव डालने का लिया निर्णय

उसको आबादी के नजदीक से हटाया जाये या गांव का पुनर्वास किया जाये की मांग को लेकर ग्रामीणों द्वारा अनिश्चितकालीन धरना दिया जा रहा है। आबादी के नजदीक क्रेशर को अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट प्रशासन द्वारा पिछले दो दिनों से फिर से चला दिया गया है। क्रेशर के चलने से निकलने वाले धूल धूएं से गांव में धुंध व कोहरे जैसा वातावरण बन गया, जिससे ग्रामीणों को श्वांस लेने में भी तकलीफ महसूस होने लगी है। ग्रामीण क्रेशर को बंद करवाने के लिए नारेबाजी करने लगे, इसकी सूचना कोटपूतली प्रशासन को भी दी गई लेकिन प्रशासन मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीण रात्रि 12 बजे तक नारेबाजी करते रहे, जिसके बाद अल्ट्राटेक सीमेंट प्रशासन ने क्रेशर को बंद किया, तब जाकर ग्रामीणों को राहत की सांस मिली।

ग्रामीणों का कहना है कि उक्त क्रेशर की समस्या को विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ द्वारा विधानसभा में भी उठाया गया है, फिर भी अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट की तानाशाही इतनी बढ़ गई है कि इसको दिन-रात चला रहे है। ज

ाब तक क्रेशर को बंद नहीं किया जायेगा या ग्रामीणों का पुनर्वास नहीं किया जायेगा संघर्ष जारी रहेगा। ग्रामीणों ने समस्या का समाधान नहीं होने पर मंगलवार से जिला कलेक्टर कार्यालय पर महापड़ाव डालने का निर्णय लिया। धरना स्थल पर समिति उपाध्यक्ष सतपाल यादव, सचिव कैलाश यादव, हरभगत कम्पाउन्डर, प्रभुदयाल वर्मा, रामावतार यादव, पवन धानका, मदन योगी, लीलाराम यादव, सूबेसिंह मीणा, विजय यादव, कानाराम यादव, जयराम यादव, भूपसिंह धानका, रोहिताश योगी, रामनिवास अध्यापक, विजय यादव, मोहर सिंह योगी समेत ग्रामीण महिलायें मौजूद रही।

खेल जगत

मुझे गौतम पर यकीन है कि वे भारतीय टीम को भी ज्यादा ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। मैने उन्हें मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए देखा है। गौतम में दृढ़ता और हार न मानने की आदत देखी है। मैं गौतम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। - राहुल द्रविड़

पूर्व भारतीय कोच, गौतम गंभीर को शुभकामनाएं दी।

आज का खिलाड़ी — जो रूट

वेस्टइंडीज के खिलाफ जो रूट ने अपना 63वां अर्धशतक लगाया। साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 12000 रन भी पूरे कर लिए। जो रूट अब टेस्ट क्रिकेट में ब्रायन लारा से ज्यादा रन बना लिए और वो टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 7वें नंबर पर पहुंच गए। लारा ने टेस्ट क्रिकेट में 131 मैचों में 11953 रन बनाए थे। लेकिन अब रूट उनसे आगे निकल गए हैं। रूट इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में एलिएस्टर कुक के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

क्या आप जानते हैं ?... सबसे कम टेस्ट मैचों में 3000 रन बनाने और 350 विकेट लेने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के इमरान खान के नाम है। इमरान ने मात्र 79 टेस्टों में 3262 रन बनाए व 351 विकेट लिये।

मनु भाकर ने रचा इतिहास

ओलिंपिक में 20 साल बाद किसी भारतीय महिला शूटर ने फाइनल में बनाई जगह

मनु भाकर 10 मीटर पिस्टल के फाइनल में पहुंची, रिदम सांगवान नहीं कर पाई क्वालीफाई

मनु भाकर से आज रहेगी पदक की उम्मीद

पेरिस, 27 जुलाई। भारत की स्टार शूटर मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने क्वालिफिकेशन दौर में 580-27 का स्कोर बनाया और तीसरे स्थान पर रहीं। इसी के साथ मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है, ओलिंपिक में 20 साल बाद किसी भारतीय महिला शूटर ने फाइनल में बनाई जगह है। वहीं भारत की ही रिदम सांगवान 15वें स्थान पर रहकर पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। वहीं रविवार यानी 28 जुलाई को फाइनल भारतीयसमयानुसार दोपहर 3.50 तीन बजे खेला जाएगा। वहीं मनु भाकर देश केलिए मेडल का खाता खोल सकती हैं। फाइनल में आठ शूटर्स के बीच तीन मेडल गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज के लिए स्पर्धा होगी।

इस दौरान हंगरी की वेरोनिका मेजर 582-22 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहीं। जबकि दक्षिण अफ्रीका की जिन ये ओह 582-20 अंक के सात दूसरे स्थान पर रहीं। मनु ने 6 प्रयासों में 97,97, 98, 96, 96 और 96 का स्कोर बनाया। इन तीनों के अलावा वियतनाम की विन्ह थू त्रिन, दक्षिण कोरिया की येजी किम, चीन चुए ली, तुर्किए की इलायदा सेवाल तरहान और चीन रेंक्सिन जियांग ने फाइनल्स के लिए क्वालिफाई किया है।

सांस रोक देने वाले मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया

पेरिस ओलिंपिक में भारतीय हॉकी टीम का जीत से आगाज

भारतीय टीम अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को अर्जेंटीना से भिड़ेगा

पेरिस, 27 जुलाई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में जीत से शुरुआत की है। भारत ने पूल बी के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से पराजित किया। 0-1 से पिछड़ने के बावजूद भारत ने शानदार तरीके से जीत दर्ज की। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय हॉकी टीम में 5 खिलाड़ी ऐसे हैं जो इस बार ओलंपिक में डेब्यू कर रहे हैं। कप्तान तीसरी बार ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस जीत से भारत को 3 अंक मिले। भारतीय टीम अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को अर्जेंटीना से भिड़ेगी।

कीवी टीम की ओर से साइमन चाइल्ड ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को बराबरी दिला दी। भारतीय टीम बढ़ त की फिराक में है। टीम इंडिया के लिए इस मैच में जीत बेहद जरूरी है। भारत की ओर से हरमनप्रीत सिंह ने तीसरा गोल दागकर भारत को शानदार जीत दिलाई।

भारत की ओर से विवेक सागर ने तीसरे क्वार्टर में गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। न्यूजीलैंड ने रेफरेल लिया लेकिन इसका फायदा उसे नहीं हुआ।। भारतीय टीम ने शुरुआती दो क्वार्टर में ज्यादा गलत पास दिए। हालांकि बाद में टीम इंडिया ने वापसी की। शुरुआती दो क्वार्टर का खेल खत्म होने के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर है। भारत की ओर से मनदीप सिंह ने पेनाल्टी के सहारे गोल दागा। भारत की ओर से बराबरी का गोल मनदीप सिंह ने दागा। मनदीप ने 24वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को 1-1 की बराबरी दिलाई। भारत ने पहले ही पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर न्यूजीलैंड के खिलाफ धमाकेदार पलटवार किया।

पूल बी के मैच में न्यूजीलैंड ने 8वें मिनट में भारत के खिलाफ शुरुआती गोल दागा। कीवी खिलाड़ी सैम लैन ने पेनाल्टी कॉर्नर के सहारे गोल किया। पहले क्वार्टर के 10वें मिनट में गुरजंट सिंह को ग्रीन कार्ड दिखाया गया। भारतीय टीम इस मैच को जीतकर ओलंपिक में धमाकेदार शुरुआत करने की ओर देख रही है।

जो रूट व स्टोक्स के नाबाद अर्द्धशतक

नई दिल्ली, 27 जुलाई। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच की पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 282 रन बनाए। इसके बाद पहली पारी में इंग्लैंड की टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 231 रन बना लिए हैं। वहीं खबर लिखे जाने तक जो रूट ने 122 गेंदों में 87 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं बेन स्टोक्स ने 54 रन दोनों ने ही अपने-अपने अर्धशतक पूरे कर लिए थे। जो रूट ने अपनी इस पारी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे कर लिए है। हालांकि, इस मैच में स्टोक्स फिर पहली पारी में 54 रन बनाकर आउट हो गए।

मेंस सिंगल स्कल्स हीट इवेंट में बलराज पंवार चौथे नंबर पर रहे, अब भी मेडल की आस

पेरिस, 27 जुलाई। फिलहाल भारत की तरफ से शनिवार को सबसे पहले रोडिंग इवेंट में बलराज पंवार एक्शन में दिखे। वह पुरुषों के सिंगल स्कल की हीट्स राउंड में हिस्सा लिया। हालांकि, बलराज पंवार ने रोइंग स्पर्धा में चौथा स्थान प्राप्त किया और वे रेपचेज में पहुंच गए हैं। पुरुष एकल स्कल्स क्वालिफिकेशन के लिए रेपचेज जाएंगे। बलराज ने 7:07.11 मिनट का समय निकाला, जो मिस्त्र के लिए अब्देलखलेक एल्बाना के 7:05.06 मिनट से कम है, जिन्होंने पहले हीट से क्वार्टर फाइनल के लिए अंतिम स्थान प्राप्त किया है। वहींपुरुष एकल स्कल्स क्वालिफिकेशन के लिए रेपचेज इवेंट भारतीय समयानुसार रविवार 28 जुलाई को दोपहर 1 बजे होगा।

पुरुषों की स्ट्रीक स्केटबोर्डिंग बारिश के कारण कल तक स्थगित

पेरिस, 27 जुलाई। पेरिस ओलंपिक खेलों में शनिवार को होने वाली पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग प्रतियोगिता को भारी बारिश के कारण सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वर्ल्ड स्केट के स्केटबोर्डिंग निदेशक लुका बेसिलिको ने यहां जारी एक बयान में कहा, दोपहर तक प्रतिकूल पूर्वानुमानों के कारण पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग प्रतियोगिता को सोमवार को पुनर्निर्धारित की गई है जो मूल रूप से नियोजित समय के अनुसार ही शुरू होगी। पुनर्निर्धारित प्रारंभिक प्रतियोगिता चरण दोपहर के समय शुरू होगा जिसमें चार हीट से शीर्ष आठ प्रतियोगी फाइनल में पहुंचेंगे। प्रतियोगिता स्थल के कर्मचारियों ने कहा कि यह निर्णय एथलीटों की सुरक्षा चिंताओं से लिया गया है क्योंकि लगातार बारिश के कारण मैदान फिसलन हो गई है। सफाई के प्रयासों के बावजूद स्ट्रीट-स्टाइल कोर्स में अभी भी पानी जमा है।

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी प्रिय पुत्री **खुशी शर्मा** का आकस्मिक निधन शुक्रवार, 26.7.2024 को हो गया है। जिनकी आत्मशान्ति हेतु तीये की बैठक रविवार दिनांक 28.7.2024 को सांय 4:00 से 5:00 बजे तक "ए. एल. पेरेडाइज" सांगासेतु पुलिया के पास, हायर सैकेण्डरी स्कूल के सामने, सांगानेर में रखी गई है।

शोकाकुलः- मुकेश शर्मा- किरण शर्मा (माता- पिता), मदन गोपाल- नारायणी देवी, मोहनलाल- मुन्नी देवी, श्याम सुन्दर- शारदा (दादा- दादी), प्रेमचंद, जुगल- कृष्णा (ताऊ- ताई), किशोर- मिनाक्षी (चाचा- चाची), राजेश, विशाल, हेमन्त, अविनाश, भव्यरत्न, रुद्राक्ष (भ्राता), चंद्रकांता, चेतना, इशिका, संजना (बहन)

पेरिस ओलिंपिक का धांसू आगाज, सीन नदी के किनारे ओपनिंग सेरेमनी

सिंधु-शरत कमल ने की भारतीय दल की अगुवाई

पेरिस, 27 जुलाई। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 33वें ओलिंपिक का आयोजन हो गया है। इस दौरान ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, हालांकि ये आयोजन किसी स्टेडियम में नहीं बल्कि सीन नदी पर किया गया। वहीं इस सेरेमनी में सबसे पहले ग्रीस देश की परेड निकली। बता दें कि, ग्रीस को ओलिंपिक खेलों का जन्मदाता भी कहा जाता है।

26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलने वाले इस ओलिंपिक में भारत की तरफ से ध्वजवाहक पीवी सिंधु और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल रहे। ये दोनों खिलाड़ी अपने-अपने खेल में ओलिंपिक की ओपनिंग सेरेमनी में भारत के ध्वजवाहक बनने वाले पहले खिलाड़ी हैं।

भारत के 117 खिलाड़ी इन खेलों में भाग ले रहे हैं, इनमें 47 महिलाएं हैं। कई खिलाड़ियों की शनिवार को प्रतिस्पर्धा है इसलिए तैयारियों का प्राथमिकता देते हुए उन्होंने ओपनिंग सेरेमनी में हिस्सा लिया। नावें शह की ऐतिहासिक इमारतों कैथेड्रल आफ नोत्रे डेम, लावरे म्युजियम और कुछ आयोजन स्थलों से होकर गुजरी। शहर में उद्घाटन समारोह के लिए दो लाख से ज्यादा मुफ्त टिकट दिए गए थे जबकि एक लाख से ज्यादा टिकट बिके थे। सेरेमनी के दौरान फ्लोटिंग परेड के बीच कलाकारों का धांसू परफॉर्मेंस भी देखने को मिला। लगभग 80 कलाकारों ने प्रसिद्ध फ्रांसीसी कैबरे नृत्य कैन-कैन का प्रदर्शन भी किया। इससे पहले लेडी गागा ने अपने परफॉर्मेंस से समां बांधा। लेडी गागा ने फ्रांस की दिवंगत अभिनेत्री जिजी जीनमैरे का फेमस सॉन्ग मॉन ट्रुक एन प्लम्स प्रस्तु किया। जीनमैरे की साल 2020 में 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

ओलिंपिक आयोजकों ने मांगी माफी

पेरिस, 27 जुलाई। ओलिंपिक खेलों के आयोजकों ने कहा कि वे पेरिस में उद्घाटन समारोह के दौरान दक्षिण कोरिया के खिलाड़ियों को उत्तर कोरिया के रूप में पेश करने के लिए 'तहे दिल से माफी' मांगते हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान शुक्रवार शाम जैसे ही दक्षिण कोरिया के दल ने सीन नदी में तैरती एक नाव पर अपने देश का झंडा लहराया, तो उन्हें फ्रेंच और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में 'डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (उत्तर कोरिया)' घोषित किया गया। दक्षिण कोरिया को कोरिया गणराज्य के तौर पर जाना जाता है।

पेरिस ओलिंपिक में भारत की खराब शुरुआत, शूटिंग में निराशा हाथ लगी

पेरिस, 27 जुलाई। पेरिस ओलिंपिक 2024 में प्रतिस्पर्धाएं शुरू हो चुकी हैं। पहले दिन 27 जुलाई भारतीय शूटर्स से मेडल की उम्मीद थी लेकिन भारत को निराशा मिली। 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत की दोनों जोड़ियां फाइनल के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर सकीं। इलावेनिल वलारिवन और संदीप सिंह 12वें स्थान पर रहे। जबकि रमिता जिंदल और अर्जुन बाबुता ने छठा स्थान हासिल किया। रमिता-अर्जुन ने कुल मिलाकर 628.7 अंक हासिल किए जबकि इलावेनिल-संदीप 626.3 अंक जुटा पाए। बता दें कि, टॉप 4 टीमों ने ही 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में मेडल राउंड के लिए क्वालिफाई किया। इस इवेंट का फाइनल 27 जुलाई को ही होना है, ध्यान रहे कि भारत के लिए आज सिर्फ यही एक मेडल इवेंट था। भारत की ओर से ओलिंपिक गेम्स के पहले दिन मेडल जीतने का रिकॉर्ड वेटलिफ्टर मीराबाई चानू के नाम हैं, चानू ने टोक्यो ओलिंपिक 2020 के पहले दिन सिल्वर मेडल जीता था।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम सुमित्रा कुमावत से बदलकर सुमन देवी कुमावत पत्नी सेडूराम कुमावत रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी-198 पटेलों वाली ढाणी, मारवाल, रोजदा, जयपुर

मैंने अपना नाम राजकुमार कुम्हार से राजकुमार कुमावत पुत्र श्री जगदीश नारायण कुमावत ग्राम-पोस्ट फालियावास-कानोता (बस्सी) जयपुर रख लिया। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। 9983545444

मेरा क्रमांक 160204722 रैंक L/NK नाम रणजीत सिंह निवासी- ग्राम- कुरैठा पोस्ट- कुरैठा, तहसील- पोरसा, जिला- मुरैना म.प्र. 476115 आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम अनुपम कुशवाह गलत दर्ज है सही नाम अनुपम है। Vide Affidavit BM-990165 Date- 21.06.2024

मै कुसुम सुखदेव ओहोळ आर्मी नंबर 21002393L लांस नायक (डी एमटी) ओहोळ कृष्णा सुखदेव यूनिट 199 मिडीयम रेजिमेंट की मां हूं, मेरे बेटे के सैन्य दस्तावेजों में मेरा नाम कुसुम है,जो की गलत है मेरा असली और सही नाम कुसुम सुखदेव ओहोळ है प्रतिज्ञापत्र नोटरी तारीख 24 जुलै 2024 कोर्ट जयपुर

मै ओहोळ सुखदेव रघुनाथ आर्मी नंबर 21002393L लांस नायक (डी एमटी) ओहोळ कृष्णा सुखदेव मेरे बेटे के सैन्य दस्तावेजो। मै मेरा नाम ओहोळ सुखदेव रघुनाथ हैं जो की गलत है. मेरा असली ओर सही नाम ओहोळ सुखदेव रघुनाथ है प्रतिज्ञापत्र नोटरी तारीख 24 जुलै 2024 कोर्ट जयपुर

I service no 16012204F Ex RFN Ram singh jeetrawal S/O mool Chand jeetrawal R/O village ajabpura post bobari teh. Jamwaramgarh district jaipur that have changed my daughter name From CHINKI is wrong entered in service record To CHINKI CHOUDHARY vide affidavit dated 26 July 24 before district notary Jaipur

I Rajashree kanwar D/O jC no 272703F SUB Late datar singh shekhawat R/O plot no 16 jeen mata nagar harnathpura kalwar road jhotwara Jaipur that have changed my name From. RAJASHREE KANWAR wrong entered in service record To RAJSHREE KANWAR vide affidavit dated 27 July 2024 before district notary Jaipur

बैडमिंटन में लक्ष्य सेन का जीत से आगाज

टेबल टेनिस में हरमीत देसाई ने पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ में बनाई जगह

पेरिस, 27 जुलाई। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलिंपिक की शुरुआत शानदार जीत के साथ की है। पहले ग्रुप मुकाबले में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन के खिलाफ खेलते हुए धमाकेदार प्रदर्शन किया। पहला गेम महज 14 मिनट में जीतने के बाद दूसरे गेम में पीछे होने के बाद वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। लक्ष्य ने ग्वाटेमाला के खिलाड़ी को खिलाफ मैच 21-8 और 22-20 से जीता।

लक्ष्य से ने पेरिस ओलिंपिक की शुरुआत अपने ही अंदाज में जीत के साथ की है। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी से देश को पदक की उम्मीद है। पहले ग्रुप मुकाबले में इस खिलाड़ी का सामना ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन के खिलाफ था। आक्रामक शुरुआत करते हुए लक्ष्य ने पहले गेम में महज 14 मिनट में खत्म कर दिया। 21-8 के बड़े अंतर से गेम को एकतरफा बनाते हुए बढ़त हासिल की। दूसरी तरफ पेरिस 2024 ओलिंपिक के पुरुष टेबल टेनिस प्रिलिमिनरी राउंड में भारत के हरमीत देसाई ने जॉर्डन के जैद अबो यमन को हराया। साउथ पेरिस एरिना में खेलते हुए देसाई ने 30 मिनट तक चले मुकाबले में 4-0 (11-7, 11-9, 11-5, 11-5) से जीत हासिल की। 31 वर्षीय खिलाड़ी का रविवार को राउंड ऑफ 64 में फ्रांस के फेलिक्स लेब्रून से मुकाबला होगा।

टेबल टेनिस में हरमीत की विजयी शुरुआत

पेरिस, 27 जुलाई। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी हरमीत देसाई ने शनिवार को पेरिस ओलंपिक में जॉर्डन के जायद एबो यमन पर 4-0 से जीत दर्ज करते हुये अपने विजयी अभियान की शानदार शुरुआत की। आज यहां खेले ये मुकाबले में हरमीत शानदार लय में रहे और उन्होंने शुरुआत से ही अपने प्रतिद्वंद्वी एबो यमन पर दबाव बनाये रखा।

भारतीय खिलाड़ी आज इन खेलों में लेंगे हिस्सा

पेरिस, 27 जुलाई। पेरिस ओलिंपिक 2024 का आगाज हो चुका है। पहले दिन भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित स्पर्धा में टीम कुछ खास नहीं कर पाई। हालांकि, 10 मिटर एयर पिस्टल इवेंट के फाइनल में अपनी जगह बनाई। इलावेनिल वलारिवन और संदीप सिंह की जोड़ी 12वें स्थान पर और रमिता जिंदलकी-अर्जुन बबुता की जोड़ी छठे स्थान पर रही। वहीं अब रविवार 28 जुलाई को भारत निशानेबाजी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बॉक्सिंग और तीरंदाजी में चुनौती पेश करेगा।

मनु भाकर से भारत को पदक की उम्मीद है। उन्होंने 10 मीटर पिस्टल इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड के खत्म होने के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई और उनके इस प्रदर्शन से इस बात की संभावना जग गई है कि वह इस प्रतियोगिता में भारत को मेडल दिला सकती है। हालांकि, उनकी साथी रिदम सांगवान क्वॉलीफाई करने में असफल रहीं।

28 जुलाई को भारत का शेड्यूल-

महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का क्वालीफिकेशन राउंड मुकाबला होगा। वहीं इसी दिन पुरुषों के क्वालिफिकेशन राउंड में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा होगी।

बैडमिंटन-पीवी सिंधु महिला एकल ग्रुप में तो पुरुष एकल में एचएस प्रणय एक्शन में होंगे।

टेबल टेनिस-श्रीजा अकुला, शरत कमल और मनिका बत्रा एक्शन में दिखेंगे।

बॉक्सिंग-निखत जरीन खेलते हुए नजर आऐंगी। वहीं तीरंदाजी में भारतीय महिला टीम क्वालिफिकेशन मुकाबला खेलेगी।

चीन ने पेरिस ओलिंपिक खेलों के पहले दो स्वर्ण पदक जीते

पेरिस, 27 जुलाई। चीन ने पेरिस ओलिंपिक 2024 खेलों में प्रतिस्पर्धा के पहले दिन दो स्वर्ण पदक जीते। इन पदकों में खेलों का पहला स्वर्ण पदक भी शामिल है। विश्व चैंपियन निशानेबाज चीन के हुआंग युटिंग और शेंग लिहाओ ने शनिवार को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीत हासिल कर अपने देश को पेरिस ओलिंपिक का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। चीन ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम के फाइनल में दक्षिण कोरियाई निशानेबाजों पर 16-12 से करीबी जीत दर्ज की। कजाकिस्तान ने पहले इस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। चीनी जोड़ी ने चेटेउरौक्स शूटिंग सेंटर में अपने असाधारण कौशल और धैर्य का प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया के क्यूम जी-ह्योन और पार्क हा-जून को हराया। इससे पहले दिन में कजाकिस्तान की एलेक्जेंड्रा ले और इस्लाम सतपायेव की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए जर्मनी की अन्ना जानसेन और मैक्सिमिलियन उलब्रिच को 17-5 के स्कोर से हराया।

महिला एशिया कप 2024 : श्रीलंका को हराकर 8वां खिताब जीतने उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 27 जुलाई। मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना दबदबा बरकरार रखकर श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले फाइनल में जीत दर्ज करके रिकॉर्ड आठवां खिताब जीतने की कोशिश करेगी। भारत ने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने लीग चरण में पाकिस्तान को सात विकेट से, संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से और नेपाल को 82 रन से हराया था।

सेमीफाइनल में उसने बांग्लादेश को 10 विकेट से पराजित किया था। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अभी तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों को कोई मौका नहीं दिया है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने अभी तक टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई है लेकिन टीम प्रबंधन गेंदबाजों विशेषकर दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह के प्रदर्शन से काफी खुश होगा। दीप्ति ने टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक 9 विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सात विकेट लेकर तालिका में तीसरे नंबर पर है। इन दोनों का इकोनॉमी रेट भी शानदार है जिसका मतलब है कि उन्होंने विरोधी टीम के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया है। इन दोनों की कसी गेंदबाजी का फायदा भारत के अन्य गेंदबाजों को भी मिला है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव इसका उदाहरण है जिन्होंने अभी तक 5.5 के इकोनॉमी रेट से 6 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम के लिए कोई विभाग चिंता का विषय नहीं है लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स को बल्लेबाजी के कम मौके मिलने से वह थोड़ा चिंतित हो सकता है।

भारत ने 43 रन से जीता पहला टी-20, अच्छी शुरुआत के बाद फिर हारा श्रीलंका

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त, कप्तान सूर्या की फिफ्टी, रियान पराग को 3 विकेट

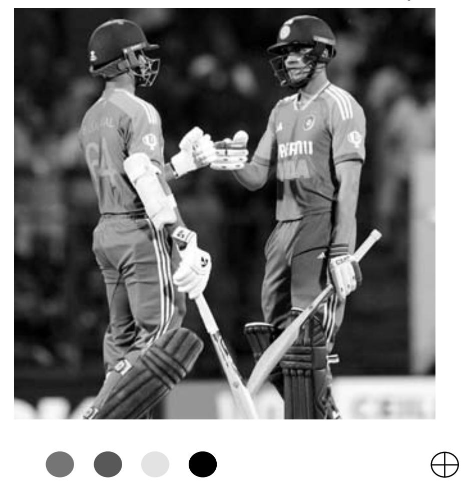

पल्लेकल, 27 जुलाई। वर्ल्ड चैंपियन भारत ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 43 रनों से जीत लिया है। इस जीत से टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की है। दूसरा मुकाबला 28 जुलाई को खेला जाएगा। पल्लेकेले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 213 रन बनाए। टीम इंडिया ने टी-20 में 35वीं बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया। रन चेज में श्रीलंकाई टीम 19.2 ओवर में 170 रन पर ऑलआउट हो गई। रियान पराग ने 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट मिले।

श्रीलंका से पथुम निसांका ने 79 रन बनाए। उनकी पारी के दम पर श्रीलंकाई टीम ने 14 ओवर में एक विकेट पर 140 रन बना लिए थे और आसानी से जीतती दिख रही थी। उन्हें अक्षर पटेल ने आउट करके भारत की मैच में वापसी कराई। कुसल मेंडिस (45 रन) रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी यशस्वी जयसवाल और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 74 रन जोड़े। छठें ओवर में दिलशान मदुशंका ने शुभमन गिल को आउट कर भारत का पहला झटका दिया। गिल ने 16 गेंदों में 34 रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में हसरंगा ने जयसवाल को के मेंडिस के हाथों स्टंप आउट कराकर भारत को दूसरा झटका दिया।

जयसवाल ने 21 गेंदों में 40 रन बनाये। बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऋषभ पंत के तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच 76 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में पतिराणा ने सूर्यकुमार यादव को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुये (58) रनों की पारी खेली। ऋषभ पंत ने 33 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुये (49) रन बनाये। हार्दिक पंड्या (9), रियान पराग (7) और रिंकू सिंह (1) रन बनाकर आउट हुये।

अक्षर पटेल पांच गेंद में 10 रन और अर्शदीप सिंह (1) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 213 रन का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका की ओर से मतीशा पतिराणा ने चार विकेट लिये। दिलशान मदुशंका, असिथा फर्नांडो और वानिंदु हसरंगा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भाजपा मुख्यालय में भाजपाई मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक ली प्र.मंत्री मोदी ने

केन्द्र में तीसरी बार प्र.मंत्री बनने के बाद यह पहला मौका है जब मोदी इस तरह की बैठक कर रहे हैं

- **इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा भी शामिल हुये। बैठक की शुरुआत में प्र.मंत्री मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए अभिनंदन किया गया।**
- **बैठक के दूसरे दिन सभी भाजपाई मु.मंत्री अपने राज्यों में चल रही विकास योजना की अप-टू-डेट रिपोर्ट पेश करेंगे तथा प्र.मंत्री मोदी सभी मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा भी करने वाले हैं।**

नई दिल्ली, 27 जुलाई। नीति आयोग गवर्निंग काउन्सिल की बैठक में शामिल न होकर विपक्ष ने विकसित भारत के मोदी सरकार के लक्ष्य में असहयोग का बिगुल भले ही फूंक दिया हो, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डबल इंजन सरकार के सहारे अपने संकल्प रथ को गति देने के लिए तैयार हैं। शनिवार को भाजपा मुख्यालय में शुरू हुई भाजपा मुख्यमंत्री परिषद की दो दिवसीय बैठक में पार्टी का जोर इसी पर है।

हर राज्य की ओर से विकास का खाका पेश किया जाना है। बैठक को प्रधानमंत्री भी संबोधित करेंगे। केंद्र में लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद यह पहला अवसर है, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर रहे हैं।

शनिवार शाम को प्र.मंत्री के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पार्टी मुख्यालय पहुंचे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सबसे पहले प्रधानमंत्री का तीसरी बार लगातार विजय के लिए अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बैठक के उद्देश्य पर विचार रखा।

बताया गया है कि पार्टी की ओर से सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों से पहले ही कह दिया गया था कि अपने-अपने राज्यों में चल रही केंद्र सरकार की योजनाओं की अद्यतन स्थिति, उनकी सफलता और लागू करने में आ रही बाधा पर रिपोर्ट सहित प्रदेश सरकारों ने सभी वर्गों के कल्याण को लक्षित करते हुए जो भी योजनाएं और नवाचार शुरू किए हों उनका ब्योरा लेकर आएं। सभी मु.मंत्री और डिप्टी मु.मंत्री इस तैयारी के साथ पहुंचे हैं।

गौरतलब है कि इस तरह की बैठक कर एक दूसरे की अच्छी योजनाओं का अनुसरण करने को कहा जाता है। ऐसी ही एक बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण योजना के लिए पूरा ड्राफ्ट तैयार करने का निर्देश दिया था, जिसे अब केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों में क्रियान्वित किया गया है। बैठक में अपने नवाचार साझा करने का क्रम शनिवार को शुरू हो गया और रविवार को भी मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री अपने राज्यों के कार्यकलापों का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मध्य प्रदेश से डॉ. मोहन यादव, राजस्थान से भजनलाल शर्मा, उत्तराखंड से पुष्कर सिंह धामी, गुजरात से भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ से विष्णुदेव साय, हरियाणा से नायब सिंह सैनी, असम से हिमंत बिस्वा सरमा पहुंचे।

ओडिशा से मु.मंत्री मोहन चरण माझी, त्रिपुरा से माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश से पेमा खांडू, गोवा से प्रमोद सावंत, मणिपुर से बिरेन सिंह, बिहार से उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और महाराष्ट्र से डिप्टी मु.मंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत कई केंद्रीय मंत्री शामिल हो रहे हैं। संभावना है कि रविवार को सभी मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री के मन की बात को भी एक साथ सुनें।

नीति आयोग की गवर्निंग काउन्सिल की नवीं बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शामिल हुये। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का खाका पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास, किसानों का सशक्तिकरण, एम.एस.एम.ई. योजनाओं को विशेष प्रोत्साहन देने की योजनाओं पर विशेष बल दिया जा रहा है। राजस्थान को रिन्युएबल एनर्जी निर्माण क्षेत्र में अग्रणी बनाने की योजनाओं पर भी प्रदेश सरकार विशेष ध्यान दे रही है।

विकसित भारत 2047 की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है विकसित राजस्थान 2047 का रोड मैप

नीति आयोग की गवर्निंग काउन्सिल की नवीं बैठक में शामिल हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री ने बिजली उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी और बताया कि राज्य सरकार में डेढ़ लाख करोड़ रूपए के एम.ओ.यू. किए हैं।**
- **मुख्यमंत्री ने ई.आर.सी.पी. और यमुना जल समझौते के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया और कहा कि इससे राज्य के 21 जिलों की जनता को पानी मिलेगा।**
- **मुख्यमंत्री ने विकसित राजस्थान को पूर्ण विकसित बनाने के लिए चिकित्सा, शिक्षा एवं सड़क निर्माण के क्षेत्र में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी भी दी।**

नई दिल्ली, 27 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की गवर्निंग काउन्सिल की नवीं बैठक में शिरकत करते हुए विकसित राजस्थान 2047 का रोड मैप काउन्सिल के सामने रखा। शर्मा ने बैठक में कहा कि विकसित राजस्थान 2047 की संकल्पना को साकार करने के लिए हमारी सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में 10 संकल्प लिए हैं जिसमें आगामी 5 वर्षों में प्रदेश की इकोनमी को 350 बिलियन डॉलर बनाने, बुनियादी सुविधाएं, शहरी ग्रामीण एवं क्षेत्रीय तथा मानव संसाधनों का विकास, किसानों का सशक्तिकरण, एम.एस.एम.एस.ई. को प्रोत्साहन देना तथा विरासत संरक्षण के साथ-साथ सबके लिए स्वास्थ्य, सुशासन जैसे महत्वपूर्ण घटकों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने कार्यभार संभालते ही बिजली के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण एवं निर्णायक कदम उठाए हैं। हमनें एन.टी.पी.सी., एन.टी.पी.पी. ग्रीन, कोल इंडिया, एन.एल.सी और आर.ई.सी. जैसे केंद्रीय उपक्रमों के साथ 1 लाख 50 हजार करोड़ के एम.ओ.यू. संपादित किए हैं। जिसके तहत 32 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा सकेगा, जो कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 2950 मेगावाट की सोलर परियोजना हेतु भूमि आवंटित कर दी है तथा पीएम कुसुम योजना के तहत 7 महीने की अल्पावधि में 4386 मेगावाट क्षमता के प्रोडक्ट्स हेतु लैटर ऑफ इन्टैन्ट जारी किए हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री ने ई.आर.सी.पी. परियोजना तथा यमुना जल समझौते के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा ई.आर.सी.पी. परियोजना को रिवर लिंकिंग प्रोजेक्ट में सम्मिलित कर राज्य के 21 जिलों के 3 करोड़ 25 लाख लोगों का सपना साकार हुआ है तथा हमने जल जीवन मिशन के तहत इस वर्ष 15 हजार करोड़ रुपए व्यय करके 25 लाख घरों में जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सम्मिलित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार हेतु बजट में 27 हजार 660 करोड रुपए का प्रावधान किया है जो राज्य बजट का 8.26 प्रतिशत है। राज्य में फरवरी, 2024 से "मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना" प्रारंभ कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने स्कूली शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए 134 राजकीय स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों में प्राईमरी कक्षाओं का संचालन प्रारंभ कर दिया है तथा 402 पी.एम.श्री. विद्यालयों में वर्चुअल ऑनलाइन लैब स्थापित किया जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 की दिशा में राज्य सरकार द्वारा पिछले 7 माह में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। जिसमें 2,750 किलोमीटर लंबाई के नौ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे का निर्माण, राज्य के हर जिले में मातृ वन बनाने, किसान सम्मान निधि की राशि को 6,000 से बढ़कर 8,000 करने तथा इस समयावधि में 20 हजार युवाओं को नियुक्ति प्रदान करने के साथ-साथ राज्य में "वन स्टेट-वन इलेक्शन" व्यवस्था लागू करने हेतु आवश्यक कार्यवाही शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाखड़ा और पोंग बांध को पूर्ण क्षमता तक भरने के संबंध में शीघ्र निर्णय लिया जाना आवश्यक है ताकि राज्य को उसके हिस्से का पानी आसानी से मिल सके। उन्होंने जल जीवन मिशन की अवधि मार्च 2027 तक बढ़ाई जाने का आग्रह भी किया। उन्होंने राज्य को आवंटित 2 लाख सोलर पंप के लक्ष्य को बढ़ाकर 6 लाख किए जाने का अनुरोध भी केंद्र सरकार से किया।

राजस्थान रिफाइनरी परियोजना के संबंध में भी मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि परियोजना की बढ़ी हुई लागत 72 हजार 937 करोड़ रुपए का अनुमोदन शीघ्र किया जाए ताकि रिफायनरी के काम को जल्द पूर्ण किया जा सके। शर्मा ने राजस्थान के विकास में पर्यटन की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में धार्मिक पर्यटन की बहुत बड़ी भूमिका है इसलिए धार्मिक स्थलों के विकास हेतु केंद्रीय सहयोग अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग को जल्द राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर विकसित किया जाए।

राहुल ने मोची को भेजा गिफ्ट

- **राहुल गांधी शुक्रवार को सुल्तानपुर में जिस मोची की गुमटी पर उससे मिलने गये थे, शनिवार को उन्होंने उस मोची के लिए जूते सिलने वाली मशीन भिजवा दी।**

नई दिल्ली, 27 जुलाई। सुलतानपुर में अपने चिर-परिचित अंदाज में नजर आए राहुल गांधी की चर्चा इस समय शहर से लेकर गांव तक हो रही है। शुक्रवार को राहुल गांधी एक मुकदमे में एम.पी.-एम.एल.ए. कोर्ट में बयान दर्ज कराने आए थे। दिल्ली वापस लौटते समय वे गुप्तारगंज कस्बे के विधायकनगर में अचानक मोची चैतराम की दुकान पर रुक गए। उन्होंने मोची से जूता बनाने की विधि के बारे में पूछा और उनके साथ कोल्ड ड्रिंक पी। थोड़ी देर बातचीत की और आगे बढ़ गए। शनिवार को उन्होंने दिल्ली से अपनी टीम भेजकर मोची को जूता बनाने की मशीन भेज दी। बदले में मोची चैतराम ने भी राहुल गांधी को रिटर्न गिफ्ट दिया। मोची ने उपहार में चमड़े के दो जूते भिजवाए।

शनिवार को मोची चैतराम के पास दिन में करीब 11 बजे फोन आया कि आपको राहुल ने जूता बनाने की मशीन भिजवाई है।

पुतिन से हो चुकी बात अब यूक्रेन के प्रधानमंत्री से बात करने जायेंगे मोदी

यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने पर बातचीत के लिए प्र.मंत्री मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन की यात्रा पर जाने वाले हैं

- **प्रधानमंत्री मोदी की, लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी जीत के बाद प्रधानमंत्री ज़ैलैंस्की ने उन्हें बधाई दी थी और यूक्रेन की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था।**

नई दिल्ली, 27 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद पहली बार अगले महीने कीव की यात्रा कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्र.मंत्री मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन जा सकते हैं। आपको बता दें कि करीब एक महीना पहले इटली में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की मुलाकात हुई थी।

इटली में दोनों नेताओं को मिलते समय गले मिलते देखा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी जीत के बाद ज़ेलेंस्की ने उन्हें बधाई दी थी और यूक्रेन की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था।

प्रधानमंत्री की यूक्रेन की यात्रा से इसलिए भी युद्ध की समाप्ति के आसार बन रहे हैं क्योंकि वह रूस की यात्रा के ठीक बाद यूक्रेन की यात्रा करने वाले हैं। इससे पहले जेलेंस्की ने प्र.मंत्री मोदी से मध्यस्थता करने की अपील की थी।

इससे पहले सितंबर 2022 में उज्बेक शहर समरकंद में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक में प्र.मंत्री मोदी ने कहा था, "आज का युग युद्ध का नहीं है।" उन्होंने पुतिन से यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए कहा। उनके संदेश को दुनिया का तमाम नेताओं से प्रशंसा मिली।

इस साल मार्च में राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ एक फोन कॉल में प्र.मंत्री मोदी ने भारत-यूक्रेन साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने इस दौरान संघर्ष के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने का आ ान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हरसंभव प्रयास करता रहेगा।

युद्ध शुरू होने के बाद से ही भारत का मानना रहा है कि इसे केवल बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही सुलझाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत किसी भी शांति प्रयास में योगदान देने के लिए तैयार है।

दिल्ली: कोचिंग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेसमेंट में पानी भर गया है और कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि शाम को भारी बारिश के कारण सड़क पर जलभराव हो गया था। डीसीपी हर्षवर्धन ने कहा कि हम मामले की जांच कर रहे हैं कि पूरा बेसमेंट कैसे भर गया।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि बेसमेंट में बहुत तेजी से पानी भर गया और कुछ लोग बेसमेंट के अंदर फंस गए। दिल्ली फायर सर्विस और एनडीआरएफ की बचाव टीमें यहां मौजूद हैं। तलाशी और बचाव अभियान जारी है। अब तक दो स्टूडेंट्स की बॉडी बरामद हुई है।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आम चुनावों में मोदी अल्पमत में आ गये थे, उस समय आर.एस.एस. की योजना उनके स्थान पर किसी और नेता बनाने की थी।

लेकिन मोदी ने भाजपा या भाजपा संसदीय दल की मीटिंग ही नहीं बुलाई। इसके स्थान पर, उन्होंने एन.डी.ए. की मीटिंग बुलाई तथा एन.डी.ए. सदस्यों से अपना समर्थन करवा लिया।

यह बात स्वयं में कितनी महत्वपूर्ण है कि भाजपा संसदीय दल का कोई पत्र राष्ट्रपति के पास नहीं गया था तथा राष्ट्रपति ने भी इस प्रकार का कोई पत्र माँगना उचित नहीं समझा।

अब यह लड़ाई पूरी तरह खुले में आ गई है। मोहन भागवत और नरेन्द्र मोदी में इस समय खूली अनबन है।

यह देखना बड़ा दिलचस्प होगा कि कौन टिका रहता है और कौन बाहर कर दिया जाता है।

ऐसी सम्भावना है कि अगर संघर्ष की स्थिति बनती है तो आर.एस.एस. मूल के सांसदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी।

ऐसी स्थिति में, जब मोदी-शाह योगी आदित्यनाथ से छुटकारा पाने के लिये पूरी-पूरी कोशिश एवं मेहनत कर रहे हैं तब योगी-प्रकरण क्या रूप लेता है, उससे यह स्पष्ट संकेत मिल जायेगा कि भाजपा की राजनीति किस दिशा में जा रही है।

अनंतनाग में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिन्हा ने दुखद सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। सिन्हा ने कहा, आज अनंतनाग के डकसुम में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में बहुमूल्य जिंदगियों के नुकसान के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के साथ हैं। मैंने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश जारी किए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, गुलाम नबी आजाद और महबूबा मुफ्ती सहित कई राजनीतिक नेताओं ने भी इस दुखद दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है।

जम्मू-कश्मीर में एक माह में नवां आतंकी हमला

शनिवार सुबह ही आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरु हो गई, जिसमें सुरक्षाबलों के तीन जवान घायल हो गये तथा एक जवान शहीद हो गया

- **सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक आतंकी को मारने में कामयाबी हासिल की है। संदेह जताया जा रहा है कि यह आतंकी पाकिस्तानी सेना का एस.एस.जी कमाण्डो हो सकता है।**

श्रीनगर, 27 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के एल.ओ.सी. के पास वाले जिले कुपवाड़ा में आज सुबह सेना और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया है इसके साथ ही मेजर समेत तीन और जवानों के घायल होने की खबर है। इस मुठभेड़ में एक आतंकी के भी ढेर होने की खबरें सामने आई है। घायल सैनिकों घटनास्थल से निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कुपवाड़ा में यह पिछले एक महीने में चौथी आतंक की घटना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जवान मुच्छल सेक्टर के कुमकाडी इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे तभी आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सेना को कुमकाडी इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सैनिकों ने यह सर्च ऑपरेशन चलाया था। सेना के द्वारा और सैनिकों को भेजकर इन आतंकियों की तलाश की जा रही है। रक्षा सूत्रों के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार इस हमले में पाकिस्तानी बैट(बॉर्डर एक्शन टीम) टीम का हाथ है। हमले में शामिल बैट टीम में पाकिस्तान के एसएसजी कमांडो सहित पाकिस्तान की नियमित सेना के सैनिक होने का संदेह है जो आतंकवादी संगठनों के साथ मिलकर काम करते हैं।

बुधवार को कुपवाडा जिले में ही सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई थी, जिसमें एक आतंकी मारा गया था। एक सैनिक भी घायल हो गया था। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सेना की तरफ से बताया गया था कि आतंकियों की मौजूदगी के संबंध में खबर मिली थी।

नीति आयोग प्रकरण में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोग की गवर्निंग काउंसिल बैठक में भाग ले रही थीं। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक से एकमात्र ममता बनर्जी ही थीं, जिन्होंने नीति आयोग की बैठक में भाग लिया था जबकि अन्य ने यह आरोप लगाकर बैठक का बहिष्कार किया था कि केन्द्र ने बजट में उनकी मांगों की अनदेखी की है। विपक्ष की राजनीति में खुद को अलग-थलग पाकर ममता बनर्जी बैठक बीच में ही बायकॉट का नाटक किया।

प्रैस इन्फॉमेशन ब्यूरो, जिसने ममता बनर्जी के दावे का फैक्ट चैक किया था, ने बयान जारी किया कि ममता बनर्जी का दावा "भ्रामक" है। ब्यूरो ने कहा "ऑफिशियल क्लॉक" बता रही है कि वे अपने निर्धारित समय से ज्यादा देर बोली। यहां तक कि उनको टाइम खत्म होने की सूचना देने वाली घंटी भी नहीं बजाई गई। ममता बनर्जी का दावा था कि उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया, जबकि वरिष्ठ नेता होने के नाते उनसे अच्छा व्यवहार किया जाना चाहिए। सत्य तो यह हे कि ममता बनर्जी विपक्ष से अलग-थलग पड़ गई हैं, अन्य नेताओं को ज्यादा तवज्जो मिल रही है।

इसके अलावा विपक्ष का सारा फोकस राहुल गांधी पर है। इसके अलावा अन्य विपक्षी दलों की राजनीति नहीं समझ पाने के कारण नीति आयोग की मीटिंग में शामिल होने वाली वही एकमात्र विपक्षी मुख्यमंत्री थीं, बाकी सब एन.डी.ए के सहयोगी दल थे। वह अक्सर अपनी वरिष्ठता का ढोल पीटती रहती हैं और यह बताती हैं कि वे कई बार सांसद चुनी जा चुकी हैं। प्रैस की सुर्खियों में आने के लिए नियमित रूप से वे ऐसी हरकते करती रहती हैं।

राजस्थान से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रुप से डॉग मीट खाया जाता है, वहां भी मांस के लिए कुत्ते को मारना प्रतिबंधित है। बेंगलुरू पुलिस ने कहा कि राजस्थान से आने वाले मीट को मटन कहकर बेचा जा रहा है, जबकि वास्तव में, वो मटन नहीं है। यदि लैब परीक्षणों में इस बात की पुष्टी हो गई कि यह कुत्ते का मांस है तो आरोपियों के खिलाफ सख़्त कार्यवाही की जाएगी।

जे.डी.ए. सचिव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया गया कि परिवादी पी.आर.एन. का सफल आवंटी है, लेकिन उसे पी.आर.एन. में भूखंड का कब्जा नहीं दिया गया, जिस पर उसने उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। आयोग ने 26 जुलाई 2013 को फैसला देते हुए जे.डी.ए. पर 2500 रुपए हर्जाना लगाते हुए निर्देश दिया कि वह परिवादी को पी.आर.एन. में ही भूखंड दे। जे.डी.ए. ने आदेश की पालना करने के बजाय, इसे राज्य उपभोक्ता आयोग और बाद में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में चुनौती दी, लेकिन दोनों ही जगह पर जे.डी.ए. हारा और जिला उपभोक्ता आयोग का फैसला बरकरार रखा गया। इस पर जे.डी.ए. ने राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी गत 13 फरवरी को जे.डी.ए. की एस.एल.पी. खारिज कर दी। इस पर परिवादी ने उपभोक्ता आयोग में चल रहे अवमानना मामले में आदेश की पालना करवाने का आग्रह किया, जिस पर आयोग ने जे.डी.ए. सचिव के गिरफ्तारी वारंट व जे.डी.सी. के जमानती वारंट जारी कर उन्हें तलब किया है।

ममता बनर्जी ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों से मुलाकात की थी। मुख्य बात यह है कि बनर्जी ने कई बार इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों से भिन्न रुख अपनाया था, परन्तु मोटे तौर पर वह भाजपा का विरोध करने वाली ताकतों के साथ प्रतिबद्ध रही हैं। मनोज झा ने यह भी कहा कि "भाजपा यदि यह सोचती है तो यह उसकी गलतफहमी है कि विपक्षी समूह में समन्वय की कमी है। समन्वय है या नहीं है यह एक बिलकुल ही अलग बात है। परन्तु, सार यह है कि हब सब एकजुट हैं और एकसाथ खड़े हैं।"

महबूबा मुफ्ती ने अमित शाह से कश्मीर मसले पर खास अपील की

महबूबा मुफ्ती ने अमित शाह से कहा, आप कश्मीर और पी.ओ.के मसले पर शांति स्थापित करने के लिए दोंनो देशों के 20-20 प्रतिनिधियों की एक समिति बनाइये

- **महबूबा मुफ्ती ने अमित शाह से कहा कि राष्ट्र हित में वे अपना अहंकार त्याग दें और लाइन ऑफ कन्ट्रोल (एल.ओ.सी.) के दोनों ओर के लोगों के प्रतिनिधियों की बैठक कराएं, जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल के दौरान किया था।**

श्रीनगर, 27 जुलाई। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर को वापस लाने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक सुझाव दिया है। महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को क्षेत्र के मुद्दों पर चर्चा के लिए जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा के दोनों ओर के लोगों के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाने का आव्हान किया। पीडीपी के 25वें स्थापना दिवस समारोह में महबूबा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से प्रत्येक पक्ष के 20 प्रतिनिधियों की एक समिति बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा, "अमित शाह कहते हैं कि वह कश्मीर (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) वापस लाएंगे, जबकि आप हम मुसलमानों से कहते हैं कि पाकिस्तान चले जाओ।" पीडीपी अध्यक्ष ने कहा, "हालांकि मेरा आपसे एक अनुरोध है। जब तक आप उस हिस्से को वापस नहीं लाते, तब तक इस कश्मीर और उस कश्मीर के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाइए तथा हमें साथ लाइए। हम साल में दो बार एक साथ बैठेंगे और हमारे सामने आने वाले मुद्दों पर चर्चा करेंगे।"

उन्होंने शाह से कहा कि राष्ट्र के हित में वह अपना अहंकार त्याग दें और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के दोनों ओर के लोगों के प्रतिनिधियों की बैठक कराएं जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल के दौरान किया था। महबूबा ने कहा, "क्या आपमें हिम्मत है अमित शाह साहब? आप कहते रहते हैं कि आप उस कश्मीर को वापस लाएंगे। वह कश्मीर बहुत दूर है, उनके 20 प्रतिनिधि और हमारे 20 प्रतिनिधि लाइए और हमें एकसाथ बैठने दीजिए।" उन्होंने सवाल किया, "क्या आप ऐसा कर सकते हैं? क्या आपमें ऐसा करने की हिम्मत है? क्या आपमें वाजपेयी की तरह देशभक्ति है कि आप जम्मू कश्मीर के लिए अपने अहंकार का त्याग कर दें?" महबूबा ने देशभर की जेलों में बंद कश्मीरी युवाओं को रिहा करने का भी आव्हान किया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908